॥ ॐ ॥

अखिल भारतवर्षीय श्री श्वे. स्थानकवासी जैन कोन्फरन्स नो सत्तरमो अेहवाल

संवत–१९८२ थी संवत १९८८ सुधी.

卐

ऑफिस'—
१८८ आर्गायिल्ल रोड.
दाणाबन्दर,
मुम्बई, नं. ३.

प्रसिद्ध करनार,
रा. सा. मोतीलाल वालमुकुंद मुथा
वेलजी लखमशी नपु B A LL B
रेसिडन्ट जनरल सेक्रेटरीओ

श्री श्वे स्थानकवासी जैन कोन्फरन्स

स्थापना—ई सन १९०६

कोन्फरन्स अधिवेशनोनी नोंध

	ई स	स्थळ	अधिवेशन प्रमुख
१	१९०६	मोरवी	राजसेठ चांदमलजी सा (अजमेर)
२	१९०८	रतलाम	सेठ केवलदास त्रिभुवनदास (अमदावाद
३	१९०९	अजमेर	सेठ बालमुकुंदजी मुथा (सतारा)
४	१९१०	जालंधर	„ उमेदमलजी लोढा (अजमेर)
५	१९१३	सीकन्द्राबाद	„ लक्ष्मणदासजी मुल्तानमलजी (जलगाम
६	१९१५	मलकापुर	„ मेघजीभाई थोभण जे पी (मुम्बई
७	१९२१	बम्बई	„ भैरोंदानजी सेठीया (बीकानेर)
८	१९२७	बीकानेर	„ वाडीलाल मोतीलाल शाह ([illegible]

कोन्फरन्सना चालु ट्रस्टीओ

१ शेठ वर्धमानजी पीतलीया रतलाम
२ „ भैरोंदानजी सेठीया बीकानेर
३ „ लाला गोकुलचंदजी नाहर दिल्ली
४ „ मीरचन्द भाई मेघजी बम्बई
५ „ दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी जैपुर
६ „ बालमुकुंदजी मुथा सतारा
७ „ वेलजी लखमशी नपु, बम्बई

कोन्फरन्सना चालु जनरल सेक्रेटरीओ

१ लाला गोकुलचन्दजी नाहर, दिल्ली
२ शेठ लक्ष्मणदासजी मुल्तानमलजी जलगांव
३ „ वर्धमानजी पीतलीया रतलाम
४ „ लाला ज्वालाप्रसादजी महेन्द्रगढ
५ „ मोतीलालजी कोटेचा मलकापुर
६ „ भैरोंदानजी सेठीया बीकानेर
७ „ रायचन्द धीमचन्द शाह, मुम्बई
८ „ मोतीलालजी मुथा सतारा
९ „ वेलजी लखमशी नपु, मुम्बई

श्री

अखिल भारतवर्षीय

श्री श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन

कॉन्फरन्स

नो

सत्तरमो अहेवाल

(सं. १९८२ थी सं. १९८८ सुधी)

॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

प्राक्कथन

श्री श्वे. स्था जैन कॉन्फरन्सने मोरवी मुकामे स्थपायाने लगभग २७ वर्ष थवा आव्या छे। कॉन्फरन्सना आ जीवनमा समाजोन्नतिना जे जे शुभ कार्यो साधी शकाया छे अने कॉन्फरन्सने हस्ते बीजारोपण थया बाद पोषाय रहेल छे तेनो विचार करवानुं कार्य अमे समाजना विचार शील, विद्वान्, अने धर्मप्रेमी बन्धुओने सोंपीए छीए । अत्रे मात्र एटलुंज लखवुं उचित लागे छे के कॉन्फरन्स जेवी समाजमा सार्वदेशिक प्रगति तेमज प्राण पूरती जीवंत संस्थानी जरुरीयात माटे आजना आ प्रगति प्रेरक युगमा बेमत होइज न शके। शिष्ट समाज—जीवन घडतरमा पूर्णताने पहोंचेल वृद्धो, समजु अने सहकारी प्रौढवर्ग, चेतनवंता उछलता लोहिया नवयुवको, अने नवयुगने जन्मावनारी प्रेरक स्त्री शक्ति आ चारेनो समन्वय साधती कॉन्फरन्स ज जीवंत कॉन्फरन्सना बिरुदने प्राप्त करी शके । दुर्भाग्ये आपणी कॉन्फरन्सने आज सुधीमां अनेक तडका अने छायडा वेठवा पडेल छे, ते उपरात उपरोक्त चारेना समन्वय साधी जीवंत संस्था तरीके जीववाना कोड समाजनी कंईक

प्रगति प्रति बेदरकारी, विस्तारापेक्ष शक्तिओ, वर्तमान युगमंदीनो प्रभाव तेमज कंइ साध्य श्रीमन्तनी जरुरीयातने अंगे पूर्ण न बनी शकता होय ए संभव छे। छतां पण समाजना थारे कोमी एकता करी कॉन्फरन्सने एक उपयोगी अने श्रीमंत संस्था बनाववानो दरेक धर्म हितैषी, समाज हितैषी अने प्रगति इच्छु जनो सौथी प्रथम फरज छे।

आज सुधी कॉन्फरन्से शुं कर्युं छे? आ प्रश्नना जवाबमां कहाय के अभिलाषाए प्रश्न पूछायेल छे तेओ संतोष न पामे छतां पण जे कर्युं छे--समाजनो जेटला प्रमाणमां साथ मल्यो तेटला प्रमाणमां जरूर समाजनी घणी सेवा करी छे। ए नि संकोच पणे कही शकाय। कॉन्फरन्स पहेलानी अने पछीनी स्थिति सरखावतां स्पष्ट प्रतीति थशे के पूरता साथ के साधनो विना पण जे कार्य थई शक्युं छे ते संतोष जनक थयुं छे। अने जो पूरतो साथ मल्यो होत तो संभव छे सर्वेनी अभिलाषा संतोषी शकात। आम छतां कॉन्फरन्सना उपयोगीपणा विषे हजी केटलाक माणसो शंका राखे छे। तेओ तरफथी एम दलील थाय छे के कान्फरन्स अंगे पैसा अने शक्तिनो व्यर्थ व्यय करवामां आवे छे फायदो कंइ नथी थतो। परंतु तेओने एटलुंज जणाववानुं के कॉन्फरन्स ए एकज साधन छे, जेनी द्वारा पंजाबी, मारवाडी, मालवी, मेवाडी, गुजराती, कच्छी दक्षिणी भाइओ वगेरे तेमज श्रीमन्तो अने विद्वानो यथेच्छ सामान्य समाजिक कार्यमां एकठा मली विचार विनिमय करे छे जेथी भ्रातृभाव--स्वधर्मी भावनी लागणी वधे छे ए जेवो तेवो फायदो नथी। आ साधनद्वारा एकत्र थई उच्च विचारोनी आपले करी शकीए छीए। चतुर्विध संघना दर्शनथी आपणा मन प्रफुल्लित थई शके छे। भेगा बेसी, भेगा जमी, एक बीजाना रीति रिवाजो जाणी [illegible]ति निकटना संबंधमां आवी शकीए छीए। ज्ञाति सुधारा, व्यावहारिक तेमज धार्मिक केळवणी अने संघ तेमज धर्म हितना कार्यो करी शकीए छीए।

लोकमत केळववानुं सौथी अगत्यनुं तेमज शीघ्र लाभप्रद साधन छे। भिन्न भिन्न शक्तिशालीओना एकत्र बळे कोई अपूर्व नवीनता जन्मावी शकीए छीए। आजसुधीना कॉन्फरन्सना जीवनथी ए तो तद्दन स्पष्ट छे के आपणा समाजमा व्यवहारिक अने धार्मिक उन्नति माटे खूब जागृति थयेली दृष्टिगोचर थाय छे। उत्तरे काश्मीरथी दक्षिणे कन्याकुमारी अने पूर्वमा कलकत्ता थी पश्चिमे कराची सुधीमा सर्वत्र आपणा स्वधर्मी वसे छे। तेमा केटलाक मोटा धनाढ्यो छे। आ बधा कोन्फरन्स द्वाराज एक बीजाना गाढा परिचयमा आव्या छे। एक बीजानी व्यवहारिक धार्मिक तेमज नैतिक छाप एक बीजा पर पडी छे। आ उपरात ऐक्य बळे कॉन्फरन्स द्वारा अरजीओ करता घणा राजा महाराजाओए दशेरा अने एवा बीजा तहेवारोमा थतो पशुवध सदंतर बन्ध करी करोडो मूक पशुओना आशीर्वाद मेळवी शकाया छे। घणा हानिकारक रिवाजो कॉन्फरन्सना सतत प्रयासे बन्ध थया छे अने रूढी पोषक खर्चोनो सदुपयोग करवानी प्रेरणा सर्वत्र जागृत करवामा आवी छे। आ उपरात चारे तीर्थमा सर्वत्र एकता वधारवा शुभ प्रवासो करवामा आव्या छे अने तेमा सर्वत्र सफळता स्पष्ट देखाय छे। अंतमा एटलुं जणाववुं बस थशे के स्थानकवासी संप्रदायमा दरेक वर्गमा प्राण रेडी, पोतपोताना कर्तव्योनुं भान करावी समाजने उन्नति पथ पर लइ जवानो कंई नानो सुनो लाभ नथी। अने तेमाटे जे पैसा अने शक्तिनो व्यय करवामा आव्यो छे ते सार्थक थयो छे।

दरेक शहेर अने गामना श्री संघो, तेमज समाजनी एकेएक व्यक्तिने विनंति छे के कॉन्फरन्सने मजबुत करवामा आपणुं श्रेय छे एम समजी भिन्न भिन्न दिशामां प्रयासो चालु राखशो तो आपणो समाज अन्य समाजो करता उच्च स्थिति प्राप्त करवाने शक्तिमान थशे। अहिं एकज प्रश्न छे के आ वधुं क्यारे शक्य बने? बधा—मोटा के नाना कोईपण कार्यमा कार्यकर्ता तेमज

पैसानी सौथी प्रथम आवश्यकता छे। आ अंगे आवश्यकतानी पूर्ति अर्थे अनेक योजनाओ अत्यार सुधी विचाराई गई छे अने अमलमां पण मूकवा प्रयत्न थयेल परंतु पूर्ण सफलता प्राप्त नथी मळी। कार्यकर्ताओनी आवश्यकता पूर्ति माटे बहुज विचार कर्या बाद छेवटे 'वीरसंघ' 'महावीर मीशन' वगेरे योजना घडी परंतु ते योजना कार्य रूपे न ज परिणमी। ए अंगे योजना उपर फरी विचारकरी तेने अमलमां मूकी एक मोटी आवश्यकतानी पूर्ति करवा खास लक्ष्य आपवु जरूरी छे। बीजी आवश्यकता पैसानी छे। ते माटे पण घणी घणी योजना विचाराय छे ते अहिं रजु करीए छीए। सौथी प्रथम अधिवेशन वखते फंडो थाय छे ते। ते योजना मात्र कार्य अनुसार समाज पासेथी अमुक प्रसंगे ज मळे छे। त्यारबाद कॉन्फरन्सना ज प्रकारना सभ्य के जेओ एकदम वखते अमुक रकम आपी सभ्य बने छे। त्यारबाद वार्षिक रु १० आपी जनरल कमीटीमा सभ्य बनवानुं छे। परंतु ते पण बहुज परिमित बनी गयुं छे कारण के वार्षिक रु १० ए सामान्य व्यक्तिओ माटे घणी भारे रकम गणाय एटले ए योजना पण व्यवहारु बनी न शकी। ए उपरांत एक सहायक मंडळ उभुं करवुं के जेओ पोत पोतानी इच्छानुसार दरवर्षे अमुक रकम कॉन्फरन्सने आपे ज। परंतु ए तो त्यारेज बनवी शके के ज्यारे कॉन्फरन्स जनताना हृदयमां घर करी छे। अने तेथी पण कार्यनी कदर समाज जुवी शके। त्यारबाद एके एक स्थानकवासीना घरदीठ रूपीआ फंड तेमज चार आना फंडनी योजना पण जो व्यवस्थित बनी शके तो बहुज लाभप्रद बनी शके। परंतु तेमां पण जनताना तेमज अखिल भारत वर्षमां सर्व गाम तथा शहेरोना श्री संघोनो साथ होवो जोईए। वार्षिक चार आना के रूपीओ ए कोईने पण भारी न ज पडे। परंतु ते दरेक गाममां व्यवस्थित संघो स्थपाई जाय, अने तेओ बीजी व्यवस्थानी माफे साथे आ पण फरजीयात दरवर्षे उघरावी कॉन्फरन्सने

मोकली आपे तोज थई शके अन्यथा पहेला एक बे वर्ष प्रयत्न करवा छतां निष्फलता मली अने ए योजना पडती मूकाई तेवुंज परिणाम आवे । चार आना के रुपीया फंडना अमुक नियम बनाववा जोइए अने जे एटलापण न आपी शके एम होय जेवाके अशक्त, अपंग, रोगी, विधवा वगेरेने बाद करी ए फंड उघराववानी व्यवस्था करवी अने ए अशक्त लोकोने पण उपयोगी थाय तेमज सर्व प्रांतोने तेनो लाभ मले तेवी योजना घडवी । ए फंडमाथी एवी योजना विचाराय के जेथी बीजा कोई लागा भले महाजन के संघने न दे पण आ रुपीया फंड के चार आना फंड तो जरूर दे । ज्या सुधी आवी जातनी उंडी छाप न पडे त्यासुधी आ फंड उघराववापा घणी मुश्केली पडे । आ फंड उघराववाथी सर्व श्री संघ पण व्यवस्थित बनी जशे अने साथे समाजनी मोटीमा मोटी आवश्यकता पूराशे । आ फंडमाथी प्रान्तिक गुरुकुलो बॉर्डिंग हुन्नरशालाओ, विधवाश्रमो, अनाथालयो वगेरेने जे जे प्रांतमा होय ते ते प्रांतमा ज नभाववानी व्यवस्था करवा उपरांत दरवर्षे प्रान्टो आपवी तेमज बीजी एवी औद्योगिक संस्थाओ उभी करवी के जेमा जैनोज काम करे अने तेमा कार्यप्रमाणे पगार आपवा । आथी हुन्नर उद्योग अने जात महेनत वधशे । ए संस्थाओ पोताने निभाववा उपरांत बीजी केटलीक संस्थाओने पण निभावशे मात्र ते बधी संस्थामा स्थापन (Establishment) माटे रोकाण (Investment) करवुं जोईए । आजना आ युगमा आवी संस्थाओ समाजने बहुज उपयोगी थई पडशे । उद्योगी जीवन साथे नवी नवी दिशाओ, नवा नवा हुन्नरो खीलशे । आजना शिक्षित समाज थी उद्योग—जातमहेनत प्रतिनो तिरस्कार तेमज बेदरकारी दूर थतांज एक सुंदर युग स्थपाशे । आजनो शिक्षित वर्ग एटले मात्र नोकरी माटे फांफां मारतो अने स्वतंत्र धंधो तेमज उद्योगने अणस्पर्शतो वर्ग । ए

मुश्केली दूर थतांज समाजमां नवयुग आरंभाशे। आ बाबतमां पण योग्य विचार करी व्यवहारु योजनाओ घडी अमलमां मूकवा माटे भरसक प्रयत्न करवानी जरूर छे। अंतमां कॉन्फरन्सना उद्देशनी सिद्धि थने समाजमां पूर्ण जागृति थाओ एवी अभ्यर्थना ॥

सात वर्षने थोडे गाळे आ सत्रमो अहेवाल छपाई रजु कराए छीए। मुंबईमां ऑफिस आव्या बाद जे जे कार्यो थया छे तेनी आछी संक्षेपमां ज रूपरेखा दोरी छे। आम सुधीनुं ऑफिसनुं काम एकज व्यक्तिने हाथे थयेल न होई घणी माहितिओ छुटी जवा पामी हशे, घणी त्रुटीओ रहेवा पामी हशे अने जेटलो जोईए तेटलो आ अहेवाल पूर्ण बनवा पण न पाम्यो होय तो ते माटे दरगुजर करशोजी। आ अहेवाल अजमेर अधिवेशन उपर ज तैयार करवानो होई उतावळे तैयार थवा पाम्यो छे आने लगे पण भाषा तेमज टाइप के शाब्द चूकमी जोनी पण भूल रहेवा पामी होय तो ते सर्वे दरगुजर करशोजी।

अखिल भारतवर्षीय श्री. श्वे. स्थानकवासी जैन कॉन्फरन्सनो अहेवाल.
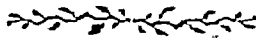
[सं. १९८२ थी संवत १९८८ सुधीनो]

मोरवी निवासी स्व सेठ अंबावीदास डोसाणीनी प्रेरणा अने उत्साहथी आ कोन्फरन्सनो जन्म थवा बाद कोन्फरन्स तरफथी समाज सुधारणा अने धर्मप्रचारनु कार्य थतु रह्युं हतु। अने तेना अधिवेशनो पण भराया हता। सीकंद्राबाद अधिवेशन पछी कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओमा शिथिलता आवी हती। अने परिणामे चार वर्षना लांबा गाळा दरमीयान अधिवेशन भरी शकायु नहोतुं। त्यारबाद मलकापुरमा सेठ मोतीलालजी सा मुथाना सतत परिश्रम अने उत्साहने लइने कोन्फरन्समा नवजीवननो संचार थयो हतो। अने तेना ठराव मुजब सने १९२५, सवत १९८१ ना भादरवा सुद ४ ना दिवसे कोन्फरन्स ऑफीस सताराथी मुम्बई आवी हती। ऑफीस सताराथी मुम्बई आवी ते वखते कोन्फरन्स पासे नीचे प्रमाणे फंडनी स्थिति हती।

७,५००) मोरारजी गोकुलदास मिल्सनी रसीद।
१०,०००) मदरास युनाइटेड मिल्सनी रसीद।
१२,६३८)≡||| मुम्बई म्युनिसिपल लोन।
२,७४१) मलकापुर अधिवेशनमा थयेला फंडमा त्या भरायेली रोकड रकम.

३२,८७९≡|||

त्यारबाद रीपोर्टमाळ्ा सात वर्षो दरमीयान ऑफीस मुम्बईमांज रहेवा पामी छे अने ते वर्षो दरमीयान ऑफीस तरफथी थयेळी प्रवृत्तिओनो संक्षिप्त अहेवाळ आ नीचे सहर्ष रजू करीए छीए।

जैन प्रकाश—लोकमत जागृत करवा अने संस्थाना उद्देशनो प्रचार करवामां 'समाचार पत्र' ए आजना युगनुं सर्वोत्तम साधन गणाय छे। कोन्फरन्स तरफथी प्रगट थतुं "जैन प्रकाश" पत्र समाजमां जागृति आणनार एक सरस साधन अने प्रवृत्ति थई पडी हती। "प्रकाश" मुम्बईमां आवतां तेनी गुजराती तेमज हिन्दी एम बे आवृत्तिओ प्रकट करवानी शरुआत थई हती अने नमुनारूपे तेमज वांचवा योग्य मागोए समस्त समाजना खुणे खुणे तेनो प्रचार करवानुं कार्य हाथ धरवामां आव्युं हतुं।

कोन्फरन्सना त्यारना उत्साही रे० ज० सेक्रेटरी, शेठ सूरजमल लल्लुभाईए 'प्रकाश' नुं तंत्री पद स्वीकारीने 'प्रकाश' द्वारा बोधक अने मननीय विचारोनो फेलावो करवानुं कार्य हाथमां लीधुं हतुं। निन्दात्मक लखाणो अने साधु समाजना कलह प्रश्नोने दूर राखवानी नीति तेओश्रीए अखत्यार करी हती। केटलाक महीनाओ बाद कार्यनो सविशेष बोजो थई पडवाने कारणे तेओश्रीए 'प्रकाश' नुं तंत्री पद त्यारना ऑफीस मेनेजर, श्री हर्षचंद्र भाइचंदजी कामदारने सोंप्युं। हतुं 'प्रकाश' नो ते वखते १५०० जेटली नकलोनो फेलावो थतो हतो। अने कोई कोई उत्साही गृहस्थो तरफथी पोताने खर्चे 'प्रकाश' विना मूल्य समाजमां पहोंचाडवा माटे मदद पण मळती रहेती हती। मुम्बई अधिवेशनथी बिकानेर अधिवेशन दरमीयानना समयमां कोन्फ-रन्सनी प्रवृत्तिओनो प्रचार 'प्रकाश' द्वारा खूब सधायो हतो। बिकानेर अधिवेशन पहेलांज 'प्रकाश' नुं तंत्रीपद श्री. मि थी

हेमाणीने सोंपायु हतु । अने ते वखते बिकानेर अधिवेशनना प्रमुख अने प्रसिद्ध तत्वज्ञ स्व. श्रीयुत वाडीलाल मोतीलाल शाह 'प्रकाश'ना मुख्य लेखक हता। तेमनी लेखिनीना केटलाक सुदर लखाणोए 'प्रकाश'नो काया पलटो कर्यो हतो। बिकानेर अधिवेशन पछी कोन्फरन्स अंगे केटलीक अनीच्छवा योग्य घटनाओ जन्मवाथी 'प्रकाश' अनियमित प्रगट थवा पाम्युं हतुं । त्यारबाद ऑफीस वगेरेनी नवेसरथी गोठवण थवाथी 'प्रकाश' नु तत्रीपद कोन्फरन्सना ते वखतना ऑफीस मेनेजर श्री डाह्यालाल मेहताने सोंपवामा आव्युं हतुं अने प्रकाश' नी हिन्दी गुजराती आवृति साथे राखीने एकज आवृत्ति प्रगट थवी शरु थई हती । त्यारथी ते आज सुधी 'प्रकाश' नु नियमित प्रकाशन चालु छे । बिकानेर अधिवेशन बाद कोन्फरन्सना कार्यमा केटलीक अगवडो जन्मवाने परिणामे त्यार पछीनी कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओमा 'प्रकाश' ज कोन्फरन्सनी मुख्य प्रवृत्तिरूप बनी गयु हतुं । बिकानेर अधिवेशन पछीना ए पाच वर्षो दरमीयान 'प्रकाश' मारफत 'एक सवत्सरी' अने 'साधु सम्मेलन' नी सफल प्रवृत्तिओनु सचालन थवा पाम्यु हतुं अने 'प्रकाश' नो 'एक सवत्सरी' खास अक ए आखीए सफल योजनाना पायारूप बन्यो हतो ए नि सन्देह छे । आ वर्षो दरमीयान प्रथम स्वातंत्र्य युद्ध देशभरमा शुरु थयुं हतुं अने ते टाकणे राष्ट्रीय जुस्सो घडनार लेखो प्रकाशमा प्रगट थवाने साथे ते कार्यना कीर्तिस्तम्भ जेवो प्रकाशनो 'खास राष्ट्रीय अंक' प्रसिद्ध करवामा आव्यो हतो । जेमा कशापण फिरका भेद बिना जैनना त्रणे फिरकाओनी आगेवान व्यक्तिओना लेखो तेमज स्वातंत्र्य युद्धमा भाग लेनार खास खास जन भाई ब्हेनोना चित्रो तेमज परिचयो विगेरे आपवामा आव्या हता ।

आ खास अङ्क जैन तेमज जैनेतरोनी मुक्तकण्ठनी प्रशंसा पाम्यो हतो अने जैन पत्रोना आज सुधीना विशेष अंकोमा अजोड अंक

तरीके पूरवार थयो हतो । ते उपरांत 'पर्युषण' अंको अने ट्रेनींग कोलेज खास अंक पण प्रसिध्ध करवामां आव्या हता । भावनगरथी प्रसिध्ध थता मूर्तिपूजक जैन कोमना 'धार्मिक' जैन पत्रमां दक्षिणमां विचरता स्था साधुओनी एकान्त निन्दा करती एक गंदी हारमाळा प्रकाशन पामी हती, ते विषे तेनो 'सवाल जवाब' 'प्रकाश' द्वारा आपवामां आव्यो हतो ते उपरांत ग्राहको अने शुभेच्छकोना अत्यंत आग्रहने वश थई पन्थे अंक मास हिन्दी गुजराती जुदी जुदी आवृत्तिओ काढवानो प्रयास कर्यो हतो । परंतु आ रीते करवाथी हिन्दी तेमज गुजराती भाषानो अरसपरस मळतो भाषानो अभ्यास मन्द थवाथी फरी सर्वेनी मांग अनुसार हिन्दी गुजराती साथेज प्रगट करवामां आवे छे । त्यारबाद ऑफिस मेनेजर अने तंत्रीपदनुं राजीनामुं आपी मणिभाई कल्याणजी मेहता व्यापारिक प्रवृत्तिमां जोडायां ऑफीस मेनेजर तरीके अने प्रकाशना तंत्री तरीके आपणी ट्रेनींग कोलेजना विद्यार्थी भाई श्री हर्षचन्द्र कपूरचन्द दोशीने नीमवामां आवेल छे । समाज उपयोगी राष्ट्रविषयक, अने धार्मिक चर्चाना अनेक प्रश्नो 'प्रकाश' द्वारा चर्चाता रहे छे । अधिवेशन न भरवाने कारणे तेमज ग्राहक संख्या वधारवानी प्रान्तिक प्रचारनी प्रवृत्तिने अभावे प्रकाशनी ग्राहक संख्या आ वर्षो दरमीयान ओछी थवा पामी हती । अने तेनो प्रचार ९०० थी १००० नकलो सुधी रहेवा पाम्यो हतो ।

श्री सुखदेव सहाय जैन प्रेस अने इन्दोर कोष खातानो हिसाब

अर्धमागधी कोषनुं अधुरुं कामकाज आगळ चलाववा माटे प्रेसने अजमेरथी इन्दोर लई गया श्रीयुत सरदारमलजी भंडारी ने कारभार सोंपवामां आव्युं हतुं । अने तेओ १९२६ ना डीसम्बर मासमां प्रेसने अजमेरथी इन्दोर लई आव्या हता त्यारथी कोषनुं छपावानुं कामकाज

तेमण आगल चलाव्यु हतु । इन्दोरमा तेमना हस्तक अर्धमागधी कोषनो बीजो भाग तथा त्रीजा भागना ६१ फोर्म छपाया हता ता. ३–४–५ एप्रील ना दिनोमा मुम्बईमा मलेली जनरल कमीटिमा तेमना हस्तकना थयेला कामकाजनो अहेवाल तेमणे रजू कर्यो हतो जे ऊपरथी ठराववामां आव्युं हतुं के प्रेसनो कबजो श्रीयुत् सरदारमलजी पासेथी लई लेवो । अने कोषनी छपाई इन्दोरमा मोंघी पडती होवाने कारणे कोषनु बाकी रहेलुं कामकाज लींबडी श्री जशवन्तसिंहजी प्रेसने छापवा मोकलवुं । आ मुजब श्रीयुत सरदार-मलजी भंडारीने कोषनुं मूल मेटर लींबडी मोकलवा वारंवार सूचना आपवामा आवी हती । परन्तु तेओ ते लींबडी न मोकली शक्या होवाथी बिकानेर अधिवेशन पहेलाज ऑफीस मेनेजर श्री जवेरचंदभाईने इन्दोर मोकलवामा आवनार हता । परन्तु श्री सरदारमलजीए नादुरस्त तबीयत दर्शावी हमणा न आववानुं लखवाथी श्री जवेरचद भाईने इन्दोर मोकलवानुं बंध राखवुं पडयुं हतु । बिकानेर अधिवेशन पछी पण श्री सरदारमलजीने ते मेटर ऑफिसने सोपवा तथा प्रेसनो कबजो आपवा अंगे पत्रव्यवहारथी जणाववामा आव्यु हतु । ते तेमज ऑफिस मेनेजर इन्दोर क्यारे आवे तो तेओ चार्ज आपी शकशे ते पण पुछवामा आव्यु हतु । आखरे तेमनी सम्मति मळता ऑफीस मेनेजर श्री डाह्यालालने १९२८ सप्टेम्बर महीनामा इन्दोर मोकलवामा आव्या हता । परन्तु श्री सरदारमलजी बहार गाम चाली गयेल होवाथी निष्फल फेरो पडयो हतो । त्यारबाद श्री भंडारी साथे फरी पत्रव्यवहार करी श्री डाह्यालालने इन्दोर मोकलवामा आव्या हता । अने ता० १५–१२–२८ ने दिने प्रेस तथा कोषनो तेमणे कबजो मेळव्यो हतो । परन्तु हिसाबनी चोख-वट ते वखते थवा पामी नहोती अने प्रेसनी केटलीक चीजो पण ओछी मळवा पामी हती तथा प्रेसना वजनदार यन्त्रो श्रीयुत्

मेंबरोओ पासे राखवामां आव्या हता। आ परिस्थिति उपर विचार करीने ता० २९-३० मे १९२९ ना दिवसे मुम्बईमां मळेली जनरल कमेटीए ठराव कर्यो हतो के प्रेसने इन्दोरमांथ वेंची नाखवुं अने आ फीसे श्री सरदारमलजी पासेथी हिसाब मेळवी लई तपासवो अने जे तफावत रहे ते संबंधी श्री शेठ वर्धमानजी पीतलिया तपासी ये रिपोर्ट- टनो निकाल करे ते प्रमाणे मोंघ लेवी। प्रेसने इन्दोरमां वेचवानी गोठवण करवानी तजवीज शुरु थई। तेवामां लाला ज्वालाप्रसादजी साहेब तरफथी तार तथा पत्र मळ्या पाम्या हता, जेमां लाला ज्वाला प्रसादजीए जणाव्युं हतुं के "प्रेसने वेंचशो नहीं, मारा पिताजीए करी तेना वेचाणनी आशा राखी नहोती। ऑफिस मे तथा शेठ वर्धमाणजीने आ प्रकारनो तार तथा पत्र मळवाथी प्रेस वेचवानुं कार्य मुलतवी राखवामां आव्युं हतुं अने ते बाबत फरी जनरल कमीटीमां रजू करवानुं जनरल सेक्रेटरीओनी सलाहथी नक्की करवामां आव्युं हतुं। आ बाबत फरी ता २०-२१ डीसम्बर १९२० ना दिनेए मळेली जनरल कमीटीमां रजू करवामां आवी हती अने ते उपरथी ठराव करवामां आव्यो हतो के प्रेसना मशीन टाइप वगेरे जूना होवाथी तथा तेने इन्दोरमां चलाववानुं के मुम्बईमां लाववानुं सगवडता भर्युं न होवाथी प्रेस वेंची नाखवुं अने जे रकम उपजे ते श्री सुखदेव सहाय जैन प्रीन्टींग प्रेसना नामथी कोन्फरन्स ना चोपडामां जमा करवी। फंड अने प्रेस ना हिसाबोनी चोखवट करवा श्री बालमुकनजी जैन ने इन्दोरमां बे, त्रण मास रोकवामां आव्या हता, परन्तु तेनो निकाल न आववाथी तेनी संपूर्ण चोखवट करवा तेमज प्रेस वेंची नाखवा ऑफीस मेनेजर श्री टकारामने, शेठ वर्धमानजी पीतलियाने इन्दोरमां देखरेख राखवानुं जे कार्य तेमनो काम लईने इन्दोर मोकलवामां आव्या हता। अने इन्दोर त्रण मास रोकाईने,

सेठ वर्धमानजी पीतलिया नी सलाह, देखरेख अने समति हेठल श्री. डाह्यालाले प्रेस वेंचवानुं तथा कोषना हिसाबोनी श्रीयुत् भंडारी पासे चोखवट करवानु कार्य कर्युं हतुं । प्रेस माटे खानगी ओफरो मेलववानी पूरती कोशीष करवा छता सतोषकारक ओफरो न आववाथी रु. १७२५) मा जाहेर लीलाम थी प्रेसने इन्दोरमा वेंची नाखवामा आव्युं हतु । अने प्रेस तथा कोषना हिसाबनी चोखवट करी ते प्रमाणे कॉन्फरन्सनी चोपडाओमा जमा उधार करवानी सेठ वर्धमानजी साहेबनी परवानगी मेलवी हती । आ बाबत सेठ वर्धमानजी नो ऑफीस ऊपर पत्र पण आव्यो हतो । सेठ वर्धमानजी साहेबे अत्यत परिश्रम अने प्रेमथी आ कार्य सरस रीते सकेली आपी कोन्फरन्सनी सेवा बजावी छे ।

जनरल कमीटीना सभासदोनी संख्या.

ऑफीस मुम्बई आवी ते वखते त्रणे प्रकारना मळी जनरल कमीटी ना ७७ जेटला सभासदो हता । आ संख्या वधता वधता मुम्बईमा ४८१ सुधी पहोंची हती । बिकानेर अधिवेशन पछी अधिवेशन न थवाने कारणे मुम्बई अधिवेशनमा जेमणे कोई पण फंडमा १० थी वधु रुपीया भर्या हता तेमने एक वर्षना जनरल कमीटीना सभासद गणवामा आव्या हता तेओ फरी सभ्य तरीके चालु रह्या न हता अने तेने परिणामे जनरल कमीटीना सभासदोनी संख्या देखीती रीते घटीने १३३ सुधी अत्यारे आवी छे ।

प्रान्तिक प्रचार कार्य

मलकापुर अधिवेशन मा भारतवर्षने २५ प्रान्तोमा विभक्त करी प्रत्येक प्रातमा प्रान्तिक सेक्रेटरी नीमवानुं ठराववामा आव्युं हतुं । आ प्रस्ताव अनुसार ९ प्रान्तना प्रान्तिक सेक्रेटरीओनी नीमणूक तो मलकापुर अधिवेशनमाज करवामा आवी

हती । अने पाछळथी प्रान्तिक सेक्रेटरीओ नीमी प्रचारकार्य आगळ वधारवानुं ऑफिसने शिरे सोंपवामां आव्युं हतुं । तदनुसार ऑफिस तरफथी ते ते प्रान्तना आगेवानो साथे पत्र व्यवहार करवामां आव्यो हतो अने प्रान्तिक सेक्रेटरीओ तरीकेना सुयोग्य नामो मेळवी तेओने प्रान्तिक मन्त्रीओ नीमवामां आव्या हता । जे प्रान्तोना प्रान्तिक सेक्रेटरीओ नीमी नथी शकाया ते प्रान्तो नीचे मुजब छे ।

(१) मध्यभारत, (२) बंगाल (३) निजाम

(४) कच्छ (५) माळवा

आ प्रान्तोना आगेवानो अने कार्यकर्ताओ साथे पत्र व्यवहार करवामां आव्यो हतो, परन्तु जवाबदारी स्वीकारनार व्यक्तिओ न मळवाथी प्रान्तिक मन्त्रीओ ते प्रान्तोना नीमी शकाया न होता मलकापुर अधिवेशनथी अने बिकानेर अधिवेशन सुधीमां प्रान्तिक मन्त्री महाशयो तरफथी जे जे प्रवृत्तिओ करवामां आवी छे तेना अहेवाल "जैन प्रकाश" ना ते ते वखतना अंकोमां प्रसिद्ध थता रह्या छे । आ अहेवालो वांचवाथी खबर पडशे के नीचे जणावेल प्रान्तिक सेक्रेटरीओए सारुं संतोष जनक प्रचार कार्य कर्युं हतुं अने तेओमांना केटलाक महाशयोए तो मुंबई अधिवेशन ना ठराव मुजब पगारदार क्लार्क राखी वर्ष तेनी मारफत प्रचार, संगठन, वसतीगणना आदिनुं पण बराबर काम लीधुं हतुं । अने कॉन्फरन्सना ठरावो ने कार्यरूप मां परिणत करवा उपरांत अनरल कमीटीना सभ्यो तेमज प्रकाशना ग्राहको वधारवामां अने सभ्यो फी वसुल करवामां पण पोतानो साथ आप्यो हतो । प्रान्तिक सेक्रेटरीओमां थी नीचेना मुख्य कार्यकर्ताओए उल्लेखनीय प्रयास सेव्यो हता

(१) श्रीयुत मगनमलजी कोचेटा मद्रान्तकम् (मद्रास प्रान्त) एमणे पोताने खर्चे मद्रास प्रान्त अने मारवाडमां महीनाओ सुधी प्रवास

करीने सामाजिक, धार्मिक सुधारनी प्रवृत्तिओ आदरी हती अने मद्रासनी दूरदूरनी जनतामा कोन्फरन्स प्रति रस, प्रेम, और उत्साह रेड्या हता। आ सिवाय आजीवन तथा वार्षिक मेम्बरो बनावीने पण सक्रिय साथ आप्यो हतो। तेओश्रीना आ कार्यमा मद्रास प्रान्तना बीजा प्रान्तिक सेक्रेटरी श्रीयुत् मोहनमळजी साहब चोरडीया तेमज मद्रासना अन्य आगेवान बंधुओए पण पुष्कळ साथ आप्यो हतो।

(२) श्रीयुत् चंदुलाल छगनलाल शाह अमदाबाद (दक्षिण गुजरात) एमणे श्रीमान् मंगलदास जेशींगभाईनी सम्मति तथा सहकारथी पोताना प्रान्तमा प्रशंसनीय प्रचारकार्य कर्युं हतुं तथा भाई जीवनलाल छगनलाल संघवी जेवा उत्साही भाईने आसिस्टन्ट प्रा. सेक्रेटरी तरीके नीमीने आ प्रान्तना तमाम स्थानोनी वस्तीगणातुं कार्य सम्पूर्ण कर्युं हतुं। ते सिवाय रुपीया फंड वसूल करीने तेमज वार्षिक सभासदो बनावीने कोन्फरन्स नी सारी सेवा बजावी हती।

(३) श्रीयुत् छोटालाल हेमुभाई मेहता पालनपुर (उत्तर गुजरात) एमणे श्री. केशरीमल मळुकचंद ने आसिस्टन्ट प्रान्तिक सेक्रेटरी राखी ने तेनी मारफत वस्तीगणना, रुपीया फंड वसूल वगेरे कार्यो कराव्या हता।

(४) श्रीयुत् पुरुषोत्तम जेवरचंद पारेख–जूनागढ (सोरठ) एओश्रीए जाते प्रवास करीने तेमज प्रसंगोपात हेन्डबिलो वगेरे द्वारा प्रचार कार्य करीने आ प्रान्तने कोन्फरेन्सना कार्यमा रस लेतो कर्यो हतो। वस्तीगणनानु कार्य पूर्ण कराव्युं हतुं अने रुपीया फंड वसूल तथा वार्षिक सभ्यो बनावीने घणी सेवा करी हती।

(५) श्रीयुत् जीवण धनजी सरैया भावनगर गोहिलवाडना आ समाज प्रेमी कार्यकर्ताए पत्रिकाओ तथा खुदना प्रवासथी प्रचार

कार्य कर्यु हतुं। अने रुपीया फंड वसूल करवानी साथे 'प्रकाश' नां ग्राहक बनाववामां पण सारी मदद करी हती।

(६) श्रीयुत् जालमजी मगनलाल वकील (मलयान केम्प) खानदेशना प्रान्तिक सेक्रेटरी तरीके तेओश्रीनी टुंक मुद्दत पहेलांज नीमणूंक करवामां आवी हती, परन्तु थोडा वखतमां तेओश्रीए पुष्कळ प्रचार कार्य कर्यु हतुं अने धगशपूर्वकनी जागृति आणी हती।

(७) श्रीयुत् मोहनलाल हरकचंद शाह (आकोला) मूळ-निवासी काठीयावाडना परन्तु व्यापारार्थे आकोलामां जइ वसेला आ उत्साही बन्धुए प्रसंगोपात वीरार प्रान्तमां प्रवास करीने जागृति आणी हती। केवळ सुयोग्य आसिस्टन्ट नहीं मळवाने कारणे वस्तीगणनानुं कार्य करी शकायुं न होतुं।

(८) श्रीयुत् सेठ अचलसिंहजी जैन, आग्रा यु पी प्रान्तना सुशिक्षित, धर्मप्रेमी अने राष्ट्रसेवक आगेवान प्रान्तिक सेक्रेटरी तरीके स्वयम् अनुकरणीय परिश्रम उठाव्यो हतो। एक पगारदार आसिस्टेन्ट राखीने यु पी ना उत्तर विभागमां ६० जेटला गामोनी वस्तीगणना करावी हती। अने रुपीया फंड वसूल कराव्युं हतुं। तमज आसि-[illegible]नी पासे प्रवास करावीने प्रान्तिक कोन्फरन्स संगठित करवा माटे तथा आग्रामां एक बोर्डिंग हाउसनी स्थापना करवा माटे तेमणे पण परिश्रम उठाव्यो हतो।

( ) श्रीयुत आनन्दराजजी सुराणा (जोधपुर) मारवाड प्रान्तना आ प्रान्तिक सेक्रेटरी महाशय श्री विजयमलजी कुंभटना [illegible] [illegible] गामोमां वस्तीगणना करावी हती। तदुपरान्त [illegible] [illegible] आदि वखत वखतमां कोन्फरन्स ऑफीस तरफथी [illegible] [illegible] [illegible] द्वारा प्रचारकार्य करवामां तेओश्रीए

खूब सहायता आपी हती । अने रुपीया फंड मम्बर वगेरे सारी सख्यामा बनावी आप्या हता । अने ते प्रान्तमा खूब जागृति आणी हती ।

आ प्रान्तिक सेक्रेटरी महाशयो उपरात श्रीयुत् कुन्दनमलजी फीरोदिया (पूर्व दक्षिण महाराष्ट्र) श्रीयुत् मोतीलालजी साहब मुथा (प. द. महाराष्ट्र) श्रीयुत् राजमलजी ललवानी, श्री रतनचंदजी दोलतचंदजी (खानदेश) श्री. सिरेमलजी लालचंदजी मुथा (गुलेदगढ) कर्नाटक, श्री शान्तिलाल लखमीचद (बर्मा, रंगून), श्री. रतनलालजी मेहेता (मेवाड), श्री. मुन्नीलालजी सकलेचा तथा श्री. केशरीमलजी चोरडीया (राजपूताना दे. रा.), श्री दर्लाचद सोभाचद शाह [सिंध] वगेरे महाशयोए पण प्रान्तिक सेक्रेटरीओ तरीके प्रचार कार्यमा खूब सहायता आपी हती । सुयोग्य आसिस्टेन्ट न मळवाने कारणे वस्ती-गणना आदिनु कार्य कराववु बाकी रहेवा पाम्युं हतु । पजाब, सी. पी राजपूताना (श्री. रा.) वगेरे प्रान्तोनी कंइ पण उल्लेख-नीय प्रवृत्तिओना खबर मळी शक्या नथी ।

श्रीयुत् जगजीवन दयाल एमणे मुंबई प्रान्तना सेक्रेटरी तरीके श्री. चंदुलाल वृजलाल नामना एक युवकने पगारदार आसिस्टेन्ट तरीके राखी, मुम्बई तथा आजुबाजुना गामोमा वस्ती-गणना तेमज रूपीया फंड वसूलनुं कार्य कराव्युं हतु । मुम्बईना स्वधर्मी स्वयसेवक बधुओए श्री. अंबालाल तलकचंद शाह अने श्री गिरधरलाल दामोदरदास दफतरीए आ कार्यमा सुंदर सहकार आप्यो हतो ।

बिकानेर अधिवेशन पछी प्रान्तिक प्रचारना कार्यमा शिथिलता आवी हती । अने त्यारपछीना वर्षोमा ते प्रवृत्ति नामशेष रही-

जमा पामी हती । आ दिशामां पुन प्रवृत्ति शुरु करवामां आवि अने प्रान्तिक सेक्रेटरी महाशयो ते कार्य उपाडी छे ए सूचक जरूर नुं छे ।

नियमावलि

कोन्फरेन्सना धाराधोरणमां सुधारा वधारा करवा माटे एक कमीटी बिकानेर अधिवेशनमां नीमवामां आवी हती एवी सत्ता साथे के ते कमीटीए पसंद करेला सुधारा वधारा जनरल कमीटीना सभ्योने मोकली तेमनी सलाह पूछवा बाद कमीटीने योग्य लागे तेवो निर्णय पोते करी छे अने ते मुजब नवेसरथी धाराधोरण छपावी बहार पाडे । ओफीस तरफथी कमीटीना सभ्योने कोन्फरेन्स नी अमदावाद तथा मुम्बईनी नियमावलिओ मोकलवामां आवी हती । परन्तु कमीटी मळी न शकवाने कारणे धाराधोरण नक्की थई शक्या न होता । आ प्रसंगे ता २९ ३० मून १९२९ ना दिवसोए मुम्बईमां मळेली जनरल कमीटी समक्ष रजू करवामां आवी हती । ते मुजब ठरावमां आव्युं हतुं के मुम्बई अने अमदा-वादनी बन्ने नियमावलीओ शेठ वर्धमानजी पीतलियाने मोकली अने तेओ तरफथी जे सुधारा वधारा वाळो खरडो सूचवाय ते शेठ कुन्दनमलजी फिरोदियाने मोकली आपवो । तदनुसार शेठ वर्धमानजी साहेब सूचवेलो खरडो सेठ कुन्दनमलजी फिरोदिया B A LL B ने मोकली आपवामां आव्यो हतो । अने तेओ बन्नेनी सूचनाओ साथनो खरडो नियमावली कमीटीना सभ्योने मोकलवामां आव्यो हतो । कमीटीना सभ्यो तरफथी जे सुधारा वधारा सूचववामां आव्या हता ते उपरथी आखरी निर्णय करी छेवटे ओफीसे नियमावलीनो खरडो जनरल कमीटीना सभ्याने पासेथी मोकली आव्यो हतो जनरल

कमीटीना सभ्योनी सम्मति मळवाथी त्यारवाद ओफीसे आ खरडो कोन्फरेन्सनी नियमावली तरीके प्रसिद्ध करी दीधो हतो।

अर्धमागधी.

इंदोरथी कोषना मेटरनो चार्ज मल्या पछी, कोषनुं मेटर लींबडी प्रेसने मोकलवामा आव्युं हतुं अने कोषना त्रीजा भागना बाकी रहेला फर्माओ त्या छपावी ता. १५-८-३० ना दिने त्रीजो भाग प्रसिद्ध करवामा आव्यो हतो। त्यार बाद चोथो भाग पण प्रेसमा छापवा आपी देवामा आव्यो हतो। चारे भागनु शुद्धि पत्रक आ चोथा भाग साथे सामेल करवानुं होईने ते तैयार करी छपाववामाज सहेज मोडुं थयुं हतुं। जनरल कमीटीना ठराव अनुसार कोषना त्रणे भागनी नकलो हिन्दुस्ताननी १९ युनीवर्सीटीओने भेट तरीके मोकलवामा आवेल छे। अने स्वीकारना तेमज प्रशंसाना तेओ तरफथी प्रत्युत्तरो पण मलवा पाम्या छे।

भाग चोथो ता. १-६-३२ ने रोज प्रसिद्ध करवामा आव्यो हतो। रही गयेला प्राकृत शब्दो तेमज दैशिक प्राकृत १०००० शब्दोनो पण संग्रह करवामा आव्यो छे अने तेने अर्धमागधी कोषना पाचमा भाग तरीके प्रसिद्ध करी पडतर किंमते वेचवामा आवशे। श्री अर्धमागधी कोषनु कार्य आरीते पंदर वर्षे पूर्ण थयुं छे अने कोषनी पूर्ति रूपे भाग ५ मो तैयार थये साहित्यमा एक अजोड कृति बनी चिरस्मरणीय बनी रहेशे।

श्री जैन शिक्षण सुधारणा परिषद्.

मलकापुर अधिवेशनमा जैन पाठशाळाओनी परिक्षा लेवामाटे तेमज सामान्य देखरेख राखवा सारुं एक इन्सपेक्टर राखी लेवानी

कोन्फरेन्स ओफीसने सत्ता आपवामां आवी हती। तदनुसार ओफीस तरफथी इन्सपेक्टर मेळववा माटे 'प्रकाश' तेमज अन्य जाहेरपत्रोमां जाहेर खबर छपाववामां आवी हती। परन्तु धर्मानुरागी योग्य इन्सपेक्टर न मळवाथी ओफीस मेनेजर श्री जेठालाल नाथजी कामदारने थोडा समय माटे सौथी प्रथम गुजरात काठीयावाड ना प्रवासे मोकलवामां आव्या हता। तेमणे काठीयावाडमां प्रवास करीने जैन पाठशाळाओनी परीक्षा लेवानी साथे साथे तेमना संगठन, एकज सामान्य पाठ्यक्रम, तेमज उत्तम प्रकारनां पाठ्य पुस्तको तैयार करवानी योजना, अध्यापक परीक्षा द्वारा शिक्षक तैयार करवा, वगेरे उद्देशथी राजकोटमां "जैन शिक्षण सुधारणा परिषद" भरवानुं आंदोलन शुरु कर्युं। अने राजकोटना श्री संघे मूळ्य उत्साह अने उदारताथी पोताने खर्चे परिषद भरवानुं स्वीकार्युं। परिणामे संवत १९९२ नां चैत्र सुद १३,१४,१५ मा दिवसो ए वढवाण निवासी श्रीमान् फतेहचंद नागरदास शाह, एम. ए. ना प्रमुखपणा हेठळ राजकोटमां परिषदनुं प्रथम अधिवेशन भरायुं जेमां गुजरात, कच्छ, काठीयावाडनी लगभग तमाम पाठ शाळाओना प्रतिनिधिओ, नेताओ, तेमज शिक्षकोनी मोटी उपस्थिति थई। आ प्रसंगे कोन्फरन्सना रे. जनरल सेक्रेटरी शेठ सुरजमल लल्लुभाई पण राजकोटमां पधार्या हता। आ परिषदे घणा उपयोगी ठरावो पसार कर्या। जैन सीरीज प्रतियोगिताना जैन शिक्षण परीक्षा, अध्यापक परीक्षा वगेरेने माटे सरस प्रबन्ध कर्यो अने सर्वे पाठशा-ळाओ माटे एक खास सामान्य पाठ्यक्रम बनाव्यो। अने आ कार्य चालु रहे ते निमित्ते "जैन ज्ञान प्रचारक मंडळ" कायम कर्युं। तेमज जुदा जुदा विभागोमां योग्य सज्जनोनी नियुक्तिओ करी। मण्डळना मन्त्री तरीके त देशना अनुभवी अने कार्यकुशळ श्रीयुत् पुनमचंद नागजी

बोराने नीमवामा आव्या । आ मण्डेलनी एक बेठक बीकानेरमा मली हती । कोन्फरेन्सनी जनरल कमीटीए आ कार्यनी उत्तमता जोइने प्रथम रु. ७५०) अने बीजी वार रु. १२००) मलीने कुल रु. १९५०] नी आ मण्डलने मदद करी हती । आ मण्डल तरफथी अध्यापक परीक्षा लेवाने माटे नियम वगेरेपण प्रगट थया हता । तेमज अन्य धार्मिक शिक्षण विषे प्रबंध थई रह्यो छे । आ परिषदे गुजरात, काठीयावाडना धार्मिक शिक्षण प्रचारना क्षेत्रमा खूबज उपयोगी कार्य बनाव्यु हतुं ।

हितेच्छु मण्डल अने हिन्दी धार्मिक शिक्षण विभाग.

आवीज रीते हिन्दी धार्मिक शिक्षण शालाओनुं एक बद्ध तेमज सर्वमान्य सामान्य कोर्स बधी शालाओमा कायम करवानी जरूरत कोन्फरेन्सने लागया करती हती । अने ते माटे जनरल कमीटीए तेवुं कार्य उपाडी लेनाराओने रु. ७५०] नी मदद करवा मंजूरी पण आपी हती परंतु ते दिशामा केटलोक वखत कशो खास प्रयत्न करी शकायो नहीं । आखिर पूज्यश्री हुक्मीचन्द्रजी महाराजनी सम्प्रदायना हितेच्छु मण्डल तरफथी धार्मिक संस्थाओ माटे एक कोर्स नक्की करवामा आव्यो अने परीक्षाओ आदि सुयोग्य प्रकारे लेवानो प्रबंध करवामा आव्यो आम आ दिशानी उणप हितेच्छु मण्डल दूर करी अने अत्यन्त स्तुत्य एवी प्रवृत्ति उपाडी लीधी । जेमना सरस कार्यथी खूबज संतोष अने उत्तमता अनुभवीने कोन्फरेन्सनी जनरल कमीटीए प्रथम १००) अने बीजीवार २५०) नी हितेच्छु मण्डलने मदद करी छे ।

मुंबई बोर्डिंगनी सीलक तथा हिसाब

मुंबईमां कोन्फरेन्स तरफथी जे बोर्डिंग चालती हती तेना हिसाब सीलक, फर्नीचर वगेरे ते संस्थाना प्रमुख अने मन्त्रीओ साथे पत्रव्यवहार करी ओफीसे संभाळी लेवो, एवो प्रस्ताव मुम्बईमां सं १९८२ नी सालमां मळेली जनरल कमीटीमां पसार थयो हतो । आ ठराव अनुसार ओफीस तरफथी पत्रव्यवहार करवामां आव्यो हतो । तेज प्रमाणे अमदावाद कमीटीना ठराव अनुसार बोर्डिंग बील्डींग फंडना रुपीया के जे ते समयना सेक्रेटरी शेठ हीराचंद बनेचंद देशाईने त्यां जमा हता ते विषे तेओश्री साथे पण पत्र व्यवहार करवामां आव्या हता, परन्तु तेओ तरफथी एवी मतलबना जवाब मळ्या हता के —

" अमारी पासे ते वखतना कागळ पत्रो नथी, परन्तु ओफिसमां जो कंइ साधन होय तो बतावशो, तेथी ते ऊपर विचार करवामां आवे "

आ संबंधमां ए वस्तु तो स्पष्ट हती के आ रकमोनी वसूलात परमारी थयेल होवाने कारणे ओफीसना रेकोर्डमां तेनो उल्लेख होवो संभवित नहीं । अने बोर्डिंगनु रेकोर्ड ओफीसना हस्तक हतुंज नहीं के ओफीस ते अंगे कशुं पण साधन बतावी शके ।

पंजाब प्रान्तिक कोन्फरन्स अधिवेशन

श्री स्थानकवासी जैन पंजाब प्रान्तिक कोन्फरन्सनु अधिवेशन बाबु परमानन्द जैन, B A LL B ना प्रमुखपणा हेठळ १० ना डिसम्बर मासमां अम्बालामां भरावा पाम्यु हतुं । ते प्रसंगे ओफिस मनेजर श्री हीराचंद कामदारने हाजरी आपवा ओफीस तरफथी मोकलवामां आव्या हता अने कोन्फरन्स तरफनो सन्देश श्रीने मुख्य मैदान नमनी द्वारा वांचवामां आव्यो हतो ।

वीर संघ.

मुम्बई अधिवेशनमा स्वार्थत्यागी सज्जनोथी बनेला एक वीरसंघनी स्थापना करवानो ठराव करवामा आव्यो हतो। अने वीर संघनी योजना तेमज तेना सभ्योनी योग्यता वगेरे सबंधमा निर्णय करी एक खरडो तैयार करवा सात गृहस्थोनी कमीटी पण नीमवामा आवी हती। कमीटीना सभ्योए विचार विनिमय करी एक योजना तैयार करी हती अने ' ' द्वारा जाहेरात आपवामा आवी हती अने वीर संघना सभ्यो मेळववा प्रयत्न पण थयो हतो। परन्तु तेवा उमेदवारो न मळवाथी कार्यरूपमा आ योजना त्यारे सफल थई शकी नही। त्यारबाद दिल्हीमा मळेली कोन्फरन्सनी छेल्ली कमीटीमा पण्डित श्रीकृष्णचन्द्रजीए त्यागी वर्गनी एक योजना रजू करी हती, जे 'प्रकाश' मा प्रगट करवामा आवी छे अने ते ऊपर चर्चा करवा तेमज पोताना अभिप्राय प्रदर्शित करवा जाहेर विनन्ति पण करवामा आवी छे। समाजना तेमज धर्मना उद्धार अने प्रचार माटे आवा एक संघ के वर्गनी अनिवार्य आवश्यकता छे अने लायक उमेदवार जोडाईने आवी योजनाने अमलमा मुके ए खूब जरूरनुं छे।

जैन ट्रेनिंग कोलेज.

मळकापुर अधिवेशनना ठराव मुजब ट्रेनिंग कोलेज बिकानेरमा शुरु करवामा आवी हती अने तेनो संपूर्ण अहेवाल आ साथे परिशिष्ट मा सामेल करवामा आव्यो छे, ते ऊपरथी आ संस्थानो जन्म, तेनी अने वर्तमान संजोगानुसार सुस्थितिनो परिचय थवा पामशे।

पूना बोर्डिंग.

आ बोर्डिंग हाउस मुंबई अधिवेशनना ठराव मुजब शुरु करवामा आव्यु हतु अने तेनो लाभ लेवाई रह्यो छे। बोर्डिंगनो ता० १९३२ ना

एप्रील महीना सुधीनो अहेवाल आ साथे परिशिष्टमां सामेल करवामां आव्यो छे ।

स्वधर्मी सहायक फंड

मुंबई अधिवेशनमां आ नामनुं एक नवुं फंड शुरु करवामां आव्युं अने तेमां रु १५८०। जमा थया हता । आ फंडमांथी धंधेरोजगार करवा माटे स्थानकवासी जैन भाईओने लोन आपवानी सगवड करवामां आवी हती। ते मुजब बस्सो वखत स्वधर्मी बंधुओने मदद करवामां आवी छे । आ फंडमांथी लोन लेवा इच्छनारनी अरजीओ मंजुर करवा माटे पांच गृहस्थोनी एक कमीटी नीमवामां आवी हती, जेमनी भलामणथी अर्जी करनार व्यक्तिओने लोन आपवामां आवी छे । कमीटीना सभ्यो तरीके नीचेना गृहस्थोए कार्य बजाव्युं छे ।

(१) शेठ जगजीवन उजमशी लख्खाणीया

(२) शेठ अमृतलाल रायचंद झवेरी

(३) शेठ चीमनलाल पोपटलाल शाह

(४) शेठ रतीलाल मोतीचंद महेता

(५) शेठ जेठालाल रामजी महेता

श्राविकाश्रम

मुंबईमां एक श्राविकाश्रम स्थापन निमित्ते ठराव मुंबई अधिवेशनमां करवामां आव्यो हतो । अने ते अंगेनी देखरेख तेमज व्यवस्थानुं कार्य श्रीमती केशर बहेन अमृतलाल झवेरीने सोंपवामां आव्युं हतुं । परन्तु ज्या सुधी आश्रममां रहेनार श्राविका बहेनो पूरती संख्यामां न मळे त्यां-सुधी श्रीमती रतन बहेन लक्ष्मणबहेन श्राविकाश्रम (तारदेव, मुंबई) मां स्वधर्मी बहेनो माटे खाना, पीना, रहेवा तेमज अभ्यास वगेरेनी यथायोग्य सगवड करी आपवामां आवी छे । आ गोठवणथी स्वधर्मी बहेनो

सारी संख्यामा लाभ ले ते माटे वर्तमान पत्रोमा जाहेर खबर आपीने तेमज हेण्डबिलो छपावीने जूदा जूदा गामोमा वहेंचावी सारो प्रयास करवामा आव्यो हतो। तेम छता आवी सस्थाओनो लाभ लेवानो अभ्यास न होवाने कारणे बहेनो सस्थामा जोडाता संकोच पामे छे। परिणामे ऊपरनी गोठवणनो थोडी बहेनोथी लाभ लेवायो छे।

प्रचारकोनो प्रवास.

मुम्बई अधिवेशनमा एवो ठराव करवामा आव्यो हतो के कोन्फरन्सनु प्रचार कार्य करवा प्रान्तप्रान्तमा वैतानिक उपदेशको राखवामा आवे। आ ठराव अनुसार थोडा प्रान्तना मन्त्रिओए पगारदार प्रचारको राखी तेमनी द्वारा कोन्फरन्स विषे प्रचार कार्य कराव्यु। बाकीना घणा प्रान्तो माटे योग्य उपदेशको न मलवाथी ते ते प्रान्तोना मन्त्रीओए कोन्फरन्स पासे उपदेशको मोकलवानी मागणी करी। आ ऊपरथी कोन्फरन्स ओफीसे विचार करीने ओफीस स्टाफमा नवा नवा वधु माणसोनी भरती करी, एवा आशयथी के तेमने योग्य माहिति तेमज अनुभव आपी तैयार करवा अने प्रान्तिक प्रचार माटे जूदा जूदा प्रान्तिक मन्त्रिओना हाथ नीचे प्रचार कार्य कराव्यु। सौथी प्रथम, ओफीस मेनेजर श्री. झवेरचंद भाईने मद्रास, मारवाड, वगेरे प्रान्तोमा भ्रमण करवा मोकल्या हता। त्यारबाद बाबू सुरेन्द्रनाथजी जैनने मारवाड प्रान्तमा, श्री वेलजी देवराज शाहने कच्छमा अने श्री रतीलाल जगन्नाथ सघाणीने काठीयावाडमा प्रवासे मोकल्या हता। अने तेओ द्वारा प्रचार कार्य बीकानेर अधिवेशन पहेला करावबामा आव्यु हतुं।

सादडीनो प्रश्न

सादडीमां वसता आपणा स्वधर्मी बन्धुओ प्रत्ये त्यांना श्री मूर्तिपूजक भाईओ तरफथी जे अन्यायी वर्तन चलाववामां आवे छे, ते माटे मुम्बाई अधिवेशनमां एक ठराव करवामां आव्यो हतो। आ ठराव श्री मूर्तिपूजक कोन्फरन्स उपर मोकली आपवामां आव्यो हतो अने तेनी साथे वस्तुस्थितिनुं वर्णन करता एक लांबो पत्र पण मोकलवामां आव्यो हतो जेना जवाबमां सहयोगी कोन्फरन्से जणाव्युं हतुं के "आ प्रस्ताव अमारी स्टेन्डिंग कमीटीनी बेठकमां रजू करीशुं, अने पछी आपने ते विषे जणावीशुं" केटला महिनाओ सुधी तेओ तरफथी आ बाबतनो कशो जवाब न मळवाथी फरी पत्र लखी याद आपवी हती जेनी पहोंच मळी हती अने प्रत्युत्तर माटे राह देखवानुं सूचन थयुं हतुं। त्यारबाद पण ते विषे तेओ तरफथी कशी प्रवृत्ति थयानुं जणाववामां आव्युं नथी तेमज प्रत्युत्तर पण मळवा पाम्यो नथि। त्यारपछी सहयोगी कोन्फरन्सना जुन्नेर अधिवेशन वखते ओनररि मेनेजर श्री रतन-लालने जुन्नेर मोकलवामां आव्या हता अने अधिवेशनना प्रमुख शेठ रवजी सोजपालने सादडी प्रश्ननी विगतो आपी। आ विषे घटतुं करवा आग्रह करवामां आव्यो हतो। परन्तु तेनुं परिणाम पण शून्यमांज आव्युं हतुं।

सादडी प्रश्न अंगे बीजुं रचनात्मक कार्य ए हतुं के मारवाड, मेवाड, तथा माळवाना स्थानकवासी भाईओने, सादडीना स्वधर्म रक्षा अर्थे मुशकेलीमां मुकायेला भाईयो साथे छूटथी कन्या व्यवहार करवानी उद्घोषणा आपवी। आ कार्यमां अमल थाय ते हेतुथी श्री हमेरचंद कामदारने मारवाड मोकलवामां आव्या हता आ प्रसंगे

पण्डित मुनिश्री चोथमलजी महाराज त्या बिराजमान हता । अने तेओ श्री पासे बे दीक्षाओ लेवानी हती । आ कारणने लईने मेवाड, मारवाडना सेंकडो बन्धुओनी त्या उपस्थिति थवा पामी हती । आ बधा बन्धुओनी हाजरीमा सादडी प्रश्न रजू करवामा आव्यो । अने प्रसिद्धवक्ता मुनिश्री चोथमलजी महाराज साहेबे सुन्दर रीते तेनु समर्थन करी ते तरफ सौनुं ध्यान खेंचवानो सफळ प्रयत्न कर्यो । परिणामे त्याने त्याज सौना हाथ उंचा करावी ए मतलबनो ठराव पसार करवामा आव्यो के सादडीना स्वधर्मी बन्धुओ साथे कन्या व्यवहार करवा निमित्त कोन्फरन्से जे भलामण करी छे ते नेओ सर्वेने प्रसन्नता पूर्वक मंजूर छे । त्यारपछी व्यावर, अजमेर वगेरे स्थळोए जई त्याना बन्धुओने सादडीना प्रश्न विषे रस लेता करवा, श्री झवेरचंद जादवजीए प्रवास कर्यो अने सौए साद-डीना स्वधर्मी बन्धुओप्रत्ये सहानुभूति प्रगट करी हती

पक्खी संवत्सरीनी एकता.

मुंबई अधिवेशन पहेला मळेली जनरल कमीटीमा पक्खी सवत्सरी एकज दिने समस्त समाजमा पळाय तेवो प्रयत्न करवा कोन्फरन्स ओफी-सने सूचना करवामा आवी हती । अने श्रीमान् शेठ चन्दनमलजी मुथा (सतारा) ना मन्त्रीत्व नीचे जूदा जूदा प्रान्तोना नीचे अनुभवी दश आगेवानोनी एक कमीटी नीमवामा आवी हती । ओफीस तरफथी "जैन प्रकाश" द्वारा सवत्सरी पक्खीनी एकता माटेना लेखो प्रसिद्ध करी सतत आन्दोलन करवामा आव्युं हतुं । जुदा जुदा सप्रदायोनी टीपो मंगावी, मतभेद दूर करवाना आशयथी ते अगे अग्रेसर व्यक्तिओ साथे पत्रव्य-वहार पण करवामा आव्यो हतो । एटलुज नहीं, परन्तु जूदा जूदा सप्र-दायोना आचार्यो तेमज आगेवान महाराजोनी सेवामा भाई झवेरचंद जाद-

सादडीनो प्रश्न

सादडीमां वसता आपणा स्वधर्मी बन्धुओ प्रत्ये त्यांना श्री मूर्तिपूजक भाईओ तरफथी जे अन्यायी वर्तन चलाववामां आवे छे, ते माटे मुम्बई अधिवेशनमां एक ठराव करवामां आव्यो हतो। आ ठराव श्री मूर्तिपूजक कोन्फरन्स उपर मोकली आपवामां आव्यो हतो अने तेनी साथे वस्तुस्थितिनुं वर्णन करता एक लांबो पत्र पण मोकलवामां आव्यो हतो जेना जवाबमां सहयोगी कोन्फरन्से जणाव्युं हतुं के "आ प्रस्ताव अमारी स्टेन्डिंग कमीटीनी बेठकमां रजू करीशुं, अने पछी आपने ते विषे जणावीशुं" केटला महीनाओ सुधी तेओ तरफथी आ बाबतनो कशो जवाब न सांपडतां फरी पत्र लख्यो। पण जवाबी हतो जेनी पहोंच मळी हती अने प्रत्युत्तर माटे राह देखवानुं सूचन थयुं हतुं। त्यारबाद पण ते विषे तेओ तरफथी कशी प्रवृत्ति थयानुं जणाववामां आव्युं नथी तेमज प्रत्युत्तर पण मळवा पाम्यो नहि। त्यारपछी सहयोगी कोन्फरन्सना जुन्नेर अधिवेशन वखते ओफीस मेनेजर श्री [illegible] जुन्नेर मोकलवामां आव्या हता अने अधिवेशनना प्रमुख शेठ रवजी सोजपाळने सादडी प्रश्ननी विगतो आपी। आ विषे घटतुं करवा आग्रह करवामां आव्यो हतो। परन्तु तेनुं परिणाम पण शून्यमांज आव्युं हतुं।

सादडी प्रश्न अंगे बीजुं रचनात्मक कार्य ए हतुं के मारवाड, मेवाड तथा माळवाना स्थानकवासी भाईओने, सादडीना स्वधर्म रक्षा अर्थे मुशीबतोमां मुकायेला भाईओ साथे छूटथी कन्या व्यव-हार करवानी उत्तेजना आपवी। आ कार्यनो अमल थाय ते हेतुथी श्री [illegible] [illegible] सादडी मोकलवामां आव्या हता आ प्रसंगे

पण्डित मुनिश्री चोथमलजी महाराज त्या बिराजमान हता । अने तेओ श्री पासे बे दीक्षाओ लेवानी हती। आ कारणने लईने मेवाड, मारवाडना सेंकडो बन्धुओनी त्या उपस्थिति थवा पामी हती। आ बधा बन्धुओनी हाजरीमा सादडी प्रश्न रजू करवामा आव्यो। अने प्रसिद्धवक्ता मुनिश्री चोथमलजी महाराज साहेबे सुन्दर रीते तेनु समर्थन करी ते तरफ सौनुं ध्यान खेंचवानो सफळ प्रयत्न कर्यो। परिणामे त्याने त्याज सौना हाथ उचा करावी ए मतलबनो ठराव पसार करवामा आव्यो के सादडीना स्वधर्मी बन्धुओ साथे कन्या व्यवहार करवा निमित्त कोन्फरन्से जे भलामण करी छे ते तेओ सर्वने प्रसन्नता पूर्वक मंजूर छे। त्यारपछी ब्यावर, अजमेर वगेरे स्थळोए जई त्याना बन्धुओने सादडीना प्रश्न विषे रस लेता करवा, श्री झवेरचंद जादवजीए प्रवास कर्यो अने सौए साद-डीना स्वधर्मी बन्धुओप्रत्ये सहानुभूति प्रगट करी हती.

पक्खी संवत्सरीनी एकता.

मुंबई अधिवेशन पहेला मळेली जनरल कमीटीमा पक्खी सवत्सरी एकज दिने समस्त समाजमा पळाय तेवो प्रयत्न करवा कोन्फरन्स ओफी-सने सूचना करवामा आवी हती। अने श्रीमान् शेठ चन्दनमलजी मुथा (सतारा) ना मन्त्रीत्व नीचे जूदा जूदा प्रान्तोना नीचे अनुभवी दश आगेवानोनी एक कमीटी नीमवामा आवी हती। ओफीस तरफथी "जैन प्रकाश" द्वारा सवत्सरी पक्खीनी एकता माटेना लेखो प्रसिद्ध करी सतत आन्दोलन करवामा आव्युं हतु। जुदा जुदा सम्प्रदायोनी टीपो मंगावी, मतभेद दूर करवाना आशयथी ते अंगे अग्रेसर व्यक्तिओ साथे पत्रव्य-वहार पण करवामा आव्यो हतो। एटलुज नही, परन्तु जूदा जूदा संप्र-दायोना आचार्यो तेमज आगेवान महाराजोनी सेवामा भाई झवेरचंद जाद-

कवीने मोकलीने, एकता करावया कोशिश करवामां आवी हती। लगभग घणा खरा मुनिराजो ए तो उदारता बतलावी हती। परंतु ज्यां सुधी पंचांग बनाववानी कोई योग्य पद्धतिनो निर्णय करवानां न आवे अने अनेक मतना प्रचलित लौकिक पंचांगमांथी कोने आधारभूत मानवु ए विषे चोक्कस निश्चय करवामां न आवे त्यां सुधी सदाने माटे आ प्रश्नो उकेल लावी शकाय नहीं। आ कारणने लईने ओफीस तरफथी मात्र १९८२–८३ वर्षनी साल्नु जैन पंचांग एक सरखुं बनाववानो यत्न करवामां आव्यो अने लोंकागच्छना स्व पूज्य श्री सूरचंदजी महाराज द्वारा तैयार थयेल टीपनी एक एक नकल संवत्सरी कमीटीना सभ्योने मोकलावी तेमनी सलाह मागवामां आवी हती। अने "जैन प्रकाश"मां ते प्रसिद्ध करी ते उपर चर्चापत्रो मागवामां आव्यां हता। आ वर्षने प्रकाश' मां घणा चर्चापत्रो तथा लेखो प्रसिद्ध थया छे। परिणाम ए आव्यु के एक अपवाद बाद करतां समस्त गुजरात, कच्छ अने काठी-यावाडमां एक सरखी टीप बनावी शकाई। पंजाब अने मारवाडमां तो जुदी जुदी तरेहनी सात टीपो प्रचलित हती। ए सर्वने एक सरखी बनाववानी कोशीश करी परन्तु तेमां सफलता मली नहीं अने 'प्रकाश'मां जुदी जुदी बाद टीपो प्रगट करवानी फरज पडी आ वर्षे मुंबई अधि वेशनमां आ विषे चर्चा करवामां आवी अने समस्त स्वधर्मी समाजमां संवत्सरीनो दिवस एक साथे उजवाय तेवो दिवस निष्पक्षपणे अने विचारपूर्वक नक्की करी प्रगट करवानी सत्ता सोंपे नीचेना चार सभ्योनी एक कमीटी नीमवामां आवी।

कमीटीना सभ्यो—

रा. चंदनमलजी मुथा सतारा

किसनदासजी मुथा, अहमदनगर

शेठ ताराचंद वारीया, जामनगर.

,, देवीदास लक्ष्मीचंद वेवरीया, पोरबन्दर.

आ ठराव अनुसार संवत्सरी संबन्धमा योग्य निर्णय करीने प्रगट करवा माटे समितिना सभ्यो साथे पत्रव्यवहार करवामा आव्यो हतो । अन्तमा समितिना चार सभ्योए एक मत थई निर्णय प्रसिद्ध कर्यो हतो जे आ नीचे आपवामा आवे छे ।

तिथि निर्णायक समितिका निर्णय.

गत अधिवेशन में समस्त स्थानकवासी समाजमें सवत्सरी पर्व एकही दिवस मनानेका प्रस्ताव पास हुआ था । उसको कोन्फरन्स के प्रेमी महानुभाव भूले न होंगे । उस प्रस्ताव का प्रचार एवं अमल करने के लिये निम्न लिखित हम चार महानुभावों की एक कमीटीभी नियतकी गई थी । इस कमीटीको इस सबन्धी रिपोर्ट इससे पहिले ही प्रकाशित कर देनी चाहियेथी. परन्तु चातुर्मास के व्यतीत हो जाने के कारण प्रसिद्ध २ मुनिमहाराजोंके साथ इस प्रश्न के विषय में कुछभी विचार नहीं हो सका और कमीटीके चारों सभ्य किसी एक स्थानपर न मिलने के कारण, यह कमीटी कुछभी निर्णय नहीं कर सकी ।

प्रस्तुत तिथी निर्णायक सरीखे जटिल एवं विवादास्पद प्रश्नका एकदम निराकरण करदेना बडा कठिन है और हम अपने स्वकीय अनुभवसे कह सकते हैं कि जब तक मुनिमहाराज इस विषय में संपूर्ण सहकार नहीं करेंगे तबतक इस प्रश्नका किसीभी प्रकारका निर्णय होना अशक्य ही है । इस लिये इस प्रश्नको इस वर्ष स्थगित रखकर आगामी चातुर्मास में ही विद्वान मुनिवरों के साथ चर्चा एवं उहापोह करने के बाद ही इस प्रश्नका निर्णय करना

हम लोग उचित समझते हैं। आगामी वर्ष के लिये इस प्रश्नको स्थगित रखने का दूसरा कारण यह भी है कि इस वर्ष प्रत्यग्गमी सम्प्रदायों की टीपें प्रकाशित हो चुकी हैं। तीसरा कारण यह है कि इस वर्ष गुजरात एवं काठीयावाड़ में बुधवार की संवत्सरी है और मारवाड़ में गुरुवारकी। इस प्रकार तमाम मारवाड़ एवं गुजरात काठीयावाड़ की संवत्सरीमें एक दिन का फेर पड़ेगा। इस परिस्थितिमें यदि कान्फरन्स अपना एक तीसरा मत और प्रगट करे तो लाभकी अपेक्षा हानि हो जानेकी विशेष सम्भावना है। इस लिये इस प्रश्नको आगामी चातुर्मास तक स्थगित रखनेका यह कमीटी निर्णय करती है।

१ चन्दनमल मुथा २ ताराचंद रायचंद
३ किसनदास मगनलाल मुथा
४ देवीदास लक्ष्मीचंद चेवरीया
(तिथि निर्णायक समिति के सभ्य.)

लाला लाजपतरायना शोकजनक अवसान बदल शोक प्रदर्शित करवा मुंबईनी जे जाहेर संस्थाओ तरफथी एक जाहेर सभा भरवामां आवी हती तेमां कोन्फरन्सनी सभेलगीरी करवामां आवी हती। ब्रह्मचारी शीतल-प्रसादनुं एक जाहेर भाषण हीराबागना हॉलमां ता० १९-१२-२८ मा दिने गोठवामां आव्युं हतुं।

कोन्फरन्स अधिवेशन

बीकानेर अधिवेशन पछी त्रण वर्ष सुधी कोन्फरन्स अधिवेशन माटे क्यांयथी निमन्त्रण न मळवाथी त्रीजुं वर्ष पूरुं थवाने टांकणे बिकानेर अधिवेशनना ठराव अनुसार कोन्फरन्सना मर्चे अधिवेशन भरवानी चर्चा प्रसंगामां शरु थई हती। अने प्रमुख श्रीमान लाला

गोकलचदजी साहेबे पण अधिवेशन भरवानोज विचार दर्शाव्यो हतो जे उपरथी अधिवेशन भरवा बाबत जनरल सेक्रेटरीओनी सलाह लेवामा आवी हती । जनरल सेक्रेटरीओ तरफथी एवी सलाह मलवा पामी हती के आम तुरत तत्कालिन सजोगो जोता जडपी अधिवेशन भरी नाखवा करता प्रथम जनरल कमीटी बोलावी विचार करवो घटे छे । अने ते पहला एक संवत्सरी माटे पजाब डेप्युटेशन मोकली तेनो निर्णय करावी लेवो घटे छे ।

त्यारबाद डेप्युटेशन मोकलवा प्रयत्न थयो हतो, पण केटलाक कारणोने लईने डेप्युटेशन पंजाब जई शक्युं नही एटले जनरल कमिटी बोलाववामा आवी हती ।

आ जनरल कमीटीना ठराव अनुसार एक डेप्युटेशन १९३१ ना एप्रील मासमा पजाबना वयोवृद्ध पूज्यश्री सोहनलालजी महाराज पासे कोन्फरन्सनी टीपनी मजुरी माटे विनंति करवा गयेल । पूज्यश्रीए डेप्युटेशननी मागणीने ध्यानमा लई टीपनी मंजूरी आपी समग्र हिंदुस्थानना स्थानकवासी जैनोमा आनद आनंद वर्त्याे ।

डेप्युटेशननी अरजना जवाबमा पूज्यश्रीए दर्शावेल संमति अने विचारो तेमज कोन्फरन्स टीप उपर अमल करी पजाबना पत्री झग- डानु अत्यन्त उदारतापूर्वक तेओश्रीए लावेल छेवट ए सर्व परिस्थितिनुं डेप्युटेशने कोन्फरन्सना सेक्रेटरीने लखी जणावेल नीचेना पत्रमा विवरण करवामा आव्यु छे ।

श्रीमान् रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरी

श्री श्वे० स्थानकवासी जैन कोन्फरन्स ऑफिस बंबई

जय जिनेन्द्र !

निवेदन है कि कोन्फरन्सकी जनरल कमिटीके प्रस्ताव नंबर ११ ता० २९–६–१९२९ के अनुसार हम डेप्युटेशनके निम्नलिखित सभासद ता० ७–८–९ अप्रैल १९३१ को अमृतसरमें कोन्फरन्स द्वारा प्रकाशित टीपको स्वीकार करानेके अभिप्रायसे श्री श्री श्री १०८ श्री पूज्य सोहनलालजी महाराजकी सेवामें उपस्थित हुए और स्थानीय सद्गृहस्थो और अन्य स्थानोंके उपस्थित गृहस्थोंकी उपस्थितिमें श्रीजीकी सेवामें यथायोग्य नम्रतापूर्वक विनंति की कि प्राय दूसरी सब सम्प्रदायोंने समाज ऐक्यता और हितके विचारसे प्रेरित होकर कान्फरन्सकी टीपको स्वीकार कर लिया है। एवम् आप भी स्वीकार कर संघको कृतार्थ करें जिससे सर्व भारतवर्षके श्री संघमें ऐक्यता होकर श्री जैनधर्मका प्रभाव बढे।

उत्तरमें श्रीमान्‌जीने अत्यन्त दीर्घदृष्टी और उदारतासे फरमाया कि यदि कोन्फरेन्स द्वारा प्रकाशित टीपमें शास्त्रानुसार कईएक बातें विचारणीय और संशोधणीय हैं तोभी श्रीसंघकी ऐक्यताके विचारसे हम अपनी संप्रदायको इस टीपके अनुसार कार्य करनेकी आज्ञा देते हैं। लेकिन कान्फरन्सका यह फर्ज होगा कि अपने ठहराव नम्बर १० के अनुसार टीपको शास्त्रानुसार बनानेके लिये और अन्य प्ररूपणा साधु समाचारी शीथील्य के सम्बन्धमें विचार करनेके लिये साधु सम्मेलन किसी एसे स्थानपर जहां पंजाबके साधु भी सुगमतासे पहुंच सके शीघ्र करनेका प्रबंध करें। ताकि इन विषयोंके बारेमें शास्त्रानुसार निर्णय

हो जावे और कोन्फरन्सकी मौजूदा टीपकी अवधि समात होनेसे पहिले भाविष्यके लिये नई टीप वन सके । उस समेलनमें हमारी तैयार की हुई जैन ज्योतिष तिथि पत्रिका, कोन्फरेन्सकी टीप, और दूसरी भी किसी तिथि पत्रिका पर, जो वहा पेश की जाय विचार होकर जो टीप आवश्यक सशोधन उपरान्त सम्मेलनकी सम्मातिमें उचित प्रतीत हो उसपर और अन्य स्वीकृत विपयोंपर सर्व सम्प्रदायोंसे कान्फरेन्स अमल दरामद करावें लेकिन अगर एक सालके अन्दर कोन्फरेन्सकी ओरसे समेलन सम्बन्धी प्रयत्न न किया जाय तो हम एक सालके वाद टीपको पालन करनेके पावद नहीं होंगे । ”

हम डेप्युटेशनके सभासदोंकी सम्मतिमें पूज्यश्रीका यह फरमान अति उत्तम है और हमने पुज्यश्रीको विश्वास दिलाया है कि इस सम्बन्धमें हम आपसे सहमत हैं ।

अब हम कोन्फरेन्स आग्रह पूर्वक अनुरोध करते हैं कि इस कार्यकी पूर्ति करनेके लिये पूर्ण प्रयत्नसे कार्य आरंभ किया जाय ताकि मौजूदा टीपकी अवधि समाप्त होनेके पहिले ही प्रत्येक वातका निर्णय होजावे ।

तारीख ९-४-१९३१ ।

मेम्बर डेप्युटेशन ।

दा० गोकलचंदजी	(दिल्ली)
,, वर्धमाणजी	(रतलाम)
,, अचलसिंहजी	(आगरा)
,, केशरीमल चोरडीया	(जैपुर)
,, भंडारी धुलचंदजी	(रतलाम)

दा० लाला टेकचंदजी (जंडीयाला)
,, हीरालाल लाचरोदवाला

अमृतसर श्रीसंघके सदस्योंकी सही ।

रतनचंदजी	जैन	अमृतसर
हरजसरायजी	,,	,,
बसन्तामलजी	,,	,,
मुन्शीलालजी	,,	,,
हंसराजजी	,,	,,
दीवानचंदजी	,,	सीआलकोट
श्रीमोहननाथजी	,,	कपुरथला
प्यारेलालजी	,,	मजीठा
पन्नालालजी	पट्टी	लाहोर
मुन्शीरामजी	जैन	,,
मुल्खरामजी	,,	गुजरानवाला
बीशनदासजी	,,	अमृतसर
नथुमलजी	,,	,,
भगवानदासजी	जैन	अमृतसर
मस्तीरामजी	,,	,,
मल्लुरामजी	,,	,,
मुन्नालालजी	,,	,,
हंसराजजी गाडीया		,,
बनारसीदासजी	जैन	,,
मुन्शीलालजी	,,	,,
लाला संतरामजी	,,	,,
,, मस्तरामजी	,,	,,

उपर मुजब डेप्युटेशनना एक सवत्सरी–(टीप) ना प्रयत्नमा सफलता मल्या बाद समाजनी नाडने पूर्ण रीते तपासी पजाबना वयोवृद्ध पूज्यश्रीए साधुसमेलन भरवानो सिहनाद कर्यो । आथी कॉन्फरन्सना कार्यकर्ताओनी जोखमदारी घणी वधी गई । श्रीसाधुसमेलन भरवानी वातो करवी ए एक सरल वात छे परतु ए अमलमा मूकाववी कंई सरल नथी । पजाबना डेप्युटेशनमा गयेला सभ्योना पत्र अनुसार साधुसमेलन भरवा माटे भरसक प्रयत्नो शुरु थया । आपणा बधा सप्रदायोना पूज्य मुनिवरो, प्रवर्तको मुख्य मुख्य मुनिराजोने रुबरु मली तमज पत्र द्वारा साधुसमेलन उपरना तेमना मननीय विचारो जाहेरमा मूक्या । साधुसमेलन भरवानो सौए खुब आग्रह तेमज उत्साह प्रेर्यो । आटली भूमिका तैयार थया बाद दिल्ही मुकामे भरायेल जनरल कमीटीए साधुसमेलन समिति निमी समेलननी दिशा मर्यादा तथा कार्य नक्की कर्या । आज कमीटीमा कॉन्फरन्सनुं अधिवेशन पण तुरतमा ज भरवा नक्की कर्युं । त्यारथी कॉन्फरन्स अधिवेशन अने श्रीसाधुसम्मेलन बाबत सर्वत्र प्रचार करवानुं कार्य शरु कर्युं । एटले के सम्मेलन अने अधिवेशन बन्नेनो विचार रचनात्मक कार्यमा परिणम्यो । प्रथम, अधिवेशन भरवु अत्यत जरुरी होई तुरतमाज अधिवेशन भरी लेवानो निश्चय कर्यो । अने ए अधिवेशनमा ज साधुसमेलननो सपूर्ण विचार करी स्थळ समय तेमज कार्यक्रम नक्की करवो । आ मुजब मत्रणा चालती हती । परतु भारत स्वातंत्र्यनुं युद्ध फरी शरु थयु । हजारो देशबाधवो जेलम्हेलमा सिधाव्या । देशभरमा दमनना राक्षसी कोरडा चोमेर फरी वल्या । आवी परिस्थितिमा कोन्फरन्स अधिवेशन भरवु मुश्केल थई पडे ए स्वाभाविक हतुं परतु कदाच अधिवेशन भरवामा आवे तो पण परिणाम शून्यज आवे आटला माटे आ अरसामा अधिवेशन मुल्तवी राखवुं पड्युं । कॉन्फरन्स अधिवेशन

प्रचार समितिना उत्साही संचालक देशभक्त श्री अचलसिंहजी सा
हेबम्हेज सिवाय्या तो पण प्रचारकार्य चालु राख्युं। लोकोमां जागृति
कायम राखवा माटे पूर्ण प्रयत्न कराववा गामडे गामडे प्रचारक
मोकलवामां आव्या। आवीरीते अधिवेशन समितिना कार्य साथे साधुसम्मेलन
समितिनुं कार्य पण पूर जोशमां अने उत्साहमां शरु कर्युं। सर्व
पूज्य महाराजो तथा प्रवर्तक मुख्य मुख्य मुनिवरोनी संमति मळी गया
बाद प्रांतिक अने सांप्रदायिक संमेलनो द्वारा प्रांतिक सांप्रदायिक
संगठनो साधवा माटे नक्की कर्युं। साधुसंमेलनना मंत्री श्रीदुर्लभजीभाईए
नादुरस्त सबीयत छतां शासन सेवाना उत्साहथी मंगलकार्यमां
लगभग दरेक प्रांतिक तेमज सांप्रदायिक सम्मेलनोमां हाजरी आपी
हती। तेओश्रीना ते ते प्रसंगना प्रेरणा करता भाषणो मुनिश्रीओने
आत्महित अने शासनहितना महामार्गे परस्परना वैयक्तिक विरोधने
भस्मीभूत करी ऐक्यनी सोनेरी सांकळे जोडया हता। भाषणना छुटा
पडेला मणकाने एकताना मंगलमय सूत्रे करी जोडया हता। अने
अद्भूत प्रेरणा भर्यो वातावरण सर्जी साधु संमेलननी सफलतानी आगाही
आपी। प्रथम पालणपुर मुकामे ता० १ १ ३२ ना दिने गुजरात काठि-
यावाडना ६ संघाडाना लगभग २१ मुनिराजो मळ्या हता अने तेमां सर्व
संघाडानी प्रतिनिधिरूप, गुर्जर साधु समिति स्थापी तेमज दीक्षा शिक्षा
साहित्य प्रकाशन एक संवत्सरी, साधुसमाचारी वगेरे अगत्यना मुद्दाना २६
ठरावो थया। त्यारबाद पालीमां ता० १० १ ३२ ने रोज मारवाड प्रान्तिक
साधु संमेलन थयुं। मारवाडना जुदा जुदा ६ संप्रदायना ११ मुनिवरो
हाजर हता। परस्पर भूतकाळनो सघळो मतभेद भूली कोई अजब उत्साहे
प्रान्तिक संगठननुं कार्य शरु थयुं। मारवाड प्रान्त साधु समितिनी स्थापना
करी हालमां चारित्र वगेरे २० प्रस्तावो थया। गुजरात अने मारवाड
प्रांतना संमेलनोनी पूर्ण सफलता थवाथी समाजमां खूब जागृति थई।

अने हौंशियारपुर मुकामे पंजाब प्रान्तिक साधु समेलन ता. २८-३-३२ ने रोज भरवामां आव्यु । आ संमेलनमा पजाबना १५ मुनिराजो पधार्या हता । अने राजकोट अने पालीथी पण आगल वधी बहुज सुदर प्रस्तावो कर्या । आखा हिंदुस्थानमा जुदा जुदा सप्रदायगच्छ वगेरेने बदले समग्र साधुमार्गी समाजना साधुओने ‘ श्री सुधर्मगच्छ ’ नीं एकत्र झंडा हेठळ ऐक्य साधवानी हाकल करी । आ उपरात लींबडीमा ता. २७-५-३२ ने रोज लींबडी मोटा सप्रदायना साधुओनुं सम्मेलन थयुं हतु अने दीक्षा शिक्षा, तेमज समाचारीने लगता २६ प्रस्तावो साथे लींबडी मोटा सप्रदायना साधुओने लगता जे जे शास्त्र भडारो छे ते त्यारथी सघने सुपुर्द करी हरकोई साधु मुनिराज तेनो उपयोग करी शके ए जाहेर करी समाजमा एक नूतनबल प्रेर्युं । उत्तरोत्तर श्री साधु सम्मेलनना कार्यने वेग मलतो गयो । अने जरापण दबाण के प्रेरणा सिवाय सर्वे प्रातिक सम्मेलनोमा समयानुकुल जोइए तेवा अने समाजने प्रगतिमान बनावनारा प्रस्तावो थया । एज बतावी आपे छे के साधुमार्गी समाजना साधुओए खरेखरा आत्मधर्मने ओळखी साधुचर्यामा रहेता थका आत्मधर्म, शासन समाजनी उन्नतिनी नाड पारखी ते मुजब यथाशक्य कार्य करी यत्किंचित प्रभु महावीरना नामने उजाळवानो निश्चय कर्यो छे। समय धर्म एटले सगवडीयो धर्म नहि पण सत्य मूल स्वरूपे धर्म । अने ते माटे भुलेली दिशाने तिलाजली आपी ए सत्य मूलस्वरूप धर्मने प्राप्त करवानी शुभ भावना अने प्रयास आपणा साधुओमा प्रगट्या छे ते खरेखर साधुमार्गी समाजनी नजीकना भविष्यमाज उन्नति सूचवे छे । आज अरसामा एटले के ता ५-६-३२ ने रोज इन्दोरमा श्री ऋषि संप्रदायनुं सम्मेलन थयु हतु । श्री ऋषि संप्रदाय आज घणा वर्षथी अव्यवस्थित हतो । श्री साधु सम्मेलननी शुभ प्रवृतिए ए संप्रदायना विखरायला

साधुओमां एकतानी तमन्ना उत्पन्न करी अने भारतभ्रमणकारी शास्त्रोद्धारक मुनिश्री अमोलख ऋषिजी महाराजने पूज्य पदवी आपी श्री ऋषि संप्रदायनुं संगठन साध्युं । सर्व मान्य समाचारी उपरांत अनेक सुन्दर प्रस्तावो कर्या।

आ रीते भिन्न भिन्न संप्रदायोना प्रांतिक सम्मेलन थई जवाथी श्री बृहत्साधु सम्मेलननी पूर्व पीठिकानी सुन्दर रचना थई गई अने लोकोना हृदयमां ऊंडे ऊंडे पण जे शंका हती ते नीकळी गई ।

आ सर्व प्रसंगो साथे साथे पंजाबी पूज्यश्री सोहनलालजी महाराजश्रीनी इच्छा अनुसार सं १९८९ नी सालमां श्री बृहत्साधु संमेलन भरवानो निश्चय करवामां आव्यो होवाथी घणांनि फंड्क उतावळ जणाई अने आम उतावळे श्री बृहत्साधु संमेलन करवाथी संमेलननो पूर्ण उपयोग आपणे नहिं मेळवी शकीए एवो अभिप्राय व्यक्त कर्यो । आथी गुरुतर भिन्न भिन्न मुनिवरोना अभिप्रायो मंगावतां प्राय आ वर्षेज श्री बृहत्साधु संमेलन भरवानुं जाहेर थयुं । कारण के जे विहारमां तेमज विचार एकताना कष्टो नजवानी कल्पना करायेल ते तो आ वर्षेनी माफक आवते वर्षे पण नडेज । उपरांत पंजाबी मुनिवरोए आ वर्षे संमेलन थशेज ए आधारे चातुर्मासनी गोठवणी संमेलनमां पहोंचवा अनुसार करी हती । तेमज चालु पंचवर्षीय कॉन्फरन्स टीप पूर्ण थयां पहेलां सर्व मान्य टीप श्री बृहत्साधु संमेलनमां थई जाय तो कायमी एकता जळवाई रहे । आ बधा कारणोने अनुलक्षी बृहत्साधु संमेलन आगामी सं १९८९ नी सालमां भरवानो निश्चय कायम रह्यो श्री साधुसंमेलन समितिनी बेठके दिल्हीनी जनरल कमीटीमां अजमेर स्थपना श्री साधुसंमेलनना आमंत्रणने स्वरूपमां थई तेमज सर्व प्रांतोने मध्यस्थ पडतुं होवाथी सर्वेने अनुकूळ एवा अजमेर शहेर रमी पसंन्गी करी । साथे समय पण लगभग फाल्गुन वदीनो नक्की कर्यो ।

भारत भरना श्री संघोए श्री बृहत्साधु संमेलनना स्थल तथा समयने पोतानी संमति आपी। चातुर्मास बाद सर्व मुनिवरोना विहारो अजर अमर पूरी प्रति थवाना छे विचारे समाजमा नूतन बल उत्पन्न थयुं। बीजी तरफ श्री साधु संमेलन समितिमा सर्व संप्रदायोनुं प्रतिनिधित्व रहे एटलो माटे सर्व संप्रदायना श्रावकोनी चूंटणी करी। श्री बृहत्साधु संमेलनमा पास थयेला प्रस्तावोने पीठबल आपवा अने बीकानेर अधिवेशन बादनी समाजनी सुषुप्त दशाने दूर करवा नवमुं अधिवेशन पण अजमेर के तेनी आसपास कॉन्फरन्सने खर्चेज भरवानो निश्चय कर्यो। आ रीते बीकानेर अधिवेशन बाद जणाती सुषुप्तिए समाजने उत्थानप्रति बहुज तीव्रवेगे प्रेर्यो अने सर्वत्र उत्साह अने आनदना पूर उभराया।

श्री बृहत्साधु समेलन तथा अधिवेशन केम सफल थाय। समेलन तथा अधिवेशनमा शुं शु कार्य कई रीते करवाना छे वगेरे बाबतोथी 'जैन प्रकाश' नी कटारो उभराई रही छे। आटला विचार मथने तेमज समग्र समाजनी शुभाशा अने आशीर्वाद पूर्वक शरु थनारा आपणा संमेलनो विजयवरो एज अन्तर्भावना।

श्री श्रीमती केशर व्हेन अमृतलाल झवेरी,,

,, श्री रतीलाल मोतीचंद ओघवजी. ,,

,, मेघजीभाई देवचद भुज

,, धनजी देवशी मुंबई

,, कोठारी मणीलाल चुनीलाल. ,,

,, जमनादास खुशाल वोरा ,,

,, मनमोहनदास नेमीदास. ,,

,, देवशी कचराभाई. छारा

,, माणेकलाल अ मेहता घाटकोपर

,, कालीदास नारणदास. ईटोला

,, सामलजी खोडाभाई. जेतपुर

, अमृतलाल वर्धमान मोरवी

,, वनेचंद राजपाळ देसाई ,,

,, भीमजीभाइ मोरारजी राजकोट

,, करसनजी मुलचद ,,

,, जीवीवाई मेघजी थोभण. जे पी. मांडवी

,, जैचंदभाइ नथुभाई प्रान्तीज

,, अमीलाल जीवन आनंदजी पोरवंदर

, उजमभाइ माणेकचंद कोठारी पालनपुर

, छोटालाल हेमुभाई मेहता. ,,

, सुरजमल लल्लुभाई ज्वेलर ,,

,, मणलिाल लल्लुभाई मुंवई

,, हीरालाल हेमराज झवेरी रंगुन

,, भगवानदासजी चंदनमलजी अहमदनगर

,, प्यारेलालजी साहेव अजमेर

श्री	वीरधमलजी	साहेब	अजमेर
,,	गधमलजी	,,	,,
,	नवरतनमलजी	,,	,,
,,	नथुमलजी	,	अमृतसर
,,	कनीरामजी	बांठीआ	भीनासर
,,	भैरोंदानजी	जेठमलजी	बीकानेर
,,	बालमुकुंदजी	चंदनमलजी	मुंबई
,,	बहादुरमलजी	बांठीया	भीनासर
,,	दामोदरदास	एन पटनी	बीआवर
,,	मेघजी	गीरधारीलालजी	मुंबई
,,	छगनमलजी	गोवाबत	छोटीसादरी
,,	गोकलचंदजी	नाहर	दिल्ली
,,	गोपीचंदजी	साहेब	किशनगढ
,,	लालचंदजी	सीरेमलजी	गुलेदगढ
,	गीरधारीलालजी	अनराजजी	गन्दुरब
,,	जमनालालजी	रामलालजी	हैद्राबाद
,	श्यामाप्रसादजी	माणेकचंदजी	महेंद्रगढ
,,	रामममजी सा	ललवानी	जामनेर
,,	बीधनदासजी		जम्मु
,,	मिश्रीचंदजी	महेता	झांसी
,	अमरचंदजी	चांदमलजी	जावरा
,,	छागनालजी	चुनिलालजी	जयपुर सीटी
,	फवाजी	भीमोकचंदजी	मंन्सार
,,	मातीलालजी	डाग्गा	बीमानर
,,	अगरचंदजी	मानमलजी	मद्रास

श्री ओछराजजी रुपचंदजी	पाचोरा
,, वर्धभानजी पीतलीया	रतलाम
,, वालमुकुंदजी चंदनमलजी	सतारा
,, चांदमलजी भगवानदासजी	,,
श्रीमती वक्तावर वाई	,,
श्री मोतीलालजी मुथा	,,
श्री न्यालचंद गभीरमलजी	सीकंदरावाद
,, शीवराजजी रघुनाथदासजी	,,
,, सागरमलजी गीरधारीलालजी	,,

आजीवन सभ्यः—

श्री गफुरभाई चुनिलाल	मुंबई
,, चंदुलाल मणीलाल एन्ड को	,,
,, मनसुखलाल गुलावचंद	,,
,, मगनलाल चिमनलाल पोपटलाल	,,
,, हिरालाल वाडीलाल झवेरी	,,
,, रवजी नेणसी एन्ड को.	,,
,, रतनजी वीरपाल	,,
,, वरजीवन लीलाधर	घाटकोपर
,, मदनजी सोमचंद	मुंबई.
,, अमृतलाल	वेरावल
,, चंदुलाल मोहनलाल	मद्रास
,, दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी	जयपुर
,, सुरजमल लल्लुभाई ,,	रंगुन
,, रतीलाल लक्ष्मीचंद खोरवानी	मोरवी
,, चंदुलाल मोहनलाल	मुंबई

श्री कीशनदासजी माणकचंदजी	अहमदनगर
„ कुंदनमलजी शोभाचंदजी	„
„ नागमलजी रुपचन्दजी	„
„ कस्तुरीचंदजी लक्ष्मीचन्दजी	बीकानेर
„ रीखबदासजी तम्बाया	छोटीसादरी
„ लक्ष्मणदासजी सा	जलगाम
„ रावतमलजी सुरजमलजी वेद	मद्रास
„ पुनमचंदजी ताराचंदजी	„
„ अमोलखचंदजी इन्द्रचंदजी	मद्रास
„ कस्तुरामजी चमसिंहजी	पुना
„ भैरोमलजी चुनीलालजी	मद्रास
फागमलजी चोरडियासजी	„
„ मोहनलालजी नाहर	उदेपुर
श्रीमती प्रताप कुंवरबाई	रतलाम
श्री मागरमलजी गणेशमलजी	तीरुवल्लुर
„ धनुमलजी कपुरचंदजी जौहरी	दिल्ही
„ कुन्दनलालजी सा	

वार्षिक सभासद —

श्री चीमनलाल आत्माराम	अमदाबाद
„ देवसी कानजी	अंजार
दामोदर करमचंद कदानी	मुंबई
„ लक्ष्मीचंद डायाभाइ चन्द को	„
„ मोतीचंद मकनजी	रंगुन
„ अभचंद कालीदास	जेतपुर
„ चुनिलाल नागजी वोरा	राजकोट

श्री	अचलसिंगजी जैन	आग्रा
,,	त्रीलोकचंदजी मोतीलालजी,	सोलापुर
,,	हजारीमलजी रायचंदजी	पुना
,,	धोन्डुरामजी दलीचंदजी	पुना
,,	हस्तीमलजी देवडा,	औरंगाबाद
	आनंदराजजी सुराणा	दिल्ही
,,	शोभागमलजी मेहता	जावरा
,,	हरजसरायजी जैन	अमृतसर
,,	रतनचंदजी जैन	,,
,,	टेकचंदजी ,,	जन्डीआलागुरु
,,	मस्तरामजी जैन	अमृतसर
,,	सगनचंदजी सा.	अजमेर
,,	शोभागमलजी अमोलखचंदजी	बगडी

पुना बॉर्डिंग कमीटी.

(१) शेठ वेलजीभाई लखमशी नपु
(२) ,, वृजलाल खी शाह सोलीसीटर
(३) ,, मोतीलालजी मुथा
(४) ,, कुन्दनमलजी फिरोदीया
(५) ,, कीर्तीलाल मणीलाल महेता
(६) ,, अमृतलाल रायचंद झवेरी
(७) ,, वीरचंदभाई मेघजीभाई
(८) ,, मनमोहनदास नेमीदास
(९) ,, रेवाशकर दुर्लभजी पारेख

(स्थानिक मंत्री)
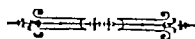
परिशिष्ट १.

विक्रम संवत १९८२ भादरवा शुद १ थी विक्रम संवत १९८८ आसो वद ०)) सुधीना वर्षो दरम्यान भरायेली जनरल कमीटीओ अने अधिवेशनोना संक्षिप्त हेवाल तथा प्रस्तावो परिशिष्ट नं. १ मां आपवामां आवे छे

क

जनरल कमेटी।
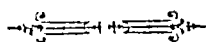
स्थान मुंबई

द्वितीय चैत्र वदी ५-६-७ शनि, रवि, सोम,
ता० ३-४-५ एप्रिल १९२६

शनिवार ता० ३ अप्रैल को ११॥ बजे से कांदावाडी-स्थानक की दूसरी मंजिल वाले बडे हॉल में कमेटी की प्रथम बैठक प्रारंभ हुई। मेंबरों के अतिरिक्त दर्शकों की खासी संख्या थी। निम्न लिखित मेंबर्स उपस्थित थे।

१ सेठ मोतीलालजी मूथा-सतारा
२ ,, वरधभाणजी पीतलिया-रतलाम
३ ,, सूरजमल लल्लूभाई जौहरी
४ ,, वेलजी लखमशी नपु B A L L B
५ ला० गोकलचन्दजी सा०-दिल्ली
६ सेठ मोतीलालजी कोटेचा-मलकापुर
७ ,, दुर्लभजी त्रिभुवन जौहरी जयपुर
८ ,, सिरेमलजी लालचन्दजी-गुलेदगढ
९ ,, आनन्दराजजी सुराना-जोधपुर

१ „ नरोत्तमदास मॉनमर–मुंबई
११ मेघजी थोभण ए –सेठ नरसिंहभाई
१२ „ गोकुलदास प्रेमजी
१३ पानाचन्द जवेरचन्द ए०–सेठ उत्तमचंद देवचंद
१४ मूलजी न्यायजी मुंबई
१५ केशरी जीवराज मेम्बर
१६ वृजलाल कल्यानदास
१७ फतेचन्द थोभणजी
१८ जगजीवन दोसाभाई
१९ अमृतलाल तुलसीदास „
२ नगीनदास माणेकलाल
२१ जगजीवन रूपाल
२२ जमनादास सुन्दरदास
२३ त्रिभुवनलाल पोपटलाल साह
२४ तुलसीदास मोनजी

अनुपस्थित मेम्बरों की तरफ से प्राप्त वोट.—

१ मूथा किसनदासजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
२ गुलेच्छा रूपचंदजी कोसमलजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
३ चंदनमलजी भगवानदासजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
४ सेठ कल्याणदासजी मुलतानमलजी की तरफ से सेठ मोतीलालजी मूथा को
५ अमरचन्दजी चान्दमलजी की तरफ से सेठ परशमालजी पीतलिया को

सर्व सम्मतिसे लाला गोकुलचंदजी सा नाहरने प्रमुख स्थान ग्रहण किया।

प्रस्ताव नं १

कान्फरन्स के जनरल सेक्रेटरी श्रीमान् सेठ मगनमलजी सा अजमेर निवासी के असामयिक स्वर्गवास पर यह कमेटी हार्दिक शोक प्रकट करती है और उनके कुटुम्बी जनों के साथ सहानुभूति प्रदर्शित करती है।

प्रस्ताव नं. २

मलकापुर अधिवेशन के प्रस्ताव न ४ द्वारा नियत की गई सब-कमेटी (Sub-Committee) की रिपोर्ट के अनुसार रुपये १६०००) जैन ट्रैनिंग कालेज से उत्तीर्ण हुए विद्यार्थियो को वेतन देने के लिये व्याजपर अलग रखना चाहिये-तदनुसार रुपये ६०००) का जमा-खर्च आफिस की वही मे हो चुका है, शेष र १००००) रतलाम कालेज की वही में " श्री शोलापुर मिल " में व्याज पर रक्खे हे उसका जमा खर्च कान्फरन्स की वही मे होना चाहिये-अर्थात्, रुपये १००००) **ट्रे० का० विद्यार्थी पगार फड खाते** जमा करके " शोलापुर मील " के नामें लिखना चाहिये और इसकी मुदत समाप्त होने पर जुमले रु० १६०००) किसी स्वतत्र सिक्युरिटी में रखना चाहिये और इस रकम को कायम रखकर अन्य किसी भी खाते में लगानी न चाहिये किंतु आवश्यकता पडने पर उक्त कान्फरेंस के प्रस्तावानुसार इस रकम के केवल व्याज को कालेज खर्च में लगाया जा सकेगा।

(ख) जैन ट्रैनिंग कालेज फड में रुपया १५६२२।≈)। जमा है, जिसमें मलकापुर अधिवेशन के पहिले की रकमें भी शामिल रक्खी हे, किंतु उसमें से रु० २६८५≈)। **श्री जैन ट्रे० कालेज पुराना फड खाते जमा** रखना चाहिये।

प्रस्ताव नं. ३

हिसाव का आकडा देखा गया उस परसे ठहराने में आता है कि निम्न प्रकार जमा खर्च करके खाते उठा देने चाहिये।

(क) वार्षिक मेंवर फीस और चार आना फड की रकमों को कानून अनुसार पृथक् २ खातों में विभक्त कर देना चाहिये और फिर वादमें **लाभ शुभ** (वटाव) नामक एक नया खाता खोलकर उसमें निम्न खातों को नामे-जमा डालकर खाते उठा देने चाहिये —

श्री अनामत खाता
,, सहायक मडल
,, फर्नीचर खाते
,, व्याज खाते

पगार खर्च
पोष्ट खर्च
आफिस खर्च
उपदेशक खर्च

,, तुलसीदास करमाभाई — प्रमुख खर्च
,, सेवा समागुनि — गलत उभार्र
,, पंच परंपरा की मेंबर फीस ममभम की मोरी
,, भौवन पक्त की मेंबर फीस
,, रिफन्ड फर्क

(ख) ज्ञान प्रचारक पुस्तक पेशगी खातों की रकमें का धार्मिक फिस्तवणी खाते में और विद्योत्तेजक फंड की रकम के व्यवहारिक फिस्तवणी खाते में जमा कर उक्त तीनों खातों को उठा देना चाहिये।

प्रस्ताव नं ४

श्रीयुत् मगनिराव माणिकलाल एन्ड को आॅफिस का हिसाब ऑडिट करने के लिये ऑडीटर नियत किये जाते हैं।

प्रस्ताव नं ५

श्रीयुत् माणिकलाल अमृतलाल के रुपये प्राप्त करने का कार्य श्रीयुत् माणिकलाल कमोलचंदराम अहमदाबाद को सुपुर्द किया जाता है।

प्रस्ताव न ६

प्रेस एवं दफ्तर के हिसाबों की जांच कर ब्योरेवार रिपोर्ट तैयार करने के लिये सेठ करमभाईजी साहब प्रेस एवं हिसाब के एक अनुभवी सदस्य को वेतन पर रख लेवे और उसके द्वारा ब्योरेवार रिपोर्ट तैयार कराके अपनी सम्मति के साथ उस रिपोर्ट को कान्फरेंस दफ्तर में भेजे —

प्रस्ताव नं ७

कॉन्फरन्सकी सीलकुरजीम निम्न लिखित महानुभावों के नामों पर रखना चाहिये।

ट्रस्टियों के नाम —

१—बाबू गोकुलचंदजी नाहर—दिल्ली
२—सेठ मेघजी थोभण जे पी—बंबई

३—,, वरधभाणजी पीतलिया–रतलाम
४—,, मोतीलालजी मूथा—सतारा
५—,, ज्वालाप्रसादजी जौहरी – हैद्राबाद दक्षिण
६—,, दुर्लभजी जवेरी—जयपुर
७—,, सूरजमल लल्लुभाई जवेरी—बबई

उक्त ट्रस्टियोंमेंसे सेठ सूरजमल लल्लुभाई जवेरी मेनेजिंग ट्रस्टी नियत किये जाते है।

प्रस्ताव नं. ८

जैन शिक्षक सुधारणा परिषद्–राजकोट ने जैन ज्ञान प्रचारक मडल स्थापित करने के लिये जो प्रस्ताव भेजा है उसको यह कमेटी पसद करती है और जैन शिक्षण के प्रचारार्थ "**जैन ज्ञान प्रचारक मडळ**" नामक एक नवीन विभाग स्थापित करती है और उसको हिन्दी और गुजराती इन दो विभागों में विभक्त करती है। गुजराती विभागमें उसके प्रस्ताव में उल्लिखित महानुभाव कार्य करेंगे और उसकी उद्देश्य—पूर्ति के लिये **जैन ज्ञान प्रचारक मडल** (गुजराती विभाग) फड खोला जाता है इस फड के कार्यारभ में यह कान्फरेंस रु० ७५१) देने की स्वीकृति देती है। इस मडल की देख रेख में **जैन शिक्षण परीक्षा, अध्यापक-परीक्षा,** और **सीरीज** ये तीन कार्य होंगे। साथ ही साथ यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि कान्फरेंस आफिस की तरफ से ऐसा ही एक हिन्दी विभाग खोला जाय और उसके कार्यारभ में भी कान्फरेंस ७५१) रु० देवे।

प्रस्ताव नं. ९.

रतलाम की अपेक्षा बीकानेर में कालेज खोलने से खर्चे आदि में कमी, और पडित, मकान, प्रबध आदि की विशेष सुभीता हो सकेगी अत यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि ट्रेनिंग कालेज रतलाम के बजाय ३ वर्ष के लिये बीकानेर में खोला जाय।

इस कालेज की प्रबधकारिणी समितिमें निम्न लिखित–महोदय चुने जाते है —

१– सेठ मेघजीभाई थोभण जे पी बबई
२– ,, वेलजी लखमशी नपु B A L L B ,,

३— ,, सूरजमल जमनालाल चौहरी
४— ,, धरमभाषजी पीतलिया रतलाम
५— ,, मोतीलालजी मूथा सतारा
६— ,, दुर्लभजी भाई चौहरी जयपुर
७— भैरोंदानजी सेठियाजी बीकानेर
८— ,, कन्हैयालालजी बांठिया भीनासर
९— ,, सरदारमलजी भंडारी. इन्दौर
१० — आनन्दराजजी सुराना. जोधपुर
११— ,, सुगनचंदजी बैद बीकानेर

इस कमेटी का कोरम ५ का होगा और प्रबंधकारिणी समिति के प्रस्तावानुसार काम कराने का कार्य सेठ भैरोंदानजी सा को सुपुर्द किया जाता है और वे ही स्थानिक कमेटी नियत कर देवें। अब कालेज का कार्य कमसे कम १ विद्यार्थियों के मिलजाने पर शीघ्र ही प्रारंभ किया जाय। कान्फरन्स की तरफ से यह प्रस्ताव लेकर श्रीमान् दुर्लभजी जौहरी और सेठ आनन्दराजजी सुराणा सेठियाजी के पास जावें और उनकी स्वीकृति लेकर कान्फरन्स ऑफिस में भेजें।

यदि बीकानेरवाले की स्वीकृति न मिले तो इस संस्था को सेठ मोतीलालजी मूथाके मेत्रित्व में पूना में खोल दिया जाय और उसकी प्र का समिति में मेंबर निम्न प्रकार हों—

१ सेठ मेघजी थोभण जे पी
२ ,, वेलजी लखमशी B A. L L B
३ ,, सूरजमल लल्लूभाई जौहरी
४ वरधभाणजी पीतलिया
५ ,, मोतीलालजी मूथा
६ ,, दुर्लभजी जौहरी
७ भैरोंदानजी सेठियाजी
८ कुंदनमलजी फिरोदिया अहमदनगर
९ ,, किसनदासजी मूथा।

अनगिष्ट के मनरो का चुनाव करने का अधिकार मोतीलालजी मुथाको दिया जाता है । कालेज के प्रारंभिक खर्च के लिये ५००) रु० कि स्वीकृति दी जाती है ।

प्रस्ताव नं. १०

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि प्रति घर चार आना फंड वसूल करने के लिये पूर्ण आन्दोलन किया जाय और प्राप्त हुए चन्दे मेंसे २५ प्रतिशत रखकर कान्फरेन्स शेष रुपये को जरूरत पडनपर उन प्रान्त की प्रान्तिक परिषद् को सौंप दे—यदि उस प्रान्त में कोई प्रान्तिक परिषद् या प्रा. कमेटी न हो तो वह रुपया उस प्रान्त के नामसे कान्फरेन्स की वही में जमा हो और उसी प्रान्त के हित में खर्च किया जाय। जिस घर से ६।) रु० एक मुश्त का० ऑफिस में आ जावेगा—उसको पुन चार आना फंड देना न पडेगा ।

प्रस्ताव नं. ११

" जैन प्रकाश " अंक नं ३३ में प्रकाशित लेख के अनुसार स्वयसेवक मंडल स्थापित किया जाय और उसके सेनाध्यक्ष सेठ मोतीलाल जी मूथा—(सतारा) नियत किये जावें ।

प्रस्ताव नं. १२

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि जैन साहित्य की जितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई है और भविष्य में हो, उनमेंसे अपने सिद्धान्त से अविरुद्ध योग्य पुस्तकों को यह कान्फरन्स पास करके उनपर अपनी मुहर अंकित करे । इस कार्य को सुसपन्न बनाने के लिये निम्न लिखित महाशयो की एक कमेटी नियम की जाती है । यही कमेटी कान्फरेन्स ऑफिसमें प्राप्त पुस्तकों की समालोचना करे। निम्न महाशय इस कमेटी के सदस्य हों ।

१—श्रीयुत् सेठ दुर्लभजी जवेरी—मंत्री
२ ,, किसनदासजी मूथा अहमदनगर
३ ,, भैरोंदानजी जेठमलजी बीकानेर
४ ,, जवेरचंदजी जादवजी कामदार

अवशिष्ट दो मेंबरों का चुनाव करने का अधिकार मोतीलालजी मुथाको दिया जाताहै । कालज के प्रारंभिक खर्च के लिये ५००) रु० कि स्वीकृति दी जाती है ।

प्रस्ताव नं. १०

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि प्रति घर चार आना फड वसूल करने के लिये पूर्ण आन्दोलन किया जाय और प्राप्त हुए चन्दे मेंसे २५ प्रतिशत काटकर कान्फरेन्स शेप रुपयों को जरुरत पडनपर उस प्रान्त की प्रान्तिक परिपद् को सोप देवे—यदि उस प्रान्त में कोइ प्रान्तिक परिषद् या प्रा कमेटी न हो तो वह रुपया उस प्रान्त के नाममे कान्फरेंस की वही में जमा हो और उसी प्रान्त के हित में खर्च किया जाय। जिस घर से ६।) रु० एक मुश्त का० आफिस में आ जावेगा—उसको पुन चार आना फड देना न पडेगा ।

प्रस्ताव नं. ११

" जैन प्रकाश " अक न ३३ में प्रकाशित लेख के अनुसार स्वयसेवक मडल स्थापित किया जाय और इसके सेनाध्यक्ष सेठ मोतीलाल जी मूथा—(सतारा) नियत किये जावें ।

प्रस्ताव नं. १२

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि जैन साहित्य की जितनी पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं और भविष्य में हो, उनमेंसे अपने सिद्धान्त से अविरुद्ध योग्य पुस्तकों को यह कान्फरम पास करके उनपर अपनी मुहर अंकित करे । इस कार्य को सुसपन्न वनाने के लिये निम्न लिखित महाशयों की एक कमेटी नियम की जाती है । यही कमेटी कान्फरेन्स ऑफिसमे प्राप्त पुस्तकों की समालोचना करे। निम्न महाशय इस कमेटी के सदस्य हों ।

१—श्रीयुत्	सेठ दुर्लभजी जवेरी—मत्री		
२	,,	किसनदासजी मूथा	अहमदनगर
३	,,	भैरोंदानजी जेठमलजी	वीकानेर
४	,,	जवेरचंदजी जादवजी कामदार	

प्रस्ताव नं. १७

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि आजसे दो मास तक यदि कहीं से कान्फरंस को अधिवेशन करने का आमंत्रण न मिले तो कान्फरस आफिस सर्व प्रथम अहमदनगर श्रीसंघ को और यदि उक्त श्रीसंघ उसे स्वीकृत न करे तो मुंबई के श्री संघ को आमंत्रण देने के लिये आग्रह करे। यदि ये दोनों संघ स्वीकृति न देवे तो कान्फरंस दफ्तर नाताल के अवसर पर अपना वार्षिक अधिवेशन मुंबई में करे।

प्रस्ताव नं. १८

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि डिरेक्टरी तैयार करने का काम कान्फरेंस ऑफिस स्वयंसेवक मंडल द्वारा शीघ्र प्रारंभ करे।--

प्रस्ताव नं. १९

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि जैन साहित्य प्रचारार्थ एक हिन्दी और दूसरी गुजराती इस तरह दो समितिया स्थापित की जाय और उनके मेंबरों का चुनाव कान्फरंस ऑफिस करे।

प्रस्ताव नं. २०

यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि मुंबई कमेटी के मौके पर अजमेर निवासी दि० ब० सेठ उमेदमलजी लोढा के पास कान्फरंस फंड के रु० ७०००), जो कि इनसे लेने बाकी है, को वसूल करने के लिये एक डेप्युटेशन बंबई में गया था-जिसके जवाबमें उनने डेप्यूटेशन को संतोषकारक जवाब देते हुए यह कहा था कि यह रकम ६ रु० सैकडा व्याजपर ब्यावर मिल में जमा रक्खी है-लेकिन अबतक वह रकम या उसका व्याज कान्फरंस को मिला नहीं है अत उसको प्राप्त करने के लिये उनके उत्तराधिकारियों के साथ ऑफिस पत्र व्यवहार करे। इस पर भी यदि उनकी तरफसे संतोषजनक उत्तर न मिले तो निम्न महाशयों का एक डेप्युटेशन उनके पास भेजा जाय—

१ ला० गोकुलचंदजी-दिल्ली २ सेठ वेलजी भाई

प्रस्ताव नं २१

संवत् १९८० के लिये बजट निम्न प्रकार मंजूर किया जाता है —

३०००) ऑफिस खर्च २०००) प्रकाश खर्च
१०००) उपदेशक खर्च ६००) जैन इन्सपेक्टर खर्च

४५) आर्यसमाजी कोष ११ ०) जैन दे कार्यालय (६ मासके लिये)

७५) प्रेस उठने का खर्च १५) जैनधर्म शिक्षण परीक्षा अध्यापक परीक्षा तथा साहित्य प्रचार । इसमें से ७५) गुजराती विभाग मे और ७५०) हिंदी विभागमें खर्च किया जाय ।

प्रस्ताव नम्बर २२

प्रेस एवं कोष की पूर्णतया देखरेख रखने के लिये एक कमेटी नियत की जाती है और उसके निम्न लिखित महाशय सदस्य हों—

१ सेठ सुखलालजी श्रीकृष्णजी-बम्बई बाजार-इंदौर.

२ „ मोतीलालजी C/o मेघजी मोतीचंदजी बाम्बे

३ मगनलालजी चंपालालजी कीमत-सर्राफ

४ „ गोकुलदास हरखचंद चोरी

५ सरदारमलजी भंडारी

प्रस्ताव नम्बर २३

श्रीमान् सेठ मोतीलालजी की मूला रेसिडेन्ट जनरल सेक्रेटरी ने कान्फरेंस ऑफिस का कार्य बड़े प्रेम और परिश्रम के साथ किया है इसके लिये यह कमेटी आपका धन्यवाद से उपकार मानती है ।

प्रस्ताव नम्बर २४

पाकिस्तान सरकारने जैन समाज की धार्मिक भावना को जो क्षति पहुंचाई है—उसको यह कमेटी न्याय दृष्टि की निगाह से देखती है और उसपर खेद जाहिर करती है ।

प्रस्ताव नम्बर २५

श्रीमान सेठ तुलसीदास मोहनजी भीरा आदि बंबई-निवासी महानुभावोंने ऐसा भाव व्यक्त किया कि आगामी अधिवेशन-बम्बईमें करना आवश्यक है इस से यह कमेटी प्रस्ताव करती है कि आगामी अधिवेशन बंबई में करने का सबसे प्रथम प्रयास किया जाय

प्रस्ताव नम्बर २६

बंधारा कानून (नियमावली) जो इस इसके साथ शामिल है—वह पास किया जाता है ।

उपरोक्त सभी प्रस्ताव सर्व सम्मतिसे पास हुए हैं ।

हस्ताक्षर —गापसचंद—प्रमुख

ख

श्री श्वे. स्था. जैन कॉनफरन्स

सप्तम अधिवेशन मुंबई.

(ता० ३१-१२-२६, ता १-२-जानेवारी १९२७)

मलकापुर अधिवेशन बाद मुंबई मुकामे ता० ३-४-५ एप्रिलना जनरल कमिटीनी बेठक थई हती। तेमा कॉन्फरन्सना सातमा अधिवेशन माटे श्री मुंबई संघे आमंत्रण आप्यु। त्यारबाद मुंबईमाज कॉन्फरन्स ऑफिस होवाथी तेमज मलकापुर अधिवेशनना ताजा उत्साहथी। उत्साही रेसीडन्ट सेक्रेटरीओना अथाग प्रयत्नोथी समय बहुज थोडो होवा छतां, मुंबईमा कॉन्फरन्सनु सातमु अधिवेशन भरवानु कार्य वेगभर आगल वध्यु। मुंबईमा आखा हिंदुस्थानना दरेक प्रांतोना स्था जैनो वसता होवा छता परस्पर संप लागणी अने धर्मोन्नति माटे पूर्ण धगश होवाथी जुदा जुदा विभागमा कार्यनी वहेंचणी करी वीजली वेगे कार्य चाल्यु। सुवर्णमा सुगंध मले तेम आ अधिवेशनना प्रमुख बिकानेर निवासी दानवीर सेठ भैरोंदानजी सा सेठियानी वरणी थई। अने अधिवेशन ता० ३१ डीसेंबर १९२६ तथा १-२ जान्युआरी १९२७ नातालना तहेवारोमा भरवानु नक्की कर्यु। मुंबइमा मोटा पाया उपर तैयारी चाली। जाहेर वर्तमान पत्रो तेमज श्री जैन प्रकाश द्वारा लोकमत सारी रीते केळव्यो ते उपरांत गामोगाम प्रचारकोने कोन्फरन्सनो संदेशो पहोंचाडवा मोकलावी आप्या। आ रीते समय थोडो होवा छता मुंबई जेवा प्रगतिप्रेरक शहेरमा, मानवता संघपति श्रीमान् शेठ मेघजी थोभण, श्रीमान् सेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी, श्रीमान् सेठ वेलजी लखमशी नपु, तेमज अनेक आगेवान व्यक्तियोना शुभ प्रयासथी मुंबईनुं अधिवेशन सफलतानी संपूर्ण टोचे पहोंच्यु तेमा जराय शंका नथी दिवसो तदन नजीक आवी गया। जुदी जुदी कमीटीओ तथा स्वयंसेवकना उत्साहे मुंबई संघनु काम दीपी निकळ्यु। बीकानेरथी प्रमुखसाहेब, बीकानेरना अग्रगण्य सेठियाओ, तेमना पुत्रो, तेमज तेमनी विद्यालयना अने ट्रेनींग कॉलेजना विद्यार्थीओना रसाला साथे रवाना थया।

सघना नेता स्वर्गस्थ शेठ तुलसीदास भोनजी वोरानी पुत्री चि कुसुम व्हेने कुकुम तिलक, अक्षत अने नवरतन एव साचा मोतिओथी आपनी अभ्यर्थना करी। त्यारबाद स्वागत समितिना प्रमुख शेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ए हारतोरा वडे आपनु स्वागत कर्यु। पछी झालावाडी सघनी तरफथी यहाना प्रसिद्ध सोलीसीटर श्री वृजलाल रामिचदे हार तोराथी आपनु स्वागत कर्यु।

स्टेशनथी कादावाडी स्थानक लई जवाने माटे, पहेलाथीज पुष्पमालाओथी शणगारेली एक मोटर तैयार राखवामा आवी हती। स्पेशीयल ट्रेनमाथी उतरीने, आप ते मोटरमा वीराज्या। आ वखते प्रेक्षकोनी मेदनी अने तेओनी दर्शन आतुरता एटली वधी वधी गई हती, के २०० स्वयसेवकोनो खास प्रवध होवा छता तेमनो प्रवध करवो मुश्केल थई पडयो हतो। तोपण दरेक जग्योए शाति अने प्रसन्नतानु साम्राज्य व्याप्त थई रहेलु हतु।

सरघस यात्रा.—प्रमुखसाहेवने कादावाडी स्थानक सुधी सरघस साथे लई जवाने माटे पहेलाथीज प्रवध करवामा आव्यो हतो। मोखरे कोन्फरन्सना स्वयसेवको कोन्फरन्सनु सोनेरी मोटु वोर्ड तथा विविध रगना वावटाओ लईने हारवध चाली रह्या हता। सरघसनी पाछल स्त्रीओ पण मागलिक गीतो गाती गाती आवती हती। तेओनी रक्षाने माटे स्वयसेवकोद्वारा सारी व्यवस्था करवामा आवी हती। रस्तामा जवेरी वझार आदि अनेक मुख्य २ जग्याए प्रमुखश्रीनु स्वागत करवामा आव्यु हतु। छेवटे सरघस वोरीवदरथी धोवी तलाव, काफर्ड मारकेट, मगळदास मारकेट, झवेरी वझार आदि मुख्य २ रस्ताओमाथी पसार थईने कादावाडी स्थानक आवी पहोंच्यु हतु। त्या विराजमान् मुनिश्री नानचंदजी महाराजना दर्शनथी पवित्र थईने प्रमुख सुरवानदनी वाडीमा पधार्या हता। आ सरघसमा वहारथी पण पधारेल स्वधर्मी वधुओए सारी सख्यामा हाजरी आपी हती। टुकमा आजसुधीमा कोईने नही मळेल एवु श्री मुवई सघे प्रमुखश्रीनु स्वागत कर्यु हतु।

अधिवेशन प्रकरण

प्रथम दिवसनी वेठक

माधववागमा ना मेदानमा उभो करवामा आवेल विशाल मडपमा ता ३१ डीसेम्बर ना दिने प्रथम दिवसनी वेठक थई। प्रारभमा वालिकाओए सुमधुर

त्रीजा दिवसनी बेठक

आजे लोकोमा उत्साह घणो हतो। दरेकना हृदयमा विजयोल्लासे स्थान लीधु हतु। खरा कार्यनो दिवस आज हतो प्रारंभमा मुनिश्री नानचदर्जी महाराजनु प्राभाविक भाषण थयु। आपश्रीए फरमाव्यु के जैनोना त्रणे फिरकाओमा एकतानी खास जरूरत छे।

आज धर्मना नामे जे विद्वेष फेलाणी छे ते बुद्धिमान सज्जनोने माटे बहु दु खदायी छे। श्रीमत लोको महान् नथी परतु ए मोटाई लक्ष्मीनी छे। परतु लक्ष्मीथी पण वधारे महत्ता ते माणसोनी छे जेओ परमार्थ अने परोपकार करे छे। तेओनु जीवन एक साधु महात्मानु जीवन छे।

शु तमारे बहु प्रस्ताओ पास करवा छे प्रस्ताओं पास थवाथी शु तमे खुशी थशो के ? लेखित बहु प्रस्तावो पास थया हता। शिक्षाना सबधमा गईकाले बहु वातचित थई हती। अग्रेजी शिक्षणथी नुकशान थयु छे एवो विचार पण फेलाया हतो। ए ठीक छे के अग्रेजी शिक्षाथी अमोने नुकशान थयु छे। राष्ट्रीय शिक्षणनी अमोने जरूर छे। गईकाले घणा भाईओए अग्रेजी शिक्षा विरुद्ध पोताना हाथ उपर कर्या हता। परतु तेओने पुछवु जोइए के तमो तमारा बालकोने अग्रेजी शिक्षण लेवरावो छो के नहि ? कोई २ ए रुपीआ देवाना भयथी विरोध कर्या हतो। यदि राष्ट्रीय शिक्षा देवानी तमारी मरजी होय तो जरूर दो परतु तेना माटे मोटा पायापर तमारे तैयारी करवी जोईए।

जे वात सब्जेक्ट कमिटिमा कहेवानी हती ते वात जनरल अधिवेशनमा कहीने चालता प्रवाहने शामाटे रोकवो ? आ उत्साहने रोकवाथी लाभ नथी। हु पोते राष्ट्रीय शिक्षानो हियायती छु। परतु आ वखते तो समाजमा कोईपण शिक्षा नथी। एटला माटे शिक्षण सबधी प्रबध जलदी करवो घटे छे। एना माटे लाखो रुपीआनी जरूर छे। हजारथी काम चालवानु नथी। कोई कहेशे के, महाराजे लक्ष्मी विषयक काईपण न बोलवु जोईए। परतु लक्ष्मी उपरना तमारा मोहने दूर करवानो अधिकार छे। श्रीमानोए पोतानी संपत्तिनो सदुपयोग गरिब जनो माटे करवो जोईए। श्रीमानोए पोताना कल्याणने माटे दानशीलतानो परिचय कराववो जोइए।

सप्तम अधिवेशनमां पास थयेल प्रस्तावो.

(१) आपणा देशना प्रसिद्ध नेता अने कर्मवीर स्वामी श्रद्धानंदजी महाराजनुं एक धर्मांध मुसलमान द्वारा खून थयेल छे, तेने आ सभा राष्ट्रीय मेंहाने आपत्ति समजती होवाथी अत्यंत खेद अने तिरस्कार जाहेर करे छे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (२)

(२) आ सभा ठराव करे छे के —

(अ) कोन्फरन्सनु प्रचारकार्य योग्य पद्धतिथी सारीरीते चाले ते माटे दरेक प्रातमा एक एक ऑनररी प्रातिक सेक्रेटरीनी चुटणी करवामा आवे

(ब) दरेक प्रांतिक सेक्रेटरीने तेनी मागणी अनुसार एक पगारदार आसिस्टट राखवानी छूट आपे छे अने तेना खचने माटे ऑफिस तरफथी अर्धी ग्राट आपवामा आवशे परतु ते कोई पण सयोगोमा मासिक रु० २०) थी अधिक नहि होय, बाकीना खर्च माटे प्रातिक सेक्रेटरी पोते प्रबध करे, ते प्रांतमाथी वसुल थयेल रुपीया फडमाथी कोन्फरन्सना नियमानुसार जे रकम ते प्रातने आपवामा आवशे, तेनो उपरोक्त खर्चमा उपयोग करवानो अधिकार रहशे

(क) जे महाशयोए प्रान्तिक सेक्रेटरी तरीके कार्य करवा स्वीकार्यु छे अने भाविष्यमा जे महाशय स्वीकारे, तेमाथी ऑफिस प्रातिक सेक्रेटरीनी चुटणी करे

प्रस्तावक —लाला टेकचंदजी साहेब

श्रीयुत् कानमलजी शार्दूलसिंहजी

अनुमोदक —घेलाभाई हंसराज.

प्रस्ताव (३)

(३) श्री श्वे स्था जैन समाजना हितने माटे पोतानु जीवन समर्पण करवावाळा सज्जनोनो 'वीरसघ' स्थापन करवानी जरूरीयात आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे अने ते माटे शु शु साधनो जोईए, तेने केवी रीते एकठा करवा ? कया कया सेवकोनी केवी योग्यता होवी जोइए, सघनो क्रम तथा तेना नियमो-

पत्रिकमा पुं हिसाब बोलए, इत्यादि दरेक विषयोनी निर्णय करवा माटे नीचे कन्फरन्स म (मोर्स) एक कमीटीनी नियुक्त करवामां आवे छे आ कमीटी आसवी १ महिनानी अंदर पोतानो रीपोर्ट कार्यकारिणी समितिने करे

१ शेठ भैरोंदानजी शेठीया
२ „ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी
३ वेलजी लखमशी नप्पु
४ „ कुन्दनमलजी सा फिरोदीया B A L.L. B M.L.C
५ अमृतलाल दलपतभाई शेठ M L. C
६ रायमलजी सा लखधानी M L. C
७ „ धीमनलाल चकुभाई M A L L B

प्रस्तावक—श्री कुन्दनमलजी फीरोदीया B.A.L.L.B.M.L.C.
अनुमोदक —पंडित लालन
स्वामी सर्वानंदजी
„ दुर्लभजी त्रिभोवन झवेरी

प्रस्ताव (४)

(४) समस्त स्थानकवासी समाजमां संवत्सरी पर्व एकज दिवसे मनाववामां आवे तेनी जरुरीयात आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे अने नीचे कन्वेन्स सद्‌गृहस्थोनी एक कमीटीनी नियुक्त करे छे. ते महाशयोने उपदेश छे के तेओ श्रीमद्‌ एक पोताना धर्माचार्यो पास म करतां पूर्ण विचारपूर्वक संवत्सरीने माटे एक दिवस निश्चित करे ते प्रमाणे समस्त संघ संवत्सरी पाळे तथा मुनि महाराजने पण प्रार्थना छे के ते आ प्रस्तावने कार्यना रुपमां परिणत करवा उपदेश आपे अने पोते पण कार्यना रुपमां परिणत करे.

कमीटीना मेंबर

शेठ चंदनमलजी मुथा
„ किसनदासजी मुथा
„ नारायंद पारीया जामनगर.
देवीदास लक्ष्मीचंद घेवरीया

प्रमुख साहेब तरफथी

प्रस्ताव (५)

(५) कोन्फरन्सनो संदेश दरेक प्रांतमा बराबर पहोंची शके ते माटे प्रांतिक कोन्फरसोना अधिवेशन करवानी खास जरुरत छे, ते माटे दरेक प्रांतिक सेक्रेटरीओने आग्रह करवामा आवे छे के तेओ पोताना प्रांतमा प्रांतिक कोन्फरसो भरवानो खास प्रयत्न करे

प्रस्तावक —**लाला प्रभुरामजी**

अनुमोदक —**मगनमलजी कोचेटा**

प्रस्ताव (६)

(६) आपणी समाजने सुसगठित करवाने माटे दरेक गाम अने शहेरोमा मित्रमडळ, भजनमडळी, व्यायामशाळा, अने स्वयसेवकमडळोनी जरूरीयातनो आ परिषद् स्वीकार करेछे, अने दरेक गामना आगेवानोने आवा मडळो जलदी स्थापवाने माटे आग्रहपूर्वक निवेदन करे छे,

प्रस्तावक —**सुरजमल लल्लुभाई झवेरी**

अनुमोदक —**अमृतलाल दलपतभाई शेठ**

,, **सुदरजी देवचद**

प्रस्ताव (७)

(७) कोइ पण स्थानना पचे नाना नाना गुन्हाओ माटे आरोपीने जन्मभर माटे जातिवहार न मूकवो, एवो आ कान्फरन्स आग्रह करे छे

प्रस्तावक —**शेठ राजमलजी ललवाणी** M L C

अनुमोदक,—**शेठ नथमलजी चोरडीया**

प्रस्ताव (८)

(८) परिषद् दरेक प्रकारनी शिक्षानी साथे साथे तेना प्रमाणानुसार जरूर-पूरतु धार्मिक शिक्षण राखीने एक स्थानकवासी जैन शिक्षा प्रचार विभाग स्थापित करे छे, अने ते द्वारा नीचे लखेला कार्यो करवानी सत्ता जनरल कमीटीने आपे छे

१ गुरुकुळ समान संस्था स्थापन करवा ? अत्यारे आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे अने स्मारक कमीटीने सूचना करे छे के फंडनी अनुकूळता थतांनी साथेज गुरुकुळ खोलवामां आवे

२ ज्यां ज्यां कोलेज होय त्यां त्यां उच्च अने माध्यमिक शिक्षण लेनाराओ विद्यार्थीओ माटे छात्रालय (Boarding House) खोलवुं तथा स्कोलरशीप आपवानी व्यवस्था करवी

३ उच्च शिक्षा प्राप्त करवा माटे भारतवर्षनी बहार जनाराओ विद्यार्थीओने लोन (Loan) स्वरूपमां आपवी अने जोईतां विद्यार्थीने जुदा जुदा हुन्नर उद्योग अने विज्ञानमां उच्च शिक्षा प्राप्त करवा माटे स्कोलरशीपो आपवी

४ प्रौढ अध्यापको अने अध्यापिकाओ तैयार करवी

स्त्री शिक्षण माटे स्त्री समाजोनी स्थापना करवी

६ जैन ज्ञान प्रचारक मंडळ द्वारा निश्चित थयेल योजनाने कार्यमां परीणत करवी तथा जैन साहित्यनो प्रचार करवो.

७ हिन्दी अने गुजराती भाषा शिखवा माटे ठाम ठाम सेंट्रल लायब्रेरी स्थापित करवी तथा पब्लिक लायब्रेरीओमां जैन साहित्यना कबाटो मूकवा

प्रस्तावक.—श्रीमान् कुन्दनमलजी फीरोदिया बी ए एल एल बी., एम एल सी

अनुमोदक—श्रीमान् राजमलजी ललवाणी एम एल सी

त्यारबाद शेठ मेघजीभाई पोपटे जमा थई आवेल फंडनुं के.—" १माला स्थापवानी वात छे केळवणीनां साधनोनी खोलवाई थयी वात छे तथा पण भीडो जमवे तेथी पूनामां जेवो केळवणी लेता विद्यार्थीओ माटे एक बोर्डींग स्थापवा तेनी कमीटीना हाथ नीम्यार नीचे प्रमाणे नीम्यां छे बोर्डींग संबंधी कुल सत्ता कमीटीना हाथमां रहेशे

शेठ सुगनमल लल्लुभाई झवेरी
हेमजी लखमशी भप्पु
,, पूनमचंद खीमचंद शाह सोलीसीटर
मोतीलालजी मुथा—सतारा
कुन्दनमलजी फीरोदीया B A L L B—अहमदनगर.
,, मेघजी थोभण

आ प्रमाणे जाहेर कर्यु अने ते कमीटीना मेम्बर बीजा त्रणने पसद करी कमीटी नीमशे अेवी सरते पूना बोर्डिंग करवाने मोटा फडनी आवश्यकता छे

उपरनी दरखास्तने शेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी तथा बीजा भाईओए अनुमोदन आपवाथी जयजिनेन्द्रना ध्वनि वच्चे फडनी शरुआत करवामा आवी

प्रस्ताव (९)

९ जैनधर्मी त्रणे सप्रदायोमा ऐक्य अने प्रेमभाव उत्पन्न करवानो समय आवी पहोंच्यो छे, अने आ विषयमा त्रणे सप्रदायोमा प्रयत्न पण थई रहेल छे, एवी स्थीतिमा घाणेराव–सादडीना स्थानकवासी भाईओने जे अन्याय त्याना मदिरमार्गी भाईओ तरफथी थई रहेल छे, ते सर्वथा अयोग्य छे एवु समजीने आ कोन्फरन्स श्वे जैन कोन्फरन्स अने तेना कार्यकर्ताओने सूचना करे छे के तेओ आ विषयमा जल्दी योग्य व्यवस्था करीने सादडीना स्थानकवासी भाईओ उपर थई रहेल आ अन्यायने दूर करे अने आपसमा प्रेम वधारे ।

आ कान्फरस मारवाड, मेवाड, माळवा अने राजपूताना स्वधर्मीबंधुओने सूचित करे छे के तेओ पोताना सादडीनिवासी स्वधर्मीबधुओनी साथे जाति नियमानुसार बेटीव्यवहार करी सहायता करे, आ प्रस्ताव सफळ करवा माटे कोन्फरन्स ऑफिम व्यवस्था करे ।

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (१०)

(१०) समस्त भारतवर्षना स्था जैनोनी आ परिषद् श्री शत्रुजय तीर्थ सबधी उपस्थित थयेल परिस्थिति उपर पोतानु आन्तरिक दु ख प्रगट करे छे अने पालीताणाना महाराजा अने एजट टु धी गवर्नरजनरलना निर्णय विरुध्ध पोतानो विरोध प्रगट करे छे अने आशा करे छे के ब्रीटीश सरकार आ विषयमा श्वेताबर बधुओने अवश्य न्याय आपशे खास करीने पालीताणा नरेश समा हिंदु राजा पासे आ परिषद् एवी आशा करे छे के श्वेताबर बधुओनी धार्मिक भावना अने हक्कोने मान आपवानी तेओ उदारता बतावे

प्रमुख महोदय तरफथी.

प्रस्ताव (११)

(११) मुबईना तबेलाओमा दूधथी उतरेला पशुओना थता भयकर सहारने रोकवाने माटे ते जानवरो खरीद करी अने सुरक्षित स्थानमा राखवानी अने

प्रस्ताव (१५)

(१५) अजमेरनिवासी शेठ **मगनमलजी** साहेब, शेठ **तुलसीदास मोनजी** वारा, शेठ **लखमीचंदजी डागा बीकानेर** तथा शास्त्रोना सारा जाणकार अमदावादनिवासी डो **जीवराज घेलाभाई** L M & S ना स्वर्गवासथी समाजने जे हानि थई छे, ते माटे परिषद् शोक प्रदर्शित करे छे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (१६)

(१६) महाराजाधिराज जोधपुर नरेशे मादीन पशुओना पोताना स्टेटमा हमेशाने माटे निकाश वध करी छे, अने सवत्सरीने दिवसे जैनीओनी प्रार्थनाओने स्वीकारी जीवहींसा वध राखी आ तहेवार उपर छुटी राखवा हुकम आप्यो छे, ते माटे आ परिषद् धन्यवाद आपे छे अने आशा करे छे के तेओ भविष्यमा पण आवा पुन्यमय कार्यमा योग देता रहेशे आ प्रस्तावनी नकल महाराजा जोधपुरनरेशनी सेवामा तार द्वारा मोकलवामा आवे

प्रस्तावक —**आनदराजजी सुराना.**

अनुमोदक —**राजमलजी ललवाणी.**

प्रस्ताव नं. १७

(१७) आ परिषद श्राविकाश्रमनी आवश्यकता स्वीकारे छे, अने मुबईमा श्राविकाश्रम स्थापन करवा अथवा कोई बीजी चालु सस्थामा जोडीने चलाववा प्रमुख साहेबे जे रु १००० आप्या छे, तेमा मदद आपवा माटे अन्य दरेक बधु अने व्हेनोने आग्रहपूर्वक अनुरोध करे छे साथेज बीजी सस्थानी साथे जोडवामा आपणा धर्म सबधी कोई पण वाध न आवे तेनो पूरो ख्याल राखवामा आवे.

मारवाड माटे बीकानेरमा शेठीयाजी द्वारा स्थापित श्राविकाश्रमनो लाभ लेवाने माटे मारवाडी व्हेनोनु ध्यान खेंचवामा आवे छे, अने आ उदारता माटे शेठीयाजीने हार्दिक धन्यवाद आपे छे

प्रस्तावक —**केसरव्हेन**

अनुमोदक —**सुरज व्हेन.**

प्रस्ताव (२२)

(२२) समाज साथे संबंध धरावता अनेक सामान्य प्रश्नो समाज सन्मुख आवे छे ते प्रश्नोनु निराकरण करवा अने जैन धर्मी त्रणे सम्प्रदायोमां आपसमा सद्भाव उत्पन्न करवा माटे आ परीषद् उक्त त्रणे सम्प्रदायोनी एक संयुक्त कोन्फरन्सनी जरुरीयात स्वीकारे छे अने तेनी प्रवृत्ति करवाने माटे समस्त फिरकाना आगेवान नेताओनी कमीटी शीघ्र बोलाववाने माटे कोन्फरन्स ओफिसने सत्ता आपे छे।

प्रस्तावक —मी घोधावट
अनुमोदक —कुवर दिगविजयसिंहजी.
" —लल्लुभाई करमचंद दलाल.

प्रस्ताव (२३)

(२३) भारतना सकळ स्थानकवासी जैन साधु मुनिराजनु संमेलन शीघ्र भरवानी जरुरीयात आ कोन्फरन्स स्वीकारे छे। अने तेने माटे कोन्फरन्स ओफिस योग्य प्रबंध करे।

प्रस्तावक —श्रीयुत् दुर्लभजी केशवजी
अनुमोदक —राजमलजी ललवाणी.
" —" चीमनलाल चकुभाई

प्रस्ताव (२४)

(२४) कोन्फरन्से जे च्यार आना फन्ड स्थापित करेल छे। तेने बदले हवे पछी दरेक घरेथी रु १) प्रति वर्ष लेवानो प्रस्ताव पास करवामा आवे छे। प्रतिनिधि तेज थई शकशे के जेणे वार्षीक रु १ दीधो हशे।

प्रस्तावक —श्रीयुत् राजमलजी ललवाणी.
अनुमोदक —श्रीयुत् आनंदराजजी सुराणा.

प्रस्ताव (२५)

(२५) बाळलग्न, कन्याविक्रय, वृध्धविवाह, अनेक पत्नीओ करवी वगेरे कुरिवाजोथी आपणा समाजने दरेक प्रकारे हानि पहोंची छे, ते माटे आ कोन्फरन्स दरेक प्रान्तना आगेवानोने आवा कुरिवाज नाबुद करवा माटे यथाशक्ति प्रयास करवाने माटे आग्रह करे छे।

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (२९)

(२९) अखिल भारतवर्षीय श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन स्वयसेवक दळना सेनापति श्रीमान् शेठ मोतीलालजी सा मुथा तथा मंत्री श्रीमान् शेठ नथमलजी साहेब चोरडीया तेमज मुबई अने बहारगामना स्वयसेवकोए जे अपूर्व सेवा बजावी छे, ते माटे आ कोन्फरन्स आभार माने छे

प्रमुख स्थानेथी

प्रस्ताव (३०)

(३०) आ महासभानु प्रमुखस्थान स्वीकारीने अने तेनी कार्यवाहीने फतेहमदीनी साथे सफळ बनाववा माटे श्रीमान् दानवीर शेठ भेरोंदानजी साहेबनो आ कोन्फरन्स आभार माने छे

प्रस्तावक —**शेठ मेघजीभाई थोभण**

अनुमोदक —**शेठ डायालाल मकनजी झवेरी**

प्रस्ताव (३१)

(३१) मलकापुर अधिवेशन पछी ओफिसने मुबई लावीने प्रमुख तरीके शेठ मेघजीभाई थोभण जे पी अने रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरीओ तरीके शेठ सुरजमल लल्लुभाई झवेरी अने शेठ वेलजीभाई लखमशी नप्पु B A L L B ए जे उत्साहपूर्वक सुदर काम कर्यु छे, ते माटे तेमने धन्यवाद आपवामा आवे छे

प्रमुख स्थानेथी ।

प्रस्ताव (३२)

(३२) प्रसिद्ध मुनिश्री चोथमलजी महाराजना सदुपदेशथी हिन्दु कुळतीलक महाराणा उदेपुरे भगवान महावीरनी जयंति चैत्र शुदि तेरसे अने महाराज कुमार साहेबे भगवान् पार्श्वनाथनी जयति पोष वदि १० ने दिवसे पोताना तमाम स्टेटमा हमेशाने माटे जे अगतो पळाववानो हुकम आप्यो छे ते माटे आ परिषद् ते बन्ने महानुभावोने धन्यवाद आपे छे अने आशा करे छे के भविष्यमा पण तेओ आवा पुन्यमय कार्योमा अग्रतम भाग लेता रहेशे, आ प्रस्तावनी नकल महाराणा अने महाराजकुमार उदेपुर, महोदयनी सेवामा तार द्वारा मोकलवामा आवे

प्रस्तावक —**आनदराजजी सुराना**

१६	जीवराज येचर कोठारी	,,
१७	अमृतलाल रायचद झवेरी	,,
१८	घार्गीलाल मोतीलाल शाह	,,
१९	दीपचद गोपालजी लाडका	,,
२०	साकरचद भीमजी भीमाणी	,,
२१	चत्रभुज नरसिंहदास	,,
२२	मोतीलालजी मूथा	सतारा
२३	रामजीभाई जादवजी	मुवई
२४	जगजीवन दोसाभाई	,,
२५	राजा तेरसी	,,
२६	निहालचद रामचद लुणिया	सतारा
२७	मदनमल कुदनमल कोठारी	,,
२८.	नथमलजी फूलचदजी	,,
२९	गोकुलदास प्रेमजी	मुवई
३०	वरजीवन लीलाधर	,,
३१	उजमीभाई माणिकचद ह० । मणिलाल चुनीलाल.	पालणपुर
३२	पासु आनदभाई	मुंबई
३३	खेराज नथूभाई	,,
३४	दुर्लभजी त्रिभुवन जवेरी	,,
३५	साकलचद जैचद भीमाणी	मुवई.

वहार से मिले हुए वोट.

सेठ वरधमाणजी पीतलिया का मत सेठ मोतीलालजी मूथाको
,, रूपमलजी छोगमलजी ,, ,,
,, किशनदासजी माणिकचदजी ,, ,,
,, चदनमलजी ,, ,,
,, चदनमलजी भगवानदासजी ,, ,,

वरावर १ वजे मीटींग का कामकाज शुरू हुआ। श्री० व्रजलाल खीमचद सोलीसीटर के प्रस्ताव और श्री० मोतीलालजी कोटेचा के अनुमोदन से श्री. सेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ने प्रमुख का स्थान लिया था। वादमें रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरी श्री. सुरजमल लल्लूभाई झवेरी ने आमन्त्रण

पत्रिका पढ़ी और नियमावली के इस नियम की तरफ मेम्बरों का ध्यान खींचा कि " जनरल कमेटी का कोरम ९ मेम्बरों का होगा जिनमें कमसे कम ५ अस्थानीय मेम्बर अवश्य हाजिर रहने चाहिये "। इस पर विचार होनेपर अस्थानीय मेंबरों की संख्या थोड़ी होनेसे मीटिंग दूसरे दिन के लिये स्थगित रक्खी गई

दूसरे दिन की बैठक

समयः—१ बजे दोपहर को। स्थान —कांदावाडी स्थानक ता व सताम से श्री मोतीलालजी मूथा इत्यादि बाहर के मेम्बर यथेष्ठ संख्या में आगये थे और कमेटी की कारवाई नियत समयपर चालू हुई। श्री सेठ मोतीलालजी मूथा के प्रस्ताव तथा सेठ अमृतलाल रायचंद झवेरी के अनुमोदन से सेठ मेघजी भाईने प्रमुख का स्थान ग्रहण किया। कार्यवाई शुरू होते ही सबसे पहिले सेठ वरधमानजी पीतलीया का इस्तीफा के लिये भावपूर्ण पत्र सुनाया गया जिसका निम्न लिखित आशय का प्रस्ताव पास हुआ।

प्रस्ताव नं १

कान्फरेंस के जनरल सेक्रेटरी श्रीमान् सेठ वरधमानजी सा पीतलियाजी सेवाओं की इस संस्था को पूरी आवश्यकता है इस लिये कमेटी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं कर सकती।

प्रस्तावक—सेठ मोतीलालजी मूथा
अनुमोदक—अमृतलाल रायचंद झवेरी

प्रस्ताव नं २

(अ) सेठ ज्वालाप्रसादजी कान्फरेन्स के कार्य में भाग नहीं ले सकते हैं इसलिये ट्रस्टी तरीके उनके स्थान में श्री. दानवीर सेठ भैरोंदानजी सेठिया की नियुक्ति की जाती है।

(ब) जोधपुर मिल की रसीद सेठ मेघजीभाई श्रीमान सेठ अमरचंदजी वरधमानजी तथा सेठ नथमलजी चोरड़ीया के नामपर है उनको बदल कर कान्फरेन्स के ट्रस्टियों के नामपर करवाया जाय।

प्रस्तावक —सेठ मोतीलालजी कोटेचा
समर्थक— „ जेठालाल रामजी

प्रस्ताव नं. ३.

गतवर्ष के हिसाब को जाच करने के लिये मेसर्स नगीनदास एन्ड माणिकचद कु० को आनररी ऑडीटर नियत किया जाता हैं।

प्रस्तावक --सेठ दीपचद गोपालजी

अनुमोदक --,, जगजीवन डोसाभाई

प्रस्ताव नं० ४

पूना बोर्डिंग की कमेटी की तरफ से सूचित किया गया है कि पूना बोर्डिंग के जनरल सेक्रेटरी तरीके सेठ वृजलाल खीमचद सोलीसीटर नियत किये गये है, इसकी नोध ली जाय।

प्रस्ताव नं. ५

बोर्डींग की कमेटी की तरफ से जनरल कमेटी के मेम्बरोंमेंसे एक मेंबर को बोर्डींग की कमेटी मे नियत करनेकी माग रक्खी गई जिसपर सेठ जेठालाल रामजी के प्रस्ताव और सेठ वरजीवन लीलाधर के अनुमोदन से सेठ नगीनदास अमुलखराय की उस जगह पर सर्वानुमति से नियुक्ति की गई।

प्रस्ताव नं० ६

रे जन सेक्रेटरी सेठ सूरजमल लल्लूभाई झवेरी ने सेठ अमृतलाल रायचद झवेरी की अपना मत्री तरीके नियुक्ति कर निम्नलिखित खातोंका काम उनको सौप देनेकी सूचना दी (१) हिसाबी खाता (२) प्रेस (३) कोष (४) जैन ट्रेनिंग कालेज (५) श्राविकाश्रम।

इसके उपरात वीरसघ के सेक्रेटरी तरीके सेठ दुर्लभजीभाई त्रिभुवन झवेरी की नियुक्ति की गई।

प्रस्ताव नं० ७

कोषका काम हाल मे इन्दौर में चल रहा है जिसका कपोझींग और प्रिंटींग चार्ज प्रतिफार्म लगभग रु० २९) पडता है। उसके बदले लिंबडी में जशवतसिंहजी प्रिंटींग प्रेस में रु० १६) के भाव से यह काम हो सकता है इसलिये प्रस्ताव किया जाता है कि कोष का ४ थे भाग का मेटर उपर्युक्त प्रेस-

में कराया जाय और इस सम्बंध में उससे लिखित एकरार कर लिया जाय। यदि उसका का कार्य सन्तोषजनक हो तो दूसरे भाग का संशोधित काम भी इसी प्रेस में करवाया जाय और उसके संशोधक मूफ श्रीयुत् सरदारमलजी भंडारी के पास भेज दिये जाया करें।

प्रस्तावक— सेठ सरदारमलजी भंडारी
समर्थक— „ जेठालाल रामजी

प्रस्ताव नं ८

संवत १९८१ की वार्षिक हिसाब कमेटी में पेश किया गया। उसमें आफिस खर्च मंजूर की हुई रकम से २७८।)॥ ज्यादा खर्च हुआ है वह मंजूर किया जाता है। और रु १८७।) मलकापुर अधिवेशन रिपोर्ट आदि लेना निकलते हैं। उनकी रकम शुभ खाते लिखकर मांड वाला कर देनेका प्रस्ताव किया जाता है।

श्रीजैन प्रचार मंडल के मंत्री मि० कुन्दनमल बागानी द्वारा का पत्र कमेटी में पेश किया गया उसपर से प्रस्ताव किया जाता है कि—

(अ) बीकानेर में ता ७—१०—२६ की होनेवाली उक्त मंडल की कमेटी सभाके प्रस्ताव नं. १२ के अनुसार जैन सोशियल एसोसी जैन शिक्षण की परीक्षा जैन अध्यापक परीक्षा, आदि कार्योंमें मदद तरीके रु १२) भी धार्मिक केलवणी फंडमें से दिये जाय।

(ब) हिंदी विभाग में भी ऐसाही मंडल स्थापित होकर गुजराती विभाग की पद्धति से कार्य करने की संतोषकारक व्यवस्था होनेका आफिस को ज्ञात होगा तो इतनी ही रकम हिंदी विभाग को भी दी जाय।

(क) उक्त गुजराती खाते का प्रबंध करने के लिये उक्त मंडल के उपप्रमुख सेठ जेठालाल रामजी को कान्फरेंस आफिस की तरफसे मंत्री नियत किया जाता है।

प्रस्तावक—सेठ मोतीलालजी मुथा
अनुमोदक—„ दीपचंद गोपालजी

प्रस्ताव नं ९

स्वयंसेवक दल का संगठन करने तथा उनकी व्यायाम साधन एवं शिक्षा देने आदि कार्यों के लिये १२) तक खर्च करने की सत्ता

सनाधिपति सेठ मोतीलालजी मूथा को दी जाती है और यह रकम "स्वय सेवक दल" का एक नया खाता खोलकर उस खाते में लिखी जाय।

प्रस्तावक—सेठ वृजलाल खीमचद शाह
अनुमोदक—,, सुरजमल लल्लुभाई झवेरी

सवत १९८३ के लिये निम्न लिखित वजट मजुर किया जाता है —

४०००) आफिम खर्च
२१००) जैन प्रकाश.
१२००) उपदेशक खर्च
१२००) जीवदयाका उपदेशक
६००) जैन इन्सपेक्टर
६०००) अर्धमागधी कोष
१२००) जैन ज्ञानप्रचारक मडल
१२००) स्वय सेवक दल

१७९००)

तिसरा दिन.

स्थान—कादावाडी स्थानक समय दोपहर २ बजे से

प्रारम में सेठ दुर्लभजीभाई त्रि० झवेरी ने 'जैन ट्रेनिंग कालेज' सम्वध में मत्री का निवेदन पढकर सुनाया फिर निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वानुमति से पास हुए।

प्रस्ताव नं० १०

बीकानेर जैन ट्रेनिंग कालेज के लिये मासिक रु० ६००) के लिये खर्च की मंजूरी दी जाती है और फ्री बोर्डर तरीके ज्यादासे ज्यादा २० छात्रों को दाखिल करने की शिफारिश की जाती है।

प्रस्ताव नं ११

स्कॉलरशिप सम्बधी प्राप्त सभी अर्जिया कमेटीमें पेश की गई परन्तु यथेष्ट फडके अभाव में हाल किसी को भी स्कॉलरशिप दी नहीं जा सकती।

प्रस्तावक—सेठ व्रजलाल खीमचंद शाह
समर्थक— ,, जेठालाल रामजी

प्रस्ताव नं १२

मुंबई अधिवेशन के समय नियत की हुई गुरुकुल कमेटीने निम्न लिखित सज्जनों का एक डेप्यूटेशन खास १ संस्थाओं के निरीक्षणार्थ भेजना निश्चित किया है उस प्रस्ताव का यह कमेटी अनुमोदन करती है और यह कमीशन बिकानेर अधिवेशन तक अपनी रिपोर्ट भेज देवे ऐसा आग्रह करती है।

(१) सेठ गुलाबचंदजी झवेरी
(२) पंडित रामनाथजी
(३) श्री पूनमचंदजी खीवसरा
(४) ,, कल्याणचंदजी धी गोधावत
(५) ,, रतनलालजी मेहता.

उपरोक्त गृहस्थों के दूसरे किसी शिक्षणशास्त्री को भी भेजना उचित मालूम पडे तो रु ७) तक खर्च करने की ऑफिस को सत्ता दी जाती है। और डेप्यूटेशन में बाबु दुलिचंदजी उदयपुरवाले को भी साथमें विशेष निश्चय किया जाता है।

प्रस्तावक—सेठ अमृतलाल रायचंद झवेरी.

समर्थक — ,, मोतीलालजी कोचेटा

इसके बाद कमेटीके प्रमुख श्रीमान् मेघजीभाई थोभण जे. पी. का तथा २ नरा सेक्रेटरी श्रीमान् सूरजमल लल्लुभाई का आभार मानने की दरखास्त सेठ रायचंद भीमचंद सोलीसीटर ने पेश की थी जिसका सेठ मोतीलालजीने अनुमोदन किया और जयध्वनिके साथ कमेटी विसर्जन की गई।

घ

बीकानेर खाते थयेलुं आठमुं अधिवेशन.

मुबई कोन्फरन्सना अधिवेशनमा श्रीयुत् मिलापचदजी वैद के जेओनी जन्मभूमि विकानेर छे परतु जेओ झासीमा वहोळी जागीर धरावता होवाथी घणा वर्षो थया त्याज निवास करी रह्या छे तेओए आठमु अधिवेशन विकानेर खाते भरवानु बीडु झडप्यु हतु, जो के विकानेर अने अन्य स्थळोमा घणा वर्षोथी चाल्या आवता विलायती अने गामठीना झगडाने लीधे एवी हिंमत एक साहस ज गणाय परन्तु साचा हृदयथी आदरेलु कोई काम आखरे पार पड्या वगर रहेतु नथी, कारण के तेवाओ पासे साधनो अने सहायको आकर्षाई आवे छे श्रीयुत् मिलापचदजीनी बावतमा पण तेमज थयु जोधपुरवाळा श्रीयुत् आणदराजजी सुराणा, जयपुरवाळा श्रीयुत् दुर्लभजी त्रंभुवनदास झवेरी, मुबईवाळा श्रीयुत् अमृतलाल रायचद झवेरी, नीमचवाळा श्रीयुत् नथमलजी चोरडीया, तथा पाछळथी मुबईवाळा श्रीयुत् टी जो शाह, वगेरे केटलाक सेवाप्रेमी सज्जनो केटलाक दिवस अगाऊथी विकानेर जई पहोंचवाथी, जो के आमन्त्रणपत्रिका पहोंच्या बाद मात्र एकज अठवाडिया जेटलो टाईम रहेलो हतो छता स्थानिक सज्जनोनी सहायथी तमाम व्यवस्था घणीज त्वराथी अने सतोषकारक रीते थई शकी हती पाच हजार प्रेक्षकोनो समावेश थाय एवो भव्य मडप करवामा आव्यो हतो, कारण के त्रीश वरसना जाहेर जीवनवाळा अने लोकप्रिय नेता पासे त्रण त्रण वखतना आग्रह बाद प्रमुखपद स्वीकाराववामा आवेलु होवाथी तथा प्रसिद्ध व्याख्याता आचार्य श्री जवाहरलालजी महाराज विकानेरथी मात्र वे माईल जेटले दूर आवेला भीनासर गाममा होवाथी जुदा जुदा प्रातोमांथी मळीने छ सात हजार जैनोनी हाजरी थवानी गणत्री करवामा आवी हती, अने आ गणत्री लगभग साची पडी हती, कारण के जोके कोन्फरन्स सम्मेलनमा तो चार हजार जेटलीज हाजरी हती, तो पण ते उपरात सुमारे हजार स्त्री पुरुषो आचार्य श्रीना दर्शन माटे आवेला भीनासर सधे दर्शन करवा आवनाराओ माटे भोजन इत्यादिनी सारी व्यवस्था करी हती अने कोन्फरन्सनी

हतो अन जैन धर्म 'जैन कोन्फरेन्स' तथा प्रमुखनी जय बोलवामा 'आवी हती

प्रमुखनी मुसाफरी—थर्ड क्लासमां

छापाना प्रतिनिधिओए एक प्रश्नथी भारे रमुज उपजावी हती वेपारी कोमना प्रेसिडटने थर्ड क्लासमा मुसाफरी करता जोई तेमने ताजुबी थई हती अने तेथी ए प्रश्न थवा पाम्यो हतो श्रीयुत् शाहे जवाब आप्यो हतो के खरी रीते जोता तो हिंदनी कोई कोम आबादी धरावती नथी, अने जे थोडी व्यक्तिओ अकस्मातथी पैसो वरावे छे तेओए पण देश अने समाजनी अनिवार्य तगीओ नजर राखीने बीनजरूरी खर्चो छेकज ओछा करता शीखवु जोईए छे अने एवु शिक्षण देश अने समाजना नेताओना वर्तन परथी अने खास करीने आवे प्रसगेज जनताने मळवु शक्य छे कोन्फरन्स जेवा प्रसगे तो सामान्य जनतानी साथेज मुसाफरी करीने दरेक व्यक्तिना समागममा आववु जोईए अने वातचीतद्वारा तदुरस्त विचारोना बीज नाखता जवु जोईए झालरापाटणना राज्यगुरु पडित गिरिधर शर्माए जणाव्यु के सत्ता भोगववा खातर नहि पण सेवा करवा माटेज जो सभापतिओ जोईता होय तो हिंदनी दरेक कोमे हवे आ प्रथाज स्वीकारवी जोईए 'प्रगति' पत्रना सपादक अने मालिक श्री परधुभाई शर्माए जणाव्यु हतु के साहित्यकार वर्गमाथी पसद करायली एक व्यक्तिनी लोकप्रियता समस्त साहित्यकार वर्गने माटे अभिनदनीय छे, एक विचारक अने फिलसुफ ज्यारे नेता बने त्यारे कई कई नवी अने तदुरस्त प्रथाओ दाखल थवीज जोईए तेमने उत्तर आपता श्रीयुत् शाहे कह्यु के, तदुरस्त के नादुरस्त ए बातनो निर्णय तो तमो पत्रकारोने सोंपा हु सख्याबध नवी प्रथाओ आ प्रसगे दाखल करवानो छु, जेमा प्रथम तो ए छे के प्रमुख तरीकेनु मारु भाषण में छपाव्यु पण नथी तेमज लख्यु पण नथी अने प्लेटफोर्मपर उभवानी छेल्ली घडी सुधी सघळी परिस्थितिओनु मात्र अवलोकन करवानोज में निश्चय कर्यो छे, के जेथी आदर्श अने व्यवहार बन्नेनो सुदर सयोग थई शके वळी हु समाजने दोरववाने बदले मात्र तेओनो आत्मा जगाडीने दूर रहेवा इच्छु छु के जेथी जागृत थयेलो तेमनो आत्मा पोतानो मार्ग पोते शोधी शके सभव छे के आ कोन्फरन्समा अगाउ कदापि नहि जोवामा आवेलु एटली हदनु लडायक बळ पण फाटी नीकळे, पण मने खात्री छे के मधुरू प्रभात प्रकाश' अने

थवाने बदले तेमनी भानी आलेज उतार वाल्यो हतो विकानेरथी पाछा फरता कलोल जरुर उतरवानो वधे समाज तरफथी आग्रह थता तेमणे आमन्त्रण स्वीकार्यु हतु

अन्यान्य स्टेशने स्वागत.

आगळ जता पालणपुर, जोधपुर, मारवाड जंक्शन, पाली, सुरपुर, देशनोक इत्यादि इत्यादि स्टेशने सद्याचार गृहस्थोए हाजरी आपीने साचा जिगरथी विश्वास अने प्रेम दर्शाव्यो हतो प्रत्येक स्थळे श्रीयुत् शाहने हारतोराथी लादवामा आवता हता च्हा, दुध तथा भोजननी सामग्रीथी आवती पार्टीनी खातरबरदास्त करवामा आवती हती रात्रिना बे वागया सुधी पण प्रत्येक स्टेशन उपर एवी धमाल चाली रही हती अने केटलाको तो स्टेशनथी घणे दुरना गामोनाथी पण स्टेशने हाजर थया हता सघळाना चहेरा उपर नवीन आशा अने जिभपर आशिर्वादो हता दरेक स्थळे उपस्थित जनता वचे प्लेटफॉमपर उभा रहीने श्रीयुत् शाह संप अने विद्याप्रवृत्तिना मंत्र आपवा चूकता नहि

विकानेर स्टेशने तो—

ता ५ मीनी सवारे नव वागे ट्रेईन थोभताज विकानेर, भीनासर अने गंगाशहेरना संभावित गृहस्थो तथा वोलंटियरोनी फोज साथे सेनाधिपति श्रीयुत् मोतीलालजी मुथाए जयघोषथी प्लेटफोर्म गजावी मूक्यु हतु, अने सादामा सादा पोषाकमा सज्ज थयेला, दुबळापातळा अने जीर्ण पण उचा शरीरवाळा प्रमुखने त्रीजा वर्गना डवामाथी नीचे उतरत ज कदावर शरीर अने भर्या च्हेरावाळा श्रीमंत सेनाधिपतिए ज्यारे लश्करी ढबथी सलाम करी ते वखतनो देखाव कोइ अलौकिकज हतो, परंतु ए नमन स्वीकारतु मस्तक, ज्यारे बालिकाए तेमने नवरत्नोथी वधाववाने हाथ लंबाव्यो त्यारे ते निर्दोषताना मूर्ति समक्ष तो ते मस्तक आपो आप नीचु हतु त्यारबाद प्रत्येक आगेवान् महाशय तरफथी कसबी हारो अने फुलना हारो वडे तेमने लादी देवामा आव्या हता। आ दबदबावाळु दृश्य जोवा सेंकडो प्रेक्षकोनी मेदनी एकठी थई गई हती, जेओनी वच्चेथी मुश्केलीपूर्वक रस्तो कापी नजदीकनी वेइटींग रुममां श्रीयुत् शाहने लइ जवामा आव्या हता ज्या मुबंई अधिवेशनना प्रमुख श्रीयूत् भैरोंदानजी शेठिया अने वीकानेर अधिवेशनना स्वागताध्यक्ष श्रीयुत् मिलापचंदजी वैद–एओए थोडीकवार प्रमुख

मुसाफरी करी आव्या छीओ माटे अमने रोको नहि !' एटले तेओश्रीना बीकनेरना वसवाट दरम्यान अने मुसाफरीमा आवी मुलाकातो अविरत चालु रही हती

विजयादशमी.

अधिवेशननी पहेली बेठक—

आज साडावार वागे शरु थइ हतो, जे वखते सुमारे ४००० प्रतिनिधिओ अने प्रेक्षकोनी हाजरी हता स्त्रीओए पण सारी सख्यामा हाजरी आपी हती मडपमा दाखल थता सामेज विशाळ प्लेटफोर्म उपर प्रमुख महोदय अने स्वागताध्यक्ष माटे सोनाना पतराथी मढेली अने सिंहमुखना हाथावाळी खुरशीओ गोठववामां आवी हती, जेनी बन्ने बाजुए सन्मानित नेतावर्ग माटे खुरशीओ अने कोचो गोठववामा आव्या हता पाछळनी बाजुए विश्ववंद्य महात्मा गाधीजीना ओईल पेईन्टिंगनी माथे त्रण मोटा ओईल पेईन्टिंग चित्रो टागवामा आव्या हता, के जे श्री वा मो शाह पदर वरस उपर लखेला श्री महावीर कहेता हवा ' नामना पुस्तकमाना भावनाओने आधारे जयपुरवाळा श्रायुत् दुलभजी त्रि झवेरीए मुबईमा तैयार कराव्या हता ते चित्रोनो आशय अनुक्रमे ' आप बळ एज मुक्तिनो मत्र ' नम्र सत्य एज परम हिंमत ' अने ' प्रगति तेनु नाम छे के जेमा एक मनुष्य ऊटनी दशामाथी सिंहनी दशामा अने तेमाथी बालक अथवा ज्ञानीनी दशामा आगळ वधतो होय छे,' ए मतलबनो हतो वळी जग्याए जग्याए उपदेशी वचनामृतोना बोर्ड लगाडेलां हता

वोलटियरोनी फोज पण सभाने दबदबो धीरी रही हती बरावर साडा चार वागे स्वागताध्यक्ष साथे प्रमुख महोदय पधारतां प्रथम बेन्डना मधुर सरोदे अने त्यारपछी बहार उभेला वोलटियरोनी जयघोषणाए स्वागत कर्यु हतु मडपमा प्रवेश करताज समस्त सभाए उभा थइने ' जिनशासन की जय ' जयाजिनेंद्र,, ' सभापति महाशय की जय ' इत्यादि घोषणाओथी वधावी लीधा हता प्रतिनमन करता करता सभापति प्लेटफोर्मपर पहोंच्या त्यारे प्लेटफार्म उपरना सभ्योए तथा स्वागताध्यक्षे सन्मानपूर्वक तेमने प्रमुख माटेनु सिंहासन रोकवा विनति करता तेमणे तेम कर्यु हतु

introspective, not criticising or blaming others,but carrying on religious self-*examination*, taking all blame on oneself Jains pride themselves on possessing most rational logical humanitarian religion, but deny it by Swetambers and Digambers engaging in physical and legal fights Logic chogging or hairsplitting not conductive of growth From religious sense humanitarianism that which exhausts itself in anyhow protecting lower order

Life is hardly human-nay even become inhuman "

भावार्थ.

आजकाल कोन्फरसोनो राफडो फाट्यो छे खरा अर्थमा धार्मिक कोन्फरन्स कही शकाय एवु थवा माटे तो **आंतर्दृष्टिवालां हृदयोनु जोडाण जोइए** (कारण के फक्त आतर्दष्टि वाळी स्थितिमाज हृदयनो पडघो हृदय पाडी शके छे अने एकता के एकतारता प्रगटी शके छे)एक बीजाने शीरे दोषारोपण करवानी रीत छोडी सघळाओना दोषो पण पोताना माथ लई उडु आत्मनिरीक्षण करवु जोइए (आत्मनिरीक्षण वगर सत्य दर्शन Peroeption—न होई शके अने ते वगर सत्यज्ञान-सम्यक्त्व-सभवे नहि, अने समकितना स्थिर प्रकाश सिवाय प्रगतिकारक चारित्र पण होई शके नहि तेथी, ज्या, आतर्दष्टिनी तालीमज नथी त्या खरे रस्ते काम थवानो सभवज नथी.) बुद्धिना उपयोग-पूर्वक थती दयानो सौथी वधारे हिस्सो जैन धर्ममा छे एवु अभिमान जैना धरावे छे, परन्तु ज्यारे तेओना श्वेताम्बर दिगम्बर सप्रदायो परस्पर मुकदमावाजी अने वाळ चीरवा जेवा बुद्धिवादनी लडाईमां उतरे छे त्यारे तेओमा उकत दयानो अश पण नथी जोवामा आवतो आवा झगडाओ विकासक्रियाने रोके छे धार्मिक दृष्टिए तो ' दया ' तेनु नाम छे के जेमा हलका पायरीना जीवोनी रक्षा माटे उन्ची पायरीना जीवात्माओए पोतानु बलिदान आपवु पडे आजकालना जीवनमा एवा ' दैवत्व ' नी तो गंध नथी, परन्तु मनुष्यत्व पण अल्पाशेज रहेवा पाम्यु छे —एटलु ज नहिं पण अमानुषीपणु पण देखावा लाग्यु छे

जैनोनां क्षोभ थवा पाम्यु हतु सदभाग्ये छेल्ली घडीए मारा तारानो पडघो पाडवानी सन्मति थवा पामी ए माटे हु पजाव जैन सघने एमना खरा जैनपणा माटे अभिनदन आपु छु ।

श्वे मू. जैन कोन्फरन्सनो तार.

श्वे मू जैन कोन्फरंस ओफिसना प्रेसिडट अने जनरल सेक्रेटरी महाशयो तरफथी आ कोन्फरसने ‘Brilliant Success’ अथवा ‘चळकती फत्तेह’ ईछनारो तार करवामा आव्यो हतो, जे वाचतां प्रमुखश्रीये जणाव्यु हतु के —

“सेंकडो भाषणोमा जेटलु अर्थगौरव नथी तेटलु आ तारना वे शब्दोमा हु जोऊ छु ए तारने आपणे लावा धन्यवाद दइशु अने तेनी आशिष जीगरथी स्वीकारीशु ”

श्रीयुत् ए वी लठे, दिवान (कोल्हापुर), श्रीयुत् अबालाल साराभाइ (अमदावाद), श्रीयुत् जी वी त्रिवेदी M L C (मुबई), श्रीयुत् लालचदजी शेठी (झालरापाटन) शेठ विरलाजी (मुबई), श्रीयुत् मथुरादासजी मोहता (हिंगनघाट), रायकुमारसिंग बहादुर (कलकत्ता), श्री रतिलाल मोतिलाल मोतीचद शेठ (मुबई), श्री सी वी गालिआरा (रगुन), श्री अमृतलाल दलपतभाई शेठ (पुना), श्रीमान् रायसाहेब गोपीचदजी (डेरा इस्माइलखान), ‘महाराष्ट्रीय जैन’ पत्रनी ओफिस (पुना), पंडित श्री गीरधारीलालजी शर्मा (झालरापाटन), स्थानकवासी जैनसघ, (रंगुन), पडित लालन (देहगाम), श्रीयुत् मणीलाल हाकेमचद उदाणी, M A L L B (राजकोट), श्रीयुत् लक्ष्मीदास रवजी तेरसी (कच्छ माडवी), श्रीयुत् न्हानालाल दलपतराम कवि, कन्तोल स्थानकवासी जैन सघ, ब्रह्मचारीजी शीतलप्रसादजी (खडवा), ‘न्निस्ली इन्डीया’ पत्रनी ओफिस, श्री सघ (मल्हारगढ), श्री भट्टारक जीनचरित्रसूरी, श्री गोविंदजी नहार (वीजापुर), तारक दिगम्बर पथना सेक्रेटरी श्रीयुत् बुधिलाल जैन (सीओनी,) श्रीयुत् चिरजीलाल जैन (वर्धागज), श्रीयुत प्रतापमल चाठीआ (कोटा), श्रीयुत् नरभेराम आणदजी मारफत लींबडी अने जेतपुर सघ, वोलन्टीयर मडळ (अहमदनगर), लाला अमरसिंग जैन मडळ (अबाला), श्रीयुत् महासुखलाल जीवराज (मोरवी), श्री शातिलाल लईनीचद (रगुन), झालावाडसघ (मुबई), श्री वेलचद वकील (अमदावाद) श्री रामजी जादवजी दलाल (कुकावाव), बाबु पन्नालाल जैन हाइस्कुल (मुबई), श्रीयुत् माणेकचदजी शेठी F R

A S (झालरापाटन) श्री निर्मलचन्दनाथ (जौनपुर) श्रीयुत हरिलाल पी शाह, वकील (मुंबई), श्रीयुत हीरालाल वकील (सोजत) श्रीयुत नेमचंद शाह (देसमोट) श्रीयुत अमृतप्रसाद जैन बेरिस्टर " करि (बीकानेर) श्रीयुत मानेकलाल केसरदास दोशी (उज्जैन) श्रीयुत दामोदर रायचंद गांधी (बोटाद) भाई केठाभाई वालजी मास्तर, (जामनगर) श्रीयुत हेमचंद एम. शाह, सोलिसिटर मुंबई जेवे शीवा प्रमाणे पत्रोद्वारा सहानुभूतिना तारो अने पत्रो मोकली संमति दर्शावी हती

पंडित अर्जुनलाल सेठीनो तार (अजमेर)

To,

The President,

" Sorry badly indisposed, wish conference every success under your able and long wished for guidance Pray organise strong working body for emancipation of beguiled Jains. May truth inspiring soul of Lonkashah give us all strength enough to radically remove idol-worship cast distinction and mental slavery from among the masses Original mission of Lord Mahavir must be resumed at all risks My services at your disposal. "

Shethi.

श्रीयुत बाबु चंपतराय जैन, बारिस्टर (हरदोई)

President,

Jain Conference,

" Wish conference success Trust h u lay foundation of lasting work of permanent value.

Champatrai Jain

प्रमुखनुं भाषण

त्यारबाद प्रमुख महाशये पोतानुं के जेने Presidential Address कहे छे तेनो आरंभ कर्यो हतो जे नीचे मुजब हतुं: समाजनी सेवा करवानी

ते आज्ञानो पडघो पाडवा पूरतोज हु अत्रे हाजर थयो छु अने एवा निश्चयथी हाजर थयो छु के जे कइ कामकाज मारा सूचन सिवाय ज तमो पोते पसद करी शको अने सर्वानुमते पसार करी शको तेवा कामकाजना तटस्थ प्रेक्षक तरिके मारे रहेवु

केटलाको पक्षपातथी मने निडर कहे छे, परतु हु पोते तो पोताने सामुदायिक कमोथी एटलो डरतो मानु छु के तमो सर्वेनी आटली वधी ममता छता मे. एक पण मार्गसूचन न करवु एवो निश्चय कर्यो छे,—एटला माटे के कोन्फरस तूटी पडे एवो अगर तो उपस्थित गृहस्थोमाना कोइने अजाणता पण आघात थवा पामे एवो एक पण शब्द मे उच्चार्यो छे एवु कहेवानो कोइने एक पण प्रसग न मळे आ कोन्फरसना यश तेमज अपशयनो हु भागी नथी छेल्लु केटलुक थया एकात जीवनमा जे आध्यात्मिक मननने मने लाभ मळ्यो होय ते ज मात्र तमारी सेवामा रजु करी हु सतोष पकडीश एम तो मे त्रीश त्रीश वरस सुधी तमारी समक्ष सेंकडो भाषणो अने हजारो लेखो धर्या छे अने वखतोवखत मार्ग सूचनो करता रहेवा साथे परतु कोन्फरस के कोइ पण सस्थाना एक सभ्य तरिके पण जोडाया सिवाय, कोन्फरस आदि लगभग तमाम प्रवृत्तिओमा आदिथी अत सुधी प्रवृत्तिनो मोटो हिस्सो झीलतो रह्यो छु, तेथी आजे मारे कइ नवु कहेवानु के सूचववानु भाग्येज रही जतु होय वळी मारे हजी ए पण निश्चय करवाने बाकी छे के सत्य साभळवा खुशी अने आचरवा तैयार एवा प्रतिनिधिओ केटली सख्यामा हशे ! मात्र भाषण करवा खातर ज भाषण करवाथी, येन केन प्रकारेण कोन्फरसने तोडवा इच्छता कोइ वधुनो हाथ मजबुत करी आपवा सिवाय बीजु परिणाम भाग्येज आवी शके

आगळ जता प्रमुख महोदये धर्म अने तत्वज्ञाननो सबध तथा धर्मसघ अने कोन्फरस वच्चेनो सबध विस्तारथी समजाव्यो हतो, जे स्थळ सकोचने लीधे हवे पछीना अक माटे मुल्तवी राखीओ छीए.

त्यारबाद श्री दुर्लभजी झवेरीए सभाजनोने सुचव्यु हतु के विवेकपूर्वक अने शुद्ध हृदयथी काम करीने कोन्फरंसने सफळ करवी बादमा सबजेक्टस कमिटिनी चुटणी करवा माटे सभा बरखास्त करवामा आवी हती ते वखते आग्राना 'जैन पथप्रदर्शक' पत्रना तंत्री श्री पद्मसिंह जैने कोन्फरसना कामने मजबुत करवा माटे नवयुवकोनी एक सभा स्थापवा जाहेर अपील करी हती अने जाहेर कर्यु हतु के आवती काले सवारे कोन्फरसना मडपमां नवयुवानोए आवु एक मंडळ स्थापवा माटे एकठा थवु युवान वर्गे आ आमत्रणने उमगपूर्वक वधावी लीधु हतु

रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरीओ

श्रीयुत् मेघजीभाई थोभण

,, सुरजमल लल्लुभाई झवेरी

,, कुदनमलजी फीरोदीया

,, नगीनदास अमुलखराय

,, अमृतलाल रायचद झवेरी

प्रस्ताव ४ थो

(१) लोकमत केळववाना आशयथी सबजेकटस कमीटीनी बेठको तेमज जनरल कमीटीनी बेठकमा थतु कामकाज प्रेक्षक तरीके जोवानी तमाम प्रतिनिधिओ माटे छुट राखवामा आवी हती

प्रारभमा रेसीडेन्ट जनरल सेक्रेटरी श्रीयुत् सुरजमल भाईए कमीटीनी आमत्रण पत्रिका वाची सभळावी त्यारबाद मुबई अधिवेशनना प्रमुख श्रीयुत् भेरोदानजी शेठी-याए दरखास्त मूकी के " बे वर्षने माटे कोन्फरन्स ओफिस मुबईमा राखवाना मलका पुर कोन्फरन्सना टराव मुजब कोन्फरन्स ओफिस आजथी बीजे कोई स्थळे फेरवी शकाय, परतु तेम न करता आगामी अधिवेशन सुधी मुबईमा राखवी अने जा आमत्रण न मळे तो त्रण साल ने अते ओफिस तरफथी अधिवेशन करवु " आ दरखास्त, लाला गोकळचदनी (दील्ली) नु अनुमोदन मळता, सर्वानुमते पसार थई हती

(२) त्यारबाद ओफिस-बेरर्स नियत करवानो प्रश्न नीकळ्यो सभापतिए जाहेर कर्युके, अधिवेशननी समाप्ति बाद ओफिसना प्रमुख तरीके हु काम करवा खुशी नथी हु तो फक्त कोन्फरन्सने तूटती बचाववा पूरतो भाग लेवाना निश्चयथी बीकानेर आव्यो छु, इत्यादि अत्रे सघळा सभ्योए क्रममा क्रम त्रण वर्ष प्रमुखपदे रही सेवा आपवा तेमने आग्रह कर्यो हतो, जेना परिणामे केटलुक स्पष्ट वक्तव्य बेउ बाजुथी थवा पाम्यु हतु आ वखतनो सभानो देखाव खरेखर दिल वहेलावनार हतो आ प्रसगे लखनौथी बाबु अजितप्रसादजी जैन M A LL B आवी पहोंच्या हता, जेओने सघळाओये सारो सत्कार आप्यो हतो सभानु कामकाज तथा खास करीने सभापति तरफनी सघळाओना असाधारण ममता जोइने तेमने आनद अने आश्चर्यनी उर्मिओ प्रकट करी हती एटलामा, श्रीयुत् मोतीलालजी मुथा तथा श्रीयुत् व्रजलाल खीमचद शाह सोलीसीटर एओए श्रीयुत वेलजीभाई लखमशी B A LL B नी

प्रस्ताव ७ मो.

उपला ठरावमा जणावेली कमीटीने आ ठरावथी सत्ता आपवामा आवे छे के तेणे अर्धमागधी कोप अने प्रेस, श्राविकाश्रम, तथा पूना बोर्डींगना सवधमा पण योग्य तपास करीने घटतु करी लेवु

प्रस्ताव ८ मो.

जैन ट्रेनिंग कोलेज सबधी.

जूना विद्यार्थीओनो कोर्स पुरो थाय त्या सुधी, एटले के अदाज १॥ वर्ष माटे, जैन ट्रेनिंग कॉलेज श्रीयुत भैरोंदानजी शेठीआनी स्वतत्र सत्ता नीचे विकानेरमा चालु रहे

प्रस्ताव ९ मो.

जैन शिक्षको मेळववानी सफळता उत्पन्न करवा सबधी.

जैनशाळाओ तथा धर्मज्ञान साथे प्राथमिक शिक्षण आपती स्कुलो माटे योग्य जैन शिक्षको मेळववानी मुश्केली दूर करवा सारु ना सरकार तथा देशी राज्यो तरफथी ज्या मेईल अने फीमेईल ट्रेनिंग कोलेजो चालती होय त्याना जैन स्कोलरोने जैन धर्मने लगतु शिक्षण आपवानी अने तेओनी ते विषयने पुरती परीक्षा लेवडाववानी व्यवस्था करवा साथे, आवा जैन स्कोलरोने शिष्यवृत्ति आपवानी योजना करवा आ कोन्फरन्स ठराव करे छे

दरखास्त —रा **चुनीलाल नागजी वोरा.** (राजकोट)
अनुमोदन —रा **दुर्लभजी त्रि झवेरी.** (जैपुर)

प्रस्ताव १० मो.

प्रजामत केळववा खातर 'प्रकाश' पत्रनी नवी व्यवस्था संबधी

आ कॉन्फरन्स आग्रह करे छे के धर्म, सघ अने कोन्फरन्सना हितार्थे कोन्फरन्सना 'जैन प्रकाश' पत्रनी व्यवस्था हवेथी सभापति पोताना हस्तक राखे, अने ते पत्रनी गुजराती तेमज हिंदी एम बे भिन्न आवृत्तिओ निकळे

दरखास्त—रा **व. काळीदास नारणदास पटेल** (इटोला)
अनुमोदन—**श्रीयुत मगनमलजी कोटेचा** (मद्रास)

प्रस्तावो १४ मो.

ओसिया (मारवाड) नजदीक खुलवानी बोर्डिंगने ग्रांन्ट.

श्रीयुत मगनमलजी कोचेटाए ओसिया (मारवाड) नी नजदीकना कोई अनुकुळ स्थानमा स्थानकवासी बोर्डिंग स्कुल खोलवानी अनिवार्य आवश्यकता जणाव्याथी एम ठरावबामा आवे छे के, तेओए सभापति साथे मुसाफरी करीने योग्य स्थान मुकरर करवानु अने बनती स्थानिक मदद मेळवीने सस्था खोलवी अने तेम थएथी पाच वर्ष माटे मासिक रु ५०) व्यवहारिक केळवणीमाथी आपवानु मजुर करवामा आवे छे

सदरहु सस्थानु काम शरु थएथी श्रीयुत अमृतलाल रायचद झवेरीए सस्थाने वार्षिक रु १०० प्रमाणे आपवानु जाहेर कर्यु

दरखास्त—रा मगनमलजी कोचेटा
अनुमोदन—आनंदमलजी सुराणा

प्रस्तावो १५ मो.

स्कोलरशीपनी ग्रान्ट संबधी.

मी पदमसिंह ओसवाल उदयपुर निवासी विद्यार्थीने एक सालने माटे रु १८०] स्कोलरशीप फडमाथी आपवा

दरखास्त—रा दुर्लभजी झवेरी.
अनुमोदन—रा दुर्लभजी केशवजी.

प्रस्ताव १६ मो.

जीवदयानु साहित्य छपाववा माटे ग्रान्ट.

जीवदया प्रचारने लगतु साहित्य कोन्फरन्स ओफिसे छपाववु एवो आ कोन्फरन्स ठराव करे छे अने ते माटे रु ४०००] जीवदया फडमांथी खर्चवानी मजुरी आपवामा आवे छे

दरखास्त —रा सा चादमलजी नाहर (सागर).
अनुमोदन —श्री भगवतराय जैन वैद्य

कोई पण भागमाथी अपग जैनो तथा विधवा अने अनाथ बाळको शोधीने, तेओनी रक्षा माटे स्थपायली सस्थाओमा तेमने पहोंचाडवा अने बनी शके तो ते ते सस्थाआमा तेओने स्वधर्म सम्बन्धी ज्ञान देवानो प्रबध कराववो आ काम माटे करवा पडता खर्च सारू निराश्रित फडमाथी रु ५००) नी रकम श्रीयुत् अमृतलाल रायचद झवेरीने सोंपवी

दरखास्त,—श्री दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी

अनुमोदन —श्री वृजलाल खीमचद शाह

प्रस्ताव २१ मो.

घाटकोपर सा जीवदया खाताने ग्रान्ट

घाटकोपर (मुबई) ना सार्वजनिक जीवदया खाताने जीवदयाफडमाथी रु. १०००) ग्रान्ट आपवानु ठराववामा आवे छे

दरखास्त—रा. वृजलाल खीमचद शाहा-मुबई

अनुमोदन—रा दुर्लभजी केशवजी खेताणी

प्रस्ताव २२ मो

पुष्कर अजमेर पशुशाळाने ग्रान्ट

पुष्कर (अजमेर) खातेनी पशुशाळानी दयाजनक हालतनु वर्णन श्री चद्रसिहजी छगनसिंहजी अजमेर निवासीए आपवाथी, ए खाताने तात्कालिक मदद आपवानी जरुर आ कॉन्फरन्स स्वीकारे छे, अने जीवदया फडमाथी रु १०००) नी रकम उक्त गृहस्थना हाथमा मूकवानु ठरावे छे, एवी शरते के तेमणे ते खातानी पूरी तपास करवी अने जरुर मुजब रकम आपता जवु तथा कॉन्फरन्स ओफिसने हिसाब आपवो.

दरखास्त—रा नथमलजी चोरडीया

अनुमोदन—रा. आनंदराजजी सुराणा.

प्रस्ताव २३ मो.

मडोर (जोधपुर) गौशाळाने ग्रान्ट

श्रीयुत आनदराजजी सुराणाए मडोर (जोधपुर) नी गौशाळानी अत्यत दयाजनक दशानो अगत अनुभव कही बताववाथी ए सस्थाने तात्कालिक मदद

प्रस्ताव २६ मो.

सादाई धारण करती विधवा व्हेनोने धन्यवाद.

श्रीमती केशर वहेन (नथमलजी चोरडीयानी पुत्री), श्रीमती आशीवाई (श्री गणपतदासजी पुगलियानी पुत्री), श्री जीवाबाई (पन्नालालजी मिन्नीनी पुत्री), श्री रामीबाई (चतुर्भुजजी बोरानी पुत्री) वगेरे विधवा व्हेनोए घरेणा तथा रंगीन कपडा पहेरवानु बध करी हाथे कातेल अने हाथे वणेल खादीना कपडा पहेरवानी प्रतिज्ञा लीधी ते माटे तेमने आ कोन्फरन्स धन्यवाद आपे छे अने बीजी विधवा व्हेनोने तेमनु अनुकरण करवा भलामण करे छे

दरखास्त—रा अमृतलाल रायचद झवेरी
अनुमोदन—रा कनीरामजी बांठीया

प्रस्ताव २७ मो.

विविध कार्यवाहकोनो आभार

कॉन्फरन्सनी सेवा बजाववा माटे नीचे जणावेला गृहस्थोनो आभार मानवामा आवे छे —

(१) ऑफिस वेरर्स —श्री मेघजीभाई, श्री सुरजमलभाई, श्री वेलजीभाई, श्री अमृतलालभाई

(२) बीकानेर श्रीसघ, भीनासर श्री सघ, श्री मिलापचदजी वैद्य, श्री भेरोंदानजी शेठीया, श्री हमीरमलजी बाठीया श्री कनीरामजी बाठीया, श्री बादरमलजी बाठीया, श्री चपा-लजी बाठीया

(३) स्वागत समितिना मत्रीओ —श्री राव सा गोपाळसिंहजी वैद्य, श्री बुधसिंहजी वैद्य, श्री आनदराजजी सुराणा

(४) जनरल वर्कर्स अने हेल्पर्स —श्री मोहनलालजी वैद्य, श्री आनदमलजी, श्री श्रीमाळ, श्री तोलारामजी डागा, श्री केशरीमलजी डागा, श्री लुणकरणजी बछावत, श्री हजारीमलजी, श्री मगळचदजी मालु, वगेरे

(५) दोढ मास अगाउथी आवी सलाह आपी, अधिवेशन सफळ बनाववा माटे प्रवास करनार श्री दुर्लभजी त्रिभुवनदास झवेरी

(६) वोलटीयर कोर, श्री मोतीलालजी मुथा तथा श्री नथमलजी चोरडीया

च

जनरल कमीटी.

ता ३०–३१ डसेंबर सने १९२७

ता १–२ जान्युआरी सने १९२८

उपरोक्त कमिटिनी सभा ता ३० डीसेंबर शुकवारना रोज सवारना ११ ३० कलाके मुंबई मध्ये कादावाडी जैन स्थानकमा मळी हती. ते प्रसंगे लगभग सवासो ग्रहस्थोए हाजरी आपी हती, जेमा कमिटिना सभ्यो उपरात प्रेक्षकोए पण हाजरी आपी हती

प्रारभमा प्रमुखस्थानेथी श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाहे सभानु स्वागत करता दूर दूरथी आ कार्य माटे खास पधारेल सभ्योनो अने स्थानिक सभ्योमाथी उपस्थित सभ्योनो आभार मान्यो हतो

सभानु कामकाज शरू थया पहेला श्रीयुत् दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरीए जणाव्यु हतु के बहार गामथी आवेला भाईओने वधी वस्तुस्थितिथी वाकेफ थवाने माटे अव काश मळे, तेटला खातर जनरल कमीटिनी सभाओ आवती ता० १ जान्युआरी पर मुलतवी राखवी आ दरखास्तने श्रीयुत् कुदनमलजी फीरोदीया वगेरेनु अनु- मोदन मळ्ता आ बाबत उपर उहापोह थयो हतो परिणामे सर्वानुमते नीचेनो ठराव पास थयो हतो

वहारगामथी पधारेला गृहस्थोने जोइती माहिती मेळववानी सगवड मळे तेटला खातर जनरल कमीटिनी मीटींगना सबधमा जे वे आमत्रणपत्रिकाओ बहार पडी छे, ते बने मीटींगो ता० १–१–१९२८ ने दिने बार वाग्या सुधी Without prejudice मुलतवी राखवानी बने पक्षोने (आमन्त्रणकर्ताओने) अरज करता, तेनो स्वीकार करी मीटींग ता० १–१–२८ दिवसना बार वाग्या सुधी मुलतवी राखवामा आवे छे

आ पछी ता० ३१ मीए पण आ मुजबज ठराव करी सभा मुलतवी राख वानु ठरावता प्रमुख साहेबे जणाव्यु के जे महाशयो कोमनी बहेत्तरी माटे प्रयत्न करे छे, तेओना प्रयत्न सफळ थाय एवी अत्रे हाजर रहेला सर्वे गृहस्थोनी इच्छामा मारी पण सामेलगीरी छे आवते रविवारे अत्रे मोटी सख्यामा पधारी आपनी धार्मिक फरज अदा करशो वाद हर्षनाद वच्चे सभा विसर्जन थई हती

१६ ,, धीरजलाल मदनजी
१७ ,, प्राणजीवन इन्दरजी
१८ , महामुलचंद डायालाल मकनजी फेवरी
१९ ,, सामरचद जेचद भीमाणी
२० ,, चदुलाल रायचद
२१ ,, वरजीवनदास लीलाधर
२२ ,, माणेकलाल जकसीभाई
२३ ,, कीरतलाल मणीलाल लल्लुभाई
२४ ,, चीमनलाल पोपटलाल शाह
२५ ,, रतनशी तलकशी धनजी
२६ ,, देवीदास लक्ष्मीचद घेवरीया
२७ ,, वेलजी लखमशी नपु
२८ ,, भूजलाल खीमचद शाह
२९ , सूरजमल लल्लुभाई झवेरी
३० ,, दीपचद गोपालजी लाडका
३१ ,, दामोदर कमरचद वदाणी
३२ ,, आणदराजजी सुराणा
३३ ,, अमृतलाल मोतीचद
३४ ,, वीरजी हीरा
६५ ,, नेणशी लालजी
३६ रा त्रीकमचदजी रायचदजी
३७ ,, शातिलाल ठाकरशी
३८ ,, चदुलाल मोहनलाल झवेरी
३९ ,, जगजीवन डोसाभाई
४० ,, गोकलदास शीवलाल
४१ ,, नेणशी हीराचद
४२ ,, जमनादास खुशालजी
४३ ,, मणीलाल चुनीलाल कोठारी
४४ ,, लाला गोकळचदजी झवेरी
४५ ,, मेघजी थोभण जे पी
४६ ,, वर्धभाणजी पीत्तळीया

"आ कोन्फरन्सना प्रमुख श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाहे जे राजीनामु आपेल छे ते दिलगीरी साथे स्वीकारवामा आवे छे

आ ठरावनी विरुद्ध कोई पण न होवाथी प्रमुख सुद्धा आखी सभाए उभा थईने सर्वानुमते पास कर्यो हतो अने श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाह प्रत्येनु पोतानु मान प्रदर्शित कर्यु हतु आ पछी शेठ जगजीवन उजमशी तलसाणीयाए नीचेनो ठराव पण रजु कर्यो हतो, जेने शेठ दुर्लभजी केशवजी तरफथी अनुमोदन मळता नीचेनो ठराव पण आखी सभाए उभा थई सर्वानुमते स्वीकार्यो हतो

"श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाहे आपेला राजीनामा पछी आजनी जनरल कमिटिनी सभा ठरावे छे के आजनी बेठकनु कामकाज आवती काल सवारना ११ वागता सुधा मुल्तवी राखवु

तेओश्रीए विशेष विवेचन करता जणाव्यु के समाज सेवा माटे भोग आपनाराओनी टीका करवी व्याजवी नथी पण जुना अने नवा कार्यकर्ताओए सहकार करी काम लेवु जोईए अने तेमा युवानवर्गने आकर्षवो जोईए त्यार वाद शेठ माणेकलाल अमुलखराये श्रीयुत वाडीलालभाईनी समाज अने स्वधर्मनी सेवाओनु विवेचन करी तेमना राजीनामाथी समाजने पडवानी खोट गदगदीत कठे गणी वतावी हती अने तेमनी चालेल कलमनो लाभ समाजने मळतो वध न थाय ए वात विचारवा विनति करी हती त्यारवाद सभा विसर्जन थई हती

ता २–१–२८ सोमवारना रोज वपोरना बार वागते गई कालनी मुल्तवी रहेली सभानु कामकाज श्रीयुत कुदनमलजी फीरोदीयाना प्रमुखपणा नीचे शरु थयु हतु आजे पण उपस्थित गृहस्थोनी सही लेवामा आवी हती गई कालनु प्रोसीडींग वचाई रह्या वाद श्री धारसी झवेरचदे नीचेनो ठराव रजु कर्यो हतो

"जनरल कमिटिनी आ बेठक नीचे दर्शावेला सगीन कारणोथी गेरकायदेसरनी छे अने तेथी ते मोकुफ राखवामा आवे छे

१ जुदा जुदा प्रांतोना–शहेरोना सघो, वडी धारासभाना मेंवर, वकीलो अने सघपतिओ जेवा वजनदार सभ्यो तरफना ठरावो तथा प्रोक्षीओनी मोटी सख्या पोष्ट तथा तार द्वारा प्रमुखने मळेला होई, ते सर्व प्रमुखे अणधार्यु राजीनामु आपवाथी आ मीटींगमा काममा लेवानु अटकी पड्यु छे तेथी ते सर्व चीजोनी

७ नियमावळीने वास्ते जे कमिटि निमवामा आवी छे तेमाथी शेठ मेघजीभाइ थोभण अने शेठ सुरजमल लल्लुभाईने तेओए राजीनामा आपेला होवाथी मुक्त करवामा आवे छे अने नीचेना वधारे गृहस्थोने ते कमिटिमा निमवामा आवे छे

रा ब शेठ कालीदास नारणदास — इटोला

शेठ दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी — जयपुर

,, वृजलाल खीमचद सोलीसीटर — मुबई

,, देवीदास लखमीचद घेवरीया — पोरबदर

८ सवत १९८२ नी सालनो हिसाब अने सरवैयु ओडीटरोना रिमार्क साथे वाचवामा आव्या ते मजुर करवामा आवे छे अने ओडीटरो मेसर्स नरोत्तमदास अने माणेकलाले ओनररी काम कर्यु छे ते माटे आ सभा तेओनो आभार माने छे

९ मी रतीलाल लल्लुभाई पासेना रु ३००) त्रणसो अने मी माणेकलाल अमृतलाल पासेना रु १०९) एकसो नव माडी वाळवा अने मलकापुर कोन्फरस पहेलाना खाताओमा हिस्सावार खाते उधारवा रु ७५००) पचोतेरसोनी प्रोमीसरी नोटो जे सीक्युरीटीओमा बताववामा आवे छे ते रुपीया शेठ मगनमलजी हमीर-मलजीने खाते माडवा, कारण के ते सीक्युरीटीझ तेनी पासेथी मळी नथी आ रुपीया ७५००) पचोतेरसो अने बीजी चालु खातानी रकम मळी रु ९१६८)=।।। नव हजार एकसो ओगणोसीत्तेर पाणात्रण आना अनामत उघराणी खाते जमा करी मलकापुर अधिवेशन पहेलाना खाताओमा हिस्सावार खाते उधारवा

१० मुबई बोर्डीग खातामा रु ६१६।।≋।।। वसुल थया नथी, ए वसुल कर-वानु काम रे जनरल सेक्रेटरीए करवु ए बोर्डीग बध थई त्यारे सेक्रेटरी वगेरे कोण कोण हतु तेनी तपास करी तेनी पासेथी हिसाब लेवो, अने आ बाबतनो रिपोर्ट आवती कमिटिमा रजु करवो

नोट —शेठ वृजलाल खीमचद सोलीसीटर आ सभामां हाजर हता, तेमणे खुलासो कर्यो के क्यारे पण हु आ बोर्डीगनो सेक्रेटरी न हतो

११ पूना बोर्डीगना खर्च वास्ते चालु सालने माटे रु ५९०० पाच हजार नवसो मजुर करवामा आवे छे

१२ श्राविकाश्रमने वास्ते रु १५००, पंदर सो, वीरसघने माटे रु १०००, एक हजार, स्वधर्मी सहायक फड माटे रु २०००) बे हजार अने स्वयसेवक दलने माटे रु ५००) पाचसो मजुर करवामा आवे छे

जयपुर	,,	दुर्लभजी त्रिभुवन झवेरी
गुळेदगुड	,,	लालचदजी शिरेमलजी मुथा
मुबई	,,	सुरजमल लल्लुभाई
,,	,,	वेलजीभाई लखमशी नपु
,,	,,	अमृतलाल रायचद झवेरी
,,	,,	वीरचदभाई मेघजी
,,	,,	गोकळदास प्रेमजी
,,	,,	उमरशी कानजी
,,	,,	माणेकलाल जक्षीभाई
,,	,,	लक्ष्मीचद डाह्याभाई
,,	,,	अमृतलाल मदनजी जुद्रा
,,	,,	दामोदरदास करमचद
,,	,,	जेठालाल रामजी

वेठकनु कामकाज शरु करता आमत्रग पत्रिका वाची सभळाववामां आवी दती लाला गोकलचदजी साहेबने प्रमुख नमिवामां आव्या हता त्यारवाद नीचे प्रमाणेना ठरावो सर्वानुमते करवामा आव्या हता

प्रस्ताव १ लो.

आपणी कोमना जाणीता आगेवान शेठ मेघजीभाई थोभण जे पी ना अवसानथी आपणा समाजने न पुरी शकाय तेवी खोट पडी छे ते माटे आ कमीटी अतरनो खेद प्रगट करे छे अने स्वर्गस्थे आ सस्थानी वजावेली अमूल्य सेवाओनी नोंध ले छे- तेमना कुटुवने तेमनी पडेली असह्य खोटमा हार्दिक दिलसोजी जाहेर करे छे

प्रस्ताव २ जो.

राजकोटना शेठ पुरुषोत्तम मावजी वकील तथा अहमदनगरना शेठ माणिकचद्रजी मुथाना स्वर्गवासनी आ कमीटी दीलगीरी साथे नोंघ ले छे

सवत १९८३नो हिसाव ओडीट नहि थवाना कारण तरीके असल वाउचरो खूटता होवानु रे ज सेक्रेटरीए जणाव्यु हतु ते उपरथी ठराव करवामा आव्यो के —

१३ ता० २२ नवेम्बर १९२७ मा रु २००२) तथा मीती सवत १९८४ कार्तिक वद १४ ता २३-११-२७ मां रु ११९।= तथा रु ८) ता १२-१२-२७ मा, कुल रु २१२५।= प्रकाश लवाजम खाते जमा छे तेमज तेज रकमो सेंट्रल वेन्कनी माडवी शाखा खाते उधारेल छे ते रकमो ओफीसमा वसुल थई नथी तेमज उक्त खातामा भरवामा आवी नथी, पण रा वाडीलाल मोतीलाल शाहे ते रकम मेळवेल तेमज पोताना नामे वेन्कमा खातु खोली तेमा भरेल पण कोन्फरन्सना चोपडामा पोतानी मुखत्यारीए नोंध करावेल तेथी ते रकमो चोपडामाथी काढी नाखवी एटले सामा हवाला पाडवा ओफीसने सत्ता आपवामा आवे छे ५) रा वाडीलाल मोतीलाले रु १००) नो एक इंदुप्रकाश प्रेसने परवारो आपेल अने चोपडामा पोतानी मुखत्यारीए पोताना जमा करावी प्रेस खाते उधरावेल ते रकमो चोपडामाथी काढी नाखवा एटले सामा हवालो पाडवा ओफीसने सत्ता आपवामा आवे छे (६) वेतन खर्च, ओफीस खर्च अने टपाल खर्चमाथी रु १६४-१-९ नो हवालो लाभशुभ खाते नाखवो (७) श्री जैन प्रकाशना खर्चनो हवालो रु २४४१।।।= थी लाभशुभ खाते नाखवो

कमीटीनी वेठक आवती काले वपोरना वार वाग्या उपर मुलतवी रही हती

बीजा दिवसनी वेठक.

ता ३० जुनना दिने वपोरना एक वाग्ये श्री कादावाडी स्थानकमाज मळी हती, त्यारे नीचे जणावेल चार महाशयो वधु पधार्या हता

शेठ	वृजलाल खीमचद	मुंबई
,,	जमनादास खुशालदास	,,
,,	वृजलाल काळीदास वोरा	,,
,,	जगजीवन ढोसाभाई	,,

प्रस्ताव ६ ठो.

जैन ट्रेनींग कोलेज, पुना वोर्डिंग, शेठ फताजी त्रिलोकचदजी ब्रह्मचर्याश्रम, श्राविकाश्रम तथा वीरसघ ए मुजव पांच खाताने (ते ते रकमनु जे व्याज उत्पन्न थाय तेमांथी ओफिस खर्चना २५ टका वाद करीने) व्याज मजरे आपवु

शेठ देवीदासजी वेवरीया (पोरबंदर) विचार करीने, जो कई खास शास्त्रोक्त वांधो न आवतो होय तो ते प्रमाणे टीप तैयार करी चार मेम्बरोनी ते उपर सही करी तेने कोन्फरन्स ओफीस उपर मोकलवी आवे ते प्रमाणे छ परथी टीप कोन्फरन्स ओफिस तरफथी छपावी बहार पाडवामा आवे आ टीपनो समाजमा अमल करवा माटे आ कमीटी सर्व सम्प्रदायोना मुनि महात्माओ तथा सर्व श्रावक संघोने आग्रहपूर्वक विनति करे छे, अने आशा राखे छे के समाजमा आ प्रमाणेनो अमल थशे। तेमज तेना निर्विवाद प्रचारथी घणीज शांति फेलावा पामशे

प्रस्ताव ११ मो.

पंजाबमा पूज्य सोहनलालजी महाराजनी टीप जुदी नीकळे छे माटे तेमने वधा साथे मळी अरज करवा नीचेना सद्गृहस्थोने डेप्युटेशनमा जवा आ कमीटी विनति करे छे

(१)	लाला गोकळचदजी	दिल्ही
(२)	शेठ वर्धभाणजी पीत्तलीया	रतलाम
(६)	शेठ धुलचदजी भडारी	,,
(४)	लाला टेकचदजी	झडीयाला गुरु
(५)	शेठ दुर्लभजी त्रीभुवन	जयपुर

त्यारवाद शेठ ब्रजलाल खीमचद शाहे पूना वोर्डिंग कमीटीनो रीपोर्ट वाचो संभळाव्यो हतो, तथा शेठ दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरीए कोलेजना कामकाजनो अहेवाल रजू कर्यो हतो पण ते ते संस्थाओनी कमीटीओमा पास थएल न होवाथी ते ते कमीटीओमां रजु करी पछी रजू करवानु ठर्युं हतु

प्रस्ताव १२ मो.

संवत १९८५ ना कार्तिक सुद १ थी संवत १९८६ ना आसो वद अमास सुधीना बे वर्ष माटे नीचे प्रमाणे बजेट मंजुर करवामा आवे छे

रु ४०००)	ओफिस खर्च
रु ६०००)	जैन प्रकाश
रु ६००)	इन्स्पेक्टर
रु ४०००)	अर्धमागधी कोष
रु ७०००)	ट्रेनींग कोलेज (ता १५ फेब्रुआरी १९३१ सुधी)

आपे तेमनी पासेथी खरडो मळ्या बाद आगळना ठरावो प्रमाणे अमल करवो नियमावळि तैयार करवा सारु प्रथम निमायेली कमटीमा शेठ वर्धभाणजी पीत्तलीयानु नाम उमेरवु

प्रस्ताव १५ मो.

कोन्फरन्सनु आवतु अधिवेशन भराय त्यासुधी प्रमुख तरीके लाला गोकलचदजी नाहरनी नीमणुक करवामा आवे छे अने आवती जनरल कमीटीनी सभा थाय त्यार सुधी २० जनरल सेक्रेटरीओ तरीके शेठ वेलजीभाई लखमशी तथा शेठ मोतीलालजी मुथाने नीमवामा अवि छे

प्रस्ताव १६ मो.

शेठ मेघजीभाई थोभणनी ट्रस्टी तरीकेनी खाली पडेली जग्याए शेठ वीरचदभाई मेघजीभाईनी नीमणुक करवामा आवे छे

प्रस्ताव नं. १७ मो

कमीटीनु कामकाज सुंदर रीते पार पाडवा माटे प्रमुख महाशयनो तथा कोन्फरन्सनी सेवा वजाववा माटे ओफिस वेरर्स शेठ वेलजीभाई तथा शेठ मोतीलालजीनो आभार मानवामा आवे छे

त्यार पछी कमीटीनु कामकाज सपूर्ण थयेलु जाहेर करवामा आव्यु हतु
ता ८-७-२९

सही दा **गोकलचद नाहर, प्रमुख.**

ज

जनरल कमीटी.

ता २०-२१डीसेंबर १९३०

प्रथम दिवस

श्री श्वे स्था जैन कोन्फरन्सनी जनरल कमीटीनी बेठक शनीवार ता २०-१२-३० ना दिने बपोरना बे वागे (स्टा टा) कादावाडी स्थानकमा मळी हती, जे प्रसगे नीचेना सभासदो उपस्थित थया हता

(१) श्रीयुत् अमृतलाल रायचंद झवेरी (मुंबई)
(२) ,, सूरजमल खीमचंद शाह ,,
(३) दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरी (जयपुर)
(४) ,, मुनीलाल चतुरभाई (धनेज)
(५) ,, मोतीरामजी हस्तीमलजी (पूना)
(६) ,, रूपचंदजी फोजमलजी (अहमदनगर)
(७) ,, चीमनलाल पोपटलाल शाह (मुंबई)
(८) ,, चमनलाल कुशालदास ,,
(९) ,, अमृतलाल मगनजी उमाभाई ,,
(१) ,, दामोदरदास कल्याणचंद ,,
(११) मोतीलालजी मुथा (सतारा)
(१२) ,, वेलजी लखमशी नप्पु (मुंबई)

वधारामां ए. ब. सेक्रेटरीए कमीटीनी आमंत्रणपत्रिका वांची संभळावी हती प्रमुख तरीके चीमनचंदजी भाइर (दील्ही) आवी न शकवाथी प्रमुखस्थान माटे श्रीयुत् अमृतलाल रायचंद झवेरीनी दरखास्त रजू थई हती जे पसार थतां तेओश्री प्रमुखस्थाने बिराज्या हता त्यारबाद नीचे प्रमाणे कामकाज करवामां आव्युं हतुं

All India Shwetamber Sthanakvasi Jain Con ference general committee earnestly appeal His Excellency to exercise privilege of m_rcy and to commute the death sentence of the four Sholapur prisoners as wide spread belief prevails that there was miscarriage of Justice on account of the trial being conducted under the terror of Martial Law and defence was handicapped also one senior exp- erienced High Court Judge differing Such an act of His Exellency will be not only graceful but will considerably allay public feeling

ठराव नं. ९.

सवत १९८६ ना आसो ०)) वद सुधीनु हवाला पाडया वादनु छेवटनु सरवैयु रजु थता ते मजुर करवामा आवे छे।

ठराव नं. १०

सवत १९८७ ना वर्ष माटे नीचेनुं बजेट मजुर करवामां आवे छे।

२०००) ओफीस खर्च.
३०००) जैन प्रकाश खर्च
१५००) स्वधर्मी सहायक फड
३०००) पूना बोर्डींग (ता १-६-३१ थी ३१-५-३२ सुधी)
१५००) ट्रेनींग कोलेज (ता १-३-३१ थी २९-२-३२ सुधी पाच विद्यार्थीओ नवा लेवा माटे, एवी शर्ते के तेमनी भविष्यनी नोकरी मेळवी आपवानी जवाबदारी कोन्फरन्स उपर रहेशे नहि, आ रकम ट्रे कोलेज पगार फडमाथी खर्चवी)

१२००) कोलेजना पास थयेला विद्यार्थीओमाथी विशेष धार्मिक अभ्यास अने अनुभव मेळववा माटे ५ विद्यार्थीओने रु २०) लेखे दर मासे पगार आपवा आ रकम धार्मिक केळवणी फडमाथी खर्चवी।
१२०० उपदेश खर्च
४०० डेडस्टोक खर्च
१००० श्राविकाश्रम
५०० एक सवत्सरी
३००० अर्धमागधी कोष
१०० हिंदी विभाग धार्मिक परीक्षा माटे रतलाम-हितेच्छु श्रावक मडळने शेठ वर्धभाणजी पीत्तलीया हस्तक चालु साल माटे

त्यारबाद शेठ दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरीए कोलेजनो तेना प्रारंभथी ते सवत १९८६ ना आसो वद ०)) सुधीनो रिपोर्ट अने ता. १९-८-२६ थी ता २१-१०-३० (दीवाळी १९८६) सुधीना हिसाबनु सरवैयु वाची सभळाव्यु हतु, जे उपरथी ठराव करवामां आव्यो हतो के —

१ लाला गोकलचंदजी नाहर (दिल्ही)
२ लाला इद्रचदजी साहेब ,,
३ श्रीयुत वर्धभाणजी पीत्तलीया (रतलाम)
४ ,, धुलचदजी भडारी ,,
५ ,, दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरी (जयपुर)
६ ,, केशरीमलजी चोरडीया ,,
७ लाला टेकचदजी साहेब (झडीयालागुरु)
८ श्रीयुत् मोतीलालजी मुथा (सतारा)
९ ,, श्रीचदजी अवाणी (व्यावर)
१० ,, वहादुरमलजी वाठीया (भीनासर)
११ ,, कशिनदासजी मुथा (अहमदनघर)
१२ ,, लालचदजी शिरेमलजी मुथा (गुलेडगढ)
१३ ,, हसराजभाई लक्ष्मीचद (अमरेली)

त्यारवाद जूदी जूदी कमीटीना कार्यवाहको व्हारगामथी पधारनार सभ्यो रे ज. सेक्रेटरीओ वगेरेनो उपकार मानवामा आव्यो हतो वाद प्रमुख महाशयनो आभार मानी सभा वरखास्त करवामा आवी हती

हिसाव ओडीट करावी लेवाना गत जनरल कमीटीना ठराव वावत रे ज सेक्रेटरीए जणाव्यु हतु के स १९८३ ना वाउचरो तपासी ते उपर सेक्रेटरीए पोतानी सही करी हती परन्तु आ हिसाव जूना वर्षनो होवाथी कोन्फरन्से नीमेला ऑडीटर्स मेसर्स नगीनदास एन्ड माणेकलाले तपासवानी ते कारणसर ना पाडी हती आ उपरथी ठराववामा आव्यु के—

प्रस्ताव नं १

सवत १९८३ना कारतक सुद १ थी सवत १९८६ना आसो वद ०)) सुधीनो हिसाव शेठ वर्धभाणजी साहेव पीतलीया पासे ओडीट करावी लेवानी गोठवण करवानु नकी करवामा आवे छे अने अनिवार्य कारणने लई जो तेओ तेम न करी शके तो शेठ अमृतलाल रायचद झवेरी जेमने नीमे तेमनी पासे ते हिसाव ओडीट करावी लेवो

स १९८५ ना कार्तिक सुद १ थी स १९८६ना आसो वद ०)) सुधीना वे वर्षनो हिसाव सेक्रटरीए वाची सभळाव्यो हतो ते उपर चर्चा चाल्या वाद ठराववामां आव्यु के—

वावत जणाववामां आव्यु हतु के कमीटीना ठराव पछी कोन्फरन्सने अने शेठ वर्धभाणजी प्रेस न वेचवानी मतलवनो तार तथा पत्र लाला ज्वालाप्रसादजी साहेव तरफथी मळवा पाम्यो हतो आ ओफिसे ने सवधमां जनरल सेक्रेटरीओने परिस्थिते जणावी तेओनी सलाहथी आ वावत जनरल कमीटी उपर रजू करवा राखी हती आ सवधी चर्चा थया वाद एवु ठराववामां आवे छे

प्रस्ताव नं० ६.

प्रेसनो मशीन, टाईप वगेरे सामान जुनो थई गयेलो होवाथी अने ते मुवईमां लाववा तथा नीभाववामां घणु खर्च करवु पडे तेम होवाथी तेमज इदोरमां तेने चळाववु मुष्केल जणायाथी प्रेस वेची नाखवानो ठराव करवामा आवे छे अने ते वेचवानी सत्ता शेठ वर्धभाणजी साहेव पीतलीयाने आपवामां आवेल छे ते कायम राखवामा आवे छे प्रेसना वेचाणमाथी उत्पन्न थती रकम 'श्री सुखदेव सहाय जैन प्रींटींग प्रेसने नामे कॉन्फरन्सना चोपडामा जमा करावानु नक्की करवामां आवे छे अने कॉन्फरन्स तरफथी नवु प्रेस करवामा आवे त्यारे तेनु नाम 'श्री सुखदेव सहाय जैन प्रींटींग प्रेस' कायम रहे एम ठराववामां आवे छे त्यारवाद सभानु कामकाज वीजा दिवस उपर मुल्तवी रह्यु हतु

वीजा दिवसनी वेठक

कमीटीनी वीजा दिवसनी वेठक रवीवार ता २१-१२-३० ना वपोरे १॥ वागे (स्टा टा) मुवई कांदावाडी स्थानकमां मळी हती जे वखते नीचेना गृहस्थोए हाजरी आपी हती.

(१)	श्रीयुत्	अमृतलाल रायचद झवेरी	मुवई
(२)	,,	वृजलाल खीमचद शाह	,,
(३)	,,	वीरचद मेघजीभाई	,,
(४)	,,	अमृतलाल मदनजी जुठाभाई	,,
(५)	,,	दामोदरदास करमचद	,,
(६)	,,	दुर्लभजी त्रीभुवन झवेरी	जयपुर
(७)	,,	लालचदजी शिरेमलजी	(गुलेदगढ)
(८)	,,	रुपचदजी छोगनमलजी	अहमदनगर
(९)	,,	धोंडीरामजी दलीचदजी	पुना
(१०)	,,	मोतीलालजी मुथा	सतारा
(११)	,,	वेलजी लखमशी नपु	मुवई

९ " शेठ हसराजजी दीपचंदजी साहव मद्रास
१० " शेठ दुर्लभजो त्रिभुवनदास झवेरी जैपुर
११ " झवेरी भेरूलालजी साहव
(शेठ छोटेलालजी भीमसेनवाले) देहली
१२ " श्रीमती सौभाग्यवती केसर कुवर अमृतलाल झवेरी मुवई.
१३ " " आगदकुवरवाई ते श्रीमान् वेवेभाणजी पीतलियाना
धर्मपत्नी रतलाम
१४ " " प्रताव कुवरवाई ते श्रीनथमलजी पीतलियाना धर्मपत्नी.
रतलाम
१५ ,, लाला अचलसिहजी साहव आगरा
१६ ,, शेठ चुन्निलालजी नागजी वोरा राजकोट.
१७ , शेठ आणदराजजी साहव सुराणा जोधपुर
१८ ,, लाला छोटेलालजी साहव देहली
१९ ,, कुंदनलालजी साहव
,, मानसिंग मोतीरामजीवाले देहली

उपरोक्त सदस्यों के सिवाय वहुत से शहरों के स्वधर्मीवधु और अमृतसर, झडीआला गुरु सिआलकोट आदि स्थानों के पजावी भाइयों की अच्छी सख्या में उपस्थिति थी। जिनकी अनुमति से निम्न लिखित प्रस्ताव स्वीकृत किये गये। कमिटी का कार्य प्रारभ करने से पहिले लाला गोकुळचन्दजी साहव देहलीवालों ने अध्यक्षस्थान सुशोभित किया था। तत्पश्चात् ओफिस मेनेजर श्रीयुत् डाह्याभाई ने वहारगांवसे आये हुवे पत्र एव तार पढ कर सुनाये वाद गत ता १०-१०-३१ की सलाहकमिटीकी तरफसे पेश हुई सिफारिशको सुधारके साथ निम्न लिखित साधुसम्मेलन आदि के विषयमें स्वीकृत किया।

प्रस्ताव १

श्रीमुनि सम्मेलन संवन्धी सलाह के लिए जनरल कमेटी के मेम्वरो के सिवाय सम्प्रदायों के अन्य सज्जनों को भी आमत्रण दिये गये थे। उस परसे पधारे हुए सर्व साज्जनोंकी सलाह कमिटीने कल ता १०-१०-३१ को मिलकर विचार कर अपने अभिप्राय लिखित दिये वह इस कमिटी में सुनाये गये।

२४ ,, ,, छोटेलालजी पोखरणा इन्दौर.

२५ ,, प कृष्णचन्द्रजी अधिष्ठाता जैन गुरुकुल पचकूला.

२६ ,, लाला गुजरमलजी प्यारेलालजी लुधियाना

२७ ,, ,, त्रिभुवननाथजी कपुरथला

२८ ,, ,, मस्तरामजी एम ए वकील अमृतसर

२९ ,, ,, मुलतानसिंहजी वडौत (मेरठ)

३० ,, ,, नथुशाह वल्दरुपेशाह सियालकोठ

३१ ,, ,, लछीरामजी साहव साड जोधपूर

इस कमेटि के सेक्रेटरी श्रीयुत् दुर्लभजी त्रीभुवनदासजी झवेरी नियुक्त किये जाते है। इनके पास कार्य करने के लिये आवश्यकता होने पर ऑफिस तरफ से एक क्लार्क भेजा जावे। पत्र व्यवहार सफर खर्च आदि के लिये रु ५०० की मजूरी दी जाती है।

२ सदरहु कमिटेमेंसे कोई स्वीकृत न करें तो उनके स्थान पर अन्य योग्य सज्जन को नियुक्त करने और आवश्यकतानुसार सदस्य बढाने का अधिकार इस कमिटी को दिया जाता है। किन्तु सेक्रेटरी कायदानुसार सदस्यों से सम्मती ले लेवे। (याने पत्रसे सम्मति मगा ले)

३ इस कमिटीका कोरम ७ का कायम करनेमें आता है।

४ सम्भेलन सबधी निम्नोक्त नियम कायम किये जाते है।

(क) सम्मेलनका समय नियत हो उन दिनो जिन श्रावकोंकी सलाहकी आवश्यकता होगी उन्हे खास निमत्रण उक्त कमिटीकी तरफसे भेज दिया जायगा। उनके सिवाय कोई दर्शनार्थ वा सलाह देनेके लिये पधारनेका कष्ट न करें। कारण सम्मेलनके कार्यमें बाधाएँ उपस्थित होती है।

(ख) दर्शनार्थ पधारनेवालों के लिये प्रथम सम्मेलनका कार्य समाप्त हो जाने के बादका समय प्रकाशद्वारा प्रगट कर दिया जायगा। उस समय जिनको इच्छा हो दर्शनोंका लाभ ले सकें।

(ग) जहा सम्मेलन हो वहा दर्शनार्थ पधारनेवाले श्रावकों के लिये केवल उतारेका प्रबध वहाके सघक जिम्मे रहेगा।

(घ) सम्मेलनका समय स १९८९ माघ या फागण माहमें नियुक्त किया जाय और सम्मेलनका स्थल वा समय इसी वर्षके फागण माहतक प्रगट कर दिया जाय। ताकि सम्मेलन होनेसे प्रथम प्रत्येक सप्रदाय अपनी २ सप्रदायका या प्रान्तका

मेवाड, मारवाड आदिमेंसे एक पजाव, यु. पी. आदिमेंसे एक, दक्षिण, खानदेश, वराड आदिमेंसे एक। इस तरह कुल प्रतिनिधि चार सम्मिलित हो सकेंगे किन्तु प्रतिनिधियोंके वावतकी मजुरी उन्हे लेखी भेजनी होगी।

(५) कोई आवश्यकीय विषयमें परिवर्तन करनेका अधिकार उक्त कमिटीको रहेगा।

सर्वानुमतिसे स्वीकृत।

प्रस्ताव. २

सलाह कमिटीके प्रस्ताव दुसरे पर चर्चा चलने वाद-ठहरानेमें आया कि कोन्फरन्सके वर्तमान नियमोंमें परिवर्तन करनेकी यह सूचना कोन्फरन्सके आगामी अधिवेशनमें पेश की जाय।

प्रस्ताव ३.

कोन्फरन्सका अधिवेशन करनेकी आवश्यकता यह कमिटि स्वीकार करती है। इस विषयने जैन गुरुकुल व्यावर तरफसें प्राप्त आमंत्रणकी कदर करती है। और ठहराती है कि एक महिने तक व्यावर श्री सघ कोन्फरन्स अधिवेशन के लिये निमत्रण दे तो व्यावरका निर्मंत्रण मजूर करना किन्तु इस समयके अदर कीसी भी सघका आमत्रण न मीले तो आगामी इस्टरके तहेवारोंके करिबकी तारीखोंमे कोन्फरन्स के खर्चेसे देहलीमें कोन्फरन्सका अधिवेशन करना और ऐसा करनेमें देहली श्री सघका सहकार प्राप्त करना।

प्रस्ताव ४.

स १९८३ से ८६ तकका ओडिट किया हुवा हिसाव मजूर करनेमें आता है।

प्रस्ताव ६

स १९८७ के कार्तिक शुदी १ से भाद्रपद सुदी १५ तकका हिसाव पेश होने पर ठहराया जाता है कि अभी वर्ष समाप्त न होनेसे इस वर्षका हिसाव आगामी जनरल कमिटिमें पेश किया जाय।

प्रस्ताव ६.

स १९८८ के वर्षके लिये निम्नलिखित वजेट मजूर किया जाता है, ओफिस खर्चेमें रु २०००) जैन प्रकाशके लिये रु ४००) स्वधर्मी सहायक

फंड रु. ५०) उपदेशक फंडमें रु. ११) महाविद्यालय रु. १०) साधु-सम्मेलन और डीरेक्टरी बाबत रु. (०) अर्धमागधि कोश रु. १ ०) हिन्दी धार्मिक परिक्षा बोर्डमें रु. २५ । विशेष अभ्यासके लिये स्कोलरशीपमें रु. १ ८) कुल बेलेन्सके लिये (ता ११-५-३१ तक गत जनरल कमिटिकी बैठकमें मंजूर की हुई रु. १) की मध्य हिसाब एम खर्च रु. ११) की अधिक मंजुरी दी जाती है। यह इस शर्तसे कि ता ३१-५-३१ तकका वार्षिक हिसाब एवं जैन बोर्डिंग कमिटिकी मंजूरीसे ऑफिसको मिले। उसके बाद यह वार्षिक रकम ऑफिस देवें।

[illegible] भाटक, सिद्धी।

दुसरा दिनकी बैठक

जनरल कमिटीकी दूसरी बैठक ता. ११-१०-३१ को मध्यान्हके १ बजे श्रीमान् बाबू गोकुलचंदजी साहब नाहरके चौबारेमें एकत्रित हुई थी। जिसमें निम्नोक्त सदस्य उपस्थित थे।

(१) श्रीमान् सेठ अमृतलाल रायचन्द झवेरी मुंबई.
(२) „ वरधभाणजी साहब पितलिया रतलाम
(३) „ दुर्लभजी त्रिभुवनदास झवेरी जैपुर.
(४) „ ताराचंदजी मेलडा मद्रास
(५) „ हीराचंद [illegible]
(६) „ „ अमरसिंहजी [illegible]
(७) „ „ चुनीलाल नागजी वोरा राजकोट.
(८) बाबू कुन्दनलालजी देहली
(९) „ [illegible] साहब सुराणा जोधपुर ([illegible])
(१०) „ बाबू [illegible] साहब देहली.
(११) „ भैरुमलजी झवेरी.

सभापति महोदय श्रीमान् बाबू गोकुलचंदजी साहब नाहर की तबीयत अस्वस्थ होने से श्री. चुनीलालजी नागजी वोरा की दरखास्त और श्रीयुत अमरसिंहजी साहब तथा श्रीयुत् वरधभाणजी साहब पीतलिया के अनुमोदन से श्रीमान् अमृतलाल रायचंद झवेरी को सभापतित्व दिया गया। बाद कार्यारंभ हुआ।

प्रस्ताव ७

प्रारंभ में कॉलेज कमिटीने मजुर की हुई आजतककी ट्रेनींग कॉलेजकी रिपोर्ट मन्त्री श्रीयुत् दुर्लभजी झवेरीने वाचकर सुनाया। जिसके सम्बन्धमें निम्नोक्त ठराव किया गया कि —

(क) ट्रेनींग कॉलेजका रिपोर्ट मजुर करनेमें आता है।

(ख) श्री प्रेमजी लोढा इंदौर में भंडारी हाईस्कूल में न हो तो उनको कोई अन्य संस्था में लगाना।

(ग) श्री खुशालदास को पाली भाषाका विशेष अभ्यासके लिये सीलोनके बदले शांति निकेतन में भेजनेकी तजवीज करना।

(घ) श्री चिमनसिंहजी लोढाका अभ्यास संतोषजन्य न हो तो उनकी स्कॉलरशिप बंद करना।

(च) स्कोलरशीप लेनेवाले विद्यार्थी विशेष अभ्यास करनेके सीवाय किसी अन्य प्रवृत्तिमें पड सकेंगे नहीं। और जो अभ्यास में से खास समय बचा सके तो कॉन्फरन्स ऑफिसकी रजा लेकर अभ्यासको बाधक न हो वैसी प्रवृत्ति कर सकेंगे।

(छ) विद्यार्थिओंकी स्कोलरशीप श्रीमान् दुर्लभजी झवेरीके मारफत भेजनेका प्रबंध ऑफिस करे। इसी तरह उन विद्यार्थिओं पर देखरेख रखनेकी जवाबदारी भी इन्ही पर रहेगी।

(ज) श्री खुशालदास श्री शान्तिलाल और दलसुख ए तीन विद्यार्थिओंका स्कोलरशीप मासिक रु ३०) की दी जाती है। सो उनके अभ्यास बाद तीन वर्षतक नियमानुसार सेवा देनेकी जवाबदारी विद्यार्थीओंकी रहेगी।

(झ) ट्रेनिंग कोलेजके पुस्तकालयकी पुस्तकें हाल जहां है वहां कोन्फरन्स ओफिस तरफस आगामी अधिवेशन तक रखना। और कालेजके हिसाबकी वहीयेंबुके आदि ओफिसको भेज दि जाय।

(ट) कालेजके पितलके रसोडके बरतन जैन गुरुकुल ब्यावर या जैन वीराश्रम ब्यावरमेंसे जिनको चाहिये ।≈ रतलके भावसे दे दिये जाय और कॉलेजका जैपुरका सामान बेचा डालना।

प्रस्ताव ८.

रेसिडेन्ट जनरल सेक्रेटरीओके पदपर श्रीमान् शेठ वेलजीभाई लखमशी नपु मुंबई तथा श्रीमान् शेठ मोतीलालजी साहब मुथा सतारावालोंका

फिरसे नियुक्ति की जाती है। मेनेजिंग कमेटीका कमाव करनेका आगामी अधिवेशन पर स्थगित किया जाता है।

प्रस्ताव ९

कोन्फरन्सके आगामि अधिवेशनको सफल बनाने प्रचारकार्य करने उपदेशकोंके द्वारा संगठन करने आदि कार्योंकी प्रेरणा करनेके लिये निम्न लिखित सज्जनोंकी एक समिति नियुक्त की जाति है।

१ श्रीमान् बाबू गोकुलचंदजी नाहर बेहली अध्यक्ष
२ बाबू अचलसिंहजी आगरा मंत्री.
३ बाबू हरजसरायजी जैन अमृतसर
४ ,, बाबू ... पेशावर इन्दौर
५ ,, धीरजलालभाई के तुरखीया नवानगर
६ ,, बाबूराव हरगोविंद शाह वीरमगाम
७ ,, मगनमलजी कोचेटा मद्रास

इस समितीकी ओफिस मंत्रीके पास आगरामें रहेगी। किन्तु ओफिस तरफसे एक मासमें एक बार रिपोर्ट भेजना चाहिए। ७ मासके लिये इस समिती नियत की जाती है।

प्रस्ताव १०

श्री जैनधर्म और समाजकी रक्षा व उन्नतिके लिये एक ब्रह्मचारी वर्गकी स्थापना करने बाबत पं श्री कृष्णचंद्रजी (अधिष्ठाता जैन गुरुकुल पंचकूला) ने जो सूचना पेश की उसको यह कमिटि आवश्यकीय मानती है। और प्रस्ताव करता है कि इस संबंधमें जो स्कीम पंडितजीने तैयार की है उसको जैन प्रकाशमें प्रगट कर दी जाय और सबके अभिप्राय मांगे जाय। उन आये हुवे अभिप्रायों पर विचार करके ब्रह्मचारी वर्गके नियमोंकी स्कीम तयार करके जनरल कमेटि या कोन्फरन्समें पेश करनेके लिये निम्ने लिखे गृहस्थोंकी एक कमिटी नियुक्त की जाति है।

१	श्रीयुत दुर्लभजी त्रिभुवनदास झवेरी	जयपुर
२	हंसराजभाई लक्ष्मीचंद	अमरेली
३	शेठ वर्धभानजी सांखला पितलीया	रतलाम
४	पं कृष्णचंद्रजी अधिष्ठाता	पंचकूला
	... धाड	जोधपुर.

६ भीमागमलजी महेता जावरा.

७ जेठमलजी साहब शेठीया वीकानेर.

इस कमेटिका कार्य्य चलाने के लिये सेक्रेटरी श्रीयुत् दुर्लभजी भाई को नियुक्त कीया जाता है।

प्रस्ताव ११.

गत जनरल कमिटीने परवी संवत्सरी की एक्यतामें संगठित होनेकी विज्ञप्ति करनेके लिये श्रीमान् आचार्यवर श्री सोहनलालजी महाराजकी सेवा में पंजाव जानेके लिये एक डेप्युटेशन की नियुक्ति की थी। जिसके जो सदस्योंने श्रीमान्की सेवामें उपस्थित होकर समाजकी जो सेवा वजाई है उसके लिये उन सदस्य महानुभावों का यह कमिटी हार्दिक उपकार प्रदर्शित करती है।

प्रस्ताव १२.

श्रीमान् शेठ वरधभाणजी साहवने प्रेस और अर्धमार्गधिकोष का हिसाव निपटाने के कार्य मे जो सेवा वजाई है उस लिये यह कमिटी आपका उपकार मानती है।

प्रस्ताव १३.

पोरवंदरसे श्री मनमोहनदास कपुरचंद गोसलीया मारफत आगे आई हुई रु ५००) की रकमका व्याज धार्मिक इनामी निवंधे लिखवानेमें खर्चना ।

इसके वाद नागपुर और अन्य स्थलों से आये हुये पत्र और सूचनायें पढी गयी थी।

प्रमुख साहेवोंका और वहारगामसे आये हुये सज्जनों का आभार मानकर सभा वरखास्त की गई थी।

दा. अमृतलाल रायचंद झवेरी

दूसरा प्रस्ताव जिसे जनरल कमेटी ने आगामी अधिवेशन में विचारने के लिये रख छोडा है वह निम्नलिखित है।

प्रस्ताव २-यह सभा कान्फरेन्स की जनरल कमेटी से सिफारिस करती है कि कान्फरेन्स का सगठन काग्रेस के विधान के अनुसार हो, अर्थात् क्रम से स्थानीय प्रांतिक और केन्द्रीय सम्मतियां हों और उनका चुनाव इसी क्रम से हों। साधारण वार्षिक चन्दा अधिक से अधिक चार आना हो।

प्रस्तावक—**श्रीयुत मूलचदंजी पारख**

अनुमोदक—**श्रीयुत छोटेलालजी पोखरना इंदोर**

,, ,, **छोटेलालजी देहला**

इसके वाद प्रमुख साहेव और उपस्थित सज्जनों का आभार मान कर सभा विसर्जन हुई थी।

ट

जनरल कमीटी बम्बई.

ता. २४, २५ डीसेम्बर १९३२ शनि, रवी.

ता. २४ डीसेम्बर ३२ नी बेठक.

श्री श्वे स्था जैन कोन्फरन्सनी जनरल कमिटीनी प्रथम बेठक शनिवार ता २४-१२-३२ ना दिने बपोरना ३ व.गे (स्था टा) कांदावाडी स्थानकमा मळी हती जे प्रसगे नीचेना सभासदो उपस्थित हता

१. श्रीमान कुन्दनमलजी फीरोदीया—अहमदनगर

२ ,, बरदभाणजी पीतलीया—रतलाम

३ ,, आणदराजजी सुराणा—दिल्ही

४ ,, दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी—जयपुर

---

* चालु अहेवाल १९८८ ना वद ०)) सुधीनो छे अने उपरोक्त जनरल कमीटीनी बेठक तो त्यारवाद थयेल छे परतु स १९८८ नी सालनुं सरवैयु आ कमीटीना ठराव मुजव तैयार थयेलु होई आ जनरल कमीटीनी वेठकना ठराव आज अहेवालमा रजु करेल छे

प्रस्ताव २.

सवत १९८७ नी सालनो आडिट थयेलो हिसाव मंजुर करवामा आवे छे

प्रस्ताव ३.

प्रातिक सेक्रेटरीओने हवे जुना हिसावोनो फेंसलो करी नाखवा रजीस्टरथी पत्र लखवा अने तेमना सतोषकारक जवाव आवे ते प्रमाणे जमा उधार करवा

वीजा दिवसनी वेठक.

वीजा दिवसनी वेठक एज स्थळे वपोरना १ वागे थइ हती जे वखते गईकाल करता निम्न लिखित सभ्यो वधु उपस्थित हता

१ श्रीमान शोभागमलजी महेता—जावरा
२ ,, रीखवदासजी नलवाया—छोटीसादडी
३ ,, अमोलखचदजी लोढा—वगडी

वधाराना वोट मल्या

श्रीमान मोहनलालजी नाहर उदेपुरनो वोट
श्रीमान शोभागमलजी महेता

प्रस्ताव ४

सवत १९८८ ना हिसावना काचा आकडा रजु थता आ कोमटि नीचे मुजव हवाला नाखवानु ठरावे छे, अने त्यारवाद ओडीट करावी ते हिसाव आगाभी वेठकमा रजु करवो एम ठरावे छे –

(क) श्री जैन वोर्डींग हाउस फड रु ५६११–११–६.
,, स्कोलरशीप फड रु ६५६–८–६
,, धार्मीक केलवणी फड ३३५४–९–०
,, स्त्री केलवणी फड रु १०३९–१४–३.
,, व्यवहारीक केलवणी फड रु २१११–४–९
,, निराश्रीत फड रु १४२३–४–०
,, प्रातिक सेक्रेटरी खर्च फड रु ३२८७ १५–०
,, मित्र मडळ विगेरे खोलवा फड रु १०३६–०–०
,, उपदेशक खर्च फड रु ८५६–४–६

(५) ,, वीरसंघ फड रु २१०९)≡||| ८०००)
(६) ,, जीवदया फड रु ८५०|≡| ३०००)
(७) ,, स्वधर्मीसहायक फड रु २७०||= १५००)

नोटः—आज सुधी खर्चमा घटती रकम श्री लाभ शुभ वटाव खाते मडाई हती, ते खातु सरभर करवा माटे आ फडोमांथी मजरे लेवाई छे

प्रस्ताव ५

रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरीओ तरीके चालु वर्ष माटे शेठ मोतीलालजी मुथा (सतारा) तथा शेठ वेलजीभाई लखमशी नप्पु (मुबई) नीमवामां आवे छे

प्रस्ताव ६

ज्या सुधी नवा धाराधोरण अधिवेशनमां पास न थाय अने ते प्रमाणेनो अमल थई, बीजी कमीटीओ न नीमाय त्यां सुधी रे ज सेक्रेटरीओने सलाह आपवा माटे नीचेनी सब-कमिटि नीमवामां आवे छे.

१. श्रीमान् लाला गोकलचंदजी नाहर दिल्ली
२. ,, लक्ष्मणदासजी मुलतानमलनी, जलगाव
३ ,, वर्धभाणजी पितलीआ रतलाम
४ ,, लाला ज्वालाप्रसादजी हैद्रावाद
५. ,, मोतीलालजी कोटेचा मलकापुर
६ ,, भैरोंदानजी शेठीआ, वीकानेर
७ ,, वृजलाल खमिचंद शाह विकानेर
८ ,, अमृतलाल रायचंद झवेरी मुवई
९ ,, कुदनमलजी फीरोदीआ अहमदनगर
१० ,, दुर्लभजी त्रिभोवन झवेरी जयपुर.
११ ,, नथमलजी चोरडीआ नीमच
१२ ,, शोभागमलजी महेता जावरा
१३ ,, आणंदराजजी सुराणा दिल्ही
१४ ,, रीखवदासजी नलवाया छोटी सादडी

अत्रे पांच वागतां, मोजना ७॥ वाग्यानो समय थवाथी कामकाज बध कर्यु।

प्रस्ताव १०

श्री साधु सम्मेलन समितीए करेल ठराव न ७, ८, ११ रजु थतां मजुर करवामा आवे छे

प्रस्ताव ११.

कोन्फरन्स अधिवेशन भरवानी श्री साधु समेलन सामितिनी भलामण मुजब कोन्फरन्सने खर्चे अधिवेशन अजमेर या आसपासमा चैत्र सुदी १० पछी अने वैशाख सुदी ३ सुदीमा भरवानु ठराववामा आवे छे स्थल तथा समय नक्की करवा तथा अधिवेशन सबधी कार्यनी सघळी व्यवस्था करवा माटे नीचेनी एक अधिवेशन प्रबधकारीणी कमीटी नीमवामां आवे छे.

प्रस्ताव १२.

१ श्रीमान् गोकळचदजी नाहर दिल्ही
२ ,, अचलसिंहजी जैन आग्रा
३. ,, अमृतलाल रायचद झवेरी मुबई
४ ,, वर्धमाणजी पीतलीआ रतलाम
५ ,, नथमलजी चोरडीआ नीमच
६ ,, वेलजी लखमसी नप्पु मुबई
७ ,, चुनीलाल नागजी वोरा राजकोट
८ ,, मोतीलालजी मुथा सतारा
९ ,, लाला टेकचदजी जैन जडीआला.
१० ,, रतनचदजी जैन अमृतसर.
११ ,, त्रीभोवननाथजी जैन कपुरथला
१२ ,, आणदराजजी सुराणा दिल्ही
१३ ,, केसरीमलजी चोरडीआ जयपुर
१४ ,, अमोलखचदजी लोढा वगडी
१५, ,, पन्नालालजी वव भुसावल
१६ ,, नवरतनमलजी रीयावाला अजमेर.
१७ ,, कल्याणमलजी वेद अजमेर

प्रस्ताव १३

प्रचारनु कार्य हाल जे दिल्ही मारफत थतु हतु ते हवे बंध करी, कोन्फरन्स प्रचवकारीणी समिति मारफत करवु अने दिल्हीनु दफ्तर आ समितिनी मंत्रीओ मोकली आपवानु ठरावामां आवे छे

प्रस्ताव १४.

संवत १९८९ ना वर्ष माटे नीचे मुजब बजेट मंजूर करवामां आवे छे

रु १०००) ओफीस खर्च (कारतकथी चैत्र)

,, १२००) जैनप्रकाश खर्च ,,

,, १५००) श्री साधुसमेलन समिति

,, १२५) ,, ओधवेशन प्रचारसंघ समिति दिल्हीने आज सुधीना खर्चना आपवा माटे

,, २०००) पुना बोर्डिंग फंडमाथी (कारतकथी आगो मास)

,, १५३०) ट्रेनींग कोलेज फंडमाथी (अभ्यास करतां ३ विद्यार्थिओनी स्कोलर शीप रु १०८० श्री दुर्लभजी त्रीभोवन झवेरी मारफत) (कोपनी तैयारी माटे विद्यार्थिना पगारना रु २००) तथा धार्मिक परीक्षा बोर्डनो २५०)

,, १०००) श्राविकाश्रम फंडमाथी आगल नीमेली कमिटी मारफत

,, ५००) जीवदया फण्डमाथी

,, ५००) जैन ट्रेनींग कोलेज पगार फण्डमाथी

,, ८००) स्वधर्मी सहायक फंडमाथी आगल नीमेली) कमिटी मारफत

प्रस्ताव १५

श्री ट्रेनींग कोलेजना वासण पूना बोर्डिंगमां मोकली आपवा.

परिशिष्ट—२.

श्री जैन ट्रेनींग कॉलेजनो अहेवाल.

सं. १९८२ ना श्रावण शुद ११ थी सं १९८६ नी दीवाळी सुधीनो अहेवाल.

जैन ट्रे. कोलेजनी स्थापना करवानो रतलाम कोन्फरंसमा निश्चय थयो, अने आठ वर्ष लगभग रतलाममा जैन. ट्रे. कोलेजनु काम, उत्साही शास्त्रज्ञ श्रीमान् शेठ अमरचंदजी वरद-भाणजी पितल्याजीना अनुभवी हाथ नीचे सुंदर रीते चाल्यु लगभग बे टर्म त्रण त्रण वर्षना अने बे टर्म पाच पाच वर्षना अभ्यास क्रमथी समाजना जोईता कार्यकर्ताओ तैयार थया अने जुदी जुदी दिशामा कार्य करवा लाग्या.

उंचामा उंचु जैन धर्मनु ज्ञान अने ते साथे संस्कृत प्राकृत आदि प्राचीन भाषाओ, लखवा वाचवा बोलवानी छुटवाळु इंग्लीश, अने पोताना अने बीजा लेखको तथा शास्त्रकारोना भावो पोतानी वाणी अने लेखिनीमा उतारी शके एवु वक्तृत्व अने लेखन कळा शीखववानो कोलेजनो कार्यक्रम हतो अने यथाशक्य कार्य पण थयु धीरे धीरे कोन्फरन्सनी प्रवृत्तिओ धीरी गतिमा वहेवाथी अने ए वखते लोकोने सरकारी डीग्रीओनो मोह अधिकतर होवाथी कोलेज प्रवृत्ति बध थई हती.

फरीथी कोन्फरन्सनी सचेतता थवाथी अने बार वर्ष पछी वराड देशना 'मलकापुर' मा श्रीमान् मेघजीभाई थोमणभाई जे पी. ना प्रमुखपणा नीचे कोन्फरन्सनु छठु अधिवेशन थयु त्यारेज श्री. श्वे स्था. जैन ट्रे. कोलेजने फरीथी शरु करवानो ठराव थयो.

श्रीयुत् वाडीलाल मोतीलाल शाह पण पधार्या हता अने जाणीता सखरी थी सुरजमल लल्लुभाई झवेरी अने श्री० वेलजीभाई लखमसीभाई नपु, B A L. L. B जेवा अनुभवी अने प्रतिष्ठित बंधुओ कोन्फरसमां बोलाया अने जनरल मंत्री तरीके नीमाया तथोए कोन्फरसनी सेवामां बहु उपयोगी फाळो आप्यो छे

श्रीयुत् वा. मो शाहना कोलेज प्रत्येना प्रेम अने अनुभवी सलाहथी कोलेजनी आखी स्कीम नवेसरथी विचाराई अने पर्याप्त

'कोन्फरन्स ओफीस' मुंबई आव्या बाद जनरल कमीटीए रतलामने बदले बीकानेर के पूनाने कोलेज माटे बहु उपयोगी स्थळ तरीके स्वीकार्यो, अने बन्ने स्थळ मागेमी, कोलेजनी जनरल कमीटीओ पण नक्की करी आपी

बीकानेरमां दानवीर शेठ अगरचंदजी भैरोंदानजी शेठीआनी पारमार्थिक संस्थाओ, धुरंधर पंडितो, अने श्रीमान् भैरोंदानजी शेठमलजी साहेबनी जाती देखरेख नीचे कोलेज राखवानी प्रबळ ईच्छा थई वळी बीकानेर जैन जगतनी अळकापुरी (धनकुबेरोवाळी) नगरी होवाथी अने थोडाज वखत पहेलां यशोनामी, स्वर्गस्थ-श्रीमान् जैनाचार्य पूज्यश्री श्रीलालजी महाराजश्रीना स्मारक तरीके एकज सभामां रु ११ लाख जेटली मोटी रकम एकत्र थई हती, आ रकम अथवा एवीज बीजी रकमथी, जैन-ट्रे कोलेजने कायम चलावा सेलनी प्रसंग आवे, एवी धारणाए जैन-ट्रे कोलेज माटे बीकानेरने प्रथम स्थान आपवुं धारी एक डेप्युटेशन बीकानेर शेठीआओने विनंति करवा गयुं

उदारचित्त शेठीआओए स्वीकार कर्यो, अने कोलेजमी, बीकानेर मुकामे स्थापना करवानुं जाहेर थयुं । बीकानेरना आगेवान

ग्रहस्थोनी स्था. प्रबंधक कमीटी निमाई । मेट्रिक सुधीनी योग्यतावाळा उमेदवारोनी अरजीओ मंगाई । ११ अरजीओ आवी । कोलेज बीकानेरमा जुलाइमा खोलवानु नक्की थयु पण अरजदार उमेदवारो गमे ते कारणथी हाजर थया नहि । एथी मेट्रीकना विद्यार्थीओ मळवा संभव न जणायाथी कोन्फरन्स ऑफिसे मिडल—फीडथ—स्टान्डर्ड) उपरनी योग्यताना संस्कृत सेंकड लेंगवेजवाळा उमेदवारोने दाखल करवानो विचार कर्यो, अने तेवा उमेदवारोनी अरजीओ मंगाई रतलाम, जैन ट्रे कोलेजमा तैयार थयेल भाई, धीरजलाल केशवलाल तुरखीयाने तेमनुं मुंबईनु काम छोडावीने जैन-ट्रे कोलेजना सुप्रिन्टेन्डन्ट अने व्यवस्थापक तरीके नीम्या. तेमने बीकानेर मोकल्या. कोलेजनी उद्घाटन क्रियानु मुहूर्त ता १९-८-२६ नुं नक्को ठरावीने, अरजदार उमेदवारोने बीकानेर पहोंचवा लख्यु कोलेज माटे जरूरी सामग्री तैयार करीने वधु विद्यार्थीओने आकर्षवा स्था जैन वस्तीवाळा मुख्य मुख्य शहेरोमा भाई धीरजलाल के. तुरखीयाए प्रावस कर्यो मारवाड, माळवा, अने काठीयावाड गुजरातनो प्रवास कर्यो अने स्कुलेमा त्याना हेड मास्तरोना सहकारथी, जैन विद्यार्थीओने कोलेजनो संदेश संभळाव्यो

प्रवेशेच्छुको बीकानेर आवता गया उदघाटन क्रिया बीकानेर स्टेट काउन्सीलना 'वाईस चेरमेन' श्री भैरोसिंहजी बहादुरना मुबारक हाथे करवामा आवी बीकानेर श्री संघ अने जाहेर प्रजानी सारी एवी सभा भराई

कोलेज भवन—(श्री. जेठमलजी शेठीयानी नवी हवेली) पचरंगी ध्वजाओथी शणगारवामा आव्यु हतु. अने खास आमंत्रणथी कोन्फरंस ओफीस मेनेजर श्री. झवेरचंद जादवजी कामदार तथा जयपुरथी जाणीता समाज सेवक श्रीमान् शेठ दुलभजी त्री झवेरी पधार्या हता

१२ प्रवेशेच्छुकोनी प्रवेश परीक्षाओ पण श्री कुंदनमलजीमहोदय, श्री सुमेरचंदजी, श्री चीरनंदलाल के सुरसीया, अने श्री सूर्यकरणजी M A नी कमीटीए लीधेली श्री सूर्यकरणजी एम ए ने अंग्रेजी प्रोफेसर तरीके नीमवामां आव्या श्रीमान् शेठीया जीना पंडितो श्री रमानाथजी व्याकरणाचार्य (बे खंड) अने श्री धीरमहजी व्याकरण तीर्थ, संस्कृत प्राकृतना पंडितो तरीके पधारता मर्गो-पदेशीका अने धार्मिकनो विषय भीरजनलाल के सुरसीया छे एवी सगवडतापी काम शरु थयुं

विद्यार्थीओ वधता गया लगभग २१ विद्यार्थीओ थइ गया पण तेमां केटलाकने अयोग्य होवाने कारणे न लीधा अने केटलाक बीकानेरनी गरम हवाथी के दिल न लागवाथी पाछा गया शेष ११ रह्या

कोलेज शरु थयाने लगभग मास मास थयां हशे त्यां (महामास उतरतां) बीकानेरमां प्लेगनो उपद्रव शरु थयो शहेरवासी जुदे जुदे स्थले विखरावा लाग्या कोलेजना विद्यार्थीओने अने श्री शेठीया 'सं प्रा विद्यालय'ना विद्यार्थीओने जयपुर श्री कुंदनमलजीभाई श्रीभुवनभाई शेठीनी देखरेख नीचे मोकल्या त्यां शहेरथी बहार "श्री नथमलजी सा" ना कम्पाउंडमां सौ रोकाया अने अभ्यास क्रम जेमनो तेम चालतो रह्यो

प्रथम वार्षिक परीक्षा पण जयपुरमांज लेवाई परीक्षको बहारना हता तेमना प्रश्न पत्रोना नमुना अने परीक्षा फल जैन प्रकाशमां प्रगट थई चुक्यां छे

जैन ट्रेनींग कोलेजना विद्यार्थीओए अने शेठीया विद्यालयना विद्यार्थीओए, एम आठ विद्यार्थीओए स्काउटनी तालीम लई, टेन्डर फुटनी परीक्षा आपी अने सेकंडक्लासनो फोर्म पण भर्यो

जयपुरमाज कोलेजनी जनरल कमीटी थई, ए वखते नवो टर्म खोलवानो अने बीजा उपयोगी ठरावो थया.

जयपुरमाज महावीर जयतिनो म्होटो मेळावडो, बधा फीरकाना जैनोनो एकत्र रीते कोलेजना उतारावाळा स्थळे विशाळ चादनीमा थयो हतो सवादो, भाषणो-गायनो, अने नाट्य प्रयोगोना रसमय प्रोग्रामथी, सभाने भारे आनंद आव्यो हतो, एनी एवी तो सुदर असर थई के, जयपुरमा लग्न प्रसगे भक्तणीओ-(वेश्या नृत्य) बोलाववानी जे प्रथा चालती तेमा घणाओए वेश्यानृत्य बंध करी कोलजीयनोना सवाद प्रयोगो-साभळवानी सार्थकता बतावी.

जे विद्यार्थीओने घेर जवु हतुं तेओ, परीक्षा बाद गया अने कमीटी पर पधारेला श्री भेरोंदानजी सा. शेठीया, भाई धीरजलाल के. तुरखीयाने जुदी जुदी सस्थाओनो अनुभव लेवा माटे कलकता लई गया त्या साथे कळकत्ता बोलपुर-बनारस, वगेरे घणी विविध ढगनी शिक्षण सस्थाओनो अनुभव लीधो.

जयपुरनी वार्षिक परीक्षा सुधीनो बधो अहेवाल जैन प्रकाशनो खास अंक काढीने, प्रगट करेल छे.

वेकेशन बाद कोलेज बीकानेरमा शरु थई हती अने नवा टर्ममा विद्यार्थीओ पण आव्या अने बीजो (जुनीयर) क्लास पण ११ विद्यार्थीओथी शरु थयो। आ सालमाज विजयादशमी १९८३ मा कोन्फरन्सनु 'अष्टम' अधिवेशन थयु अने समाज सेवक, प्रसिद्ध लेखक जैन तत्वज्ञ श्री वा. मो. शाह प्रमुख बन्या. आ वखते, लगभग १ मास सुधी कोलेजना विद्यार्थीओए अने स्टाफ वर्गे दरेक प्रकारनी व्यवस्था अने सेवा माटे तनतोड जहेमत उठावी हती, एटलुंज नही पण साथे साथे अवकाश

१२ प्रवेशेच्छुकोनी प्रवेश परीक्षाओ पण श्री दुलेमचीमाइ, श्री हमेरचंदभाई, श्री धीरजलाल के तुरखीया, अने श्री सुर्यकरणजी M A नी कमीटीए लीघेली श्री सूर्यकरणजी एम ए ने अंग्रेजी प्रोफेसर तरीके नीममामां आव्या श्रीमान् शेठीया जीना पंडितो श्री रमानाथजी व्याकरणाचार्य (बे संघ) अने श्री धीरमद्रजी व्याकरण तीर्थ, संस्कृत प्राकृतना पंडितो तरीके पधारता मार्गो- पदेशीका अने धार्मिकनो विषय धीरजलाल के तुरखीया छे एवी सगवडतायी काम शरु थयु

विद्यार्थीओ बधता गया लगभग २१ विद्यार्थीओ थइ गया पण तेमां केटलाकने अयोग्य होवाने कारणे न लीधा अने केटलाक बीकानेरनी गरम हवाथी के बीजा न समागमथी पाछा गया शेष ११ रह्या

कोलेज शरु थयाने लगभग सात मास थया हशे त्यां (महामास उतरतां) बीकानेरमां प्लेगनो उपद्रव शरु थयो शहेरवासी जुदे जुदे स्थळे विसरावा लागया कोलेजना विद्यार्थीओने अने श्री शेठीया 'सं प्रा विद्यालय'ना विद्यार्थीओने जयपुर श्री दुलेमचीमाई श्रीसुखमभाई होंपीनी दसरेस नीचे मोकल्या त्यां शहेरथी बहार "श्री मघमलजी सा" ना कम्पाउन्डमां सौ रोकाया अने अभ्यास क्रम तेमनो तेम चालतो रह्यो

प्रथम वार्षिक परीक्षा पण जयपुरमांज लेवाई परीक्षको बहारगा हता तेमना प्रश्न पत्रोना नमुना अने परिक्षा फळ जैन प्रकाशमां प्रगट थई चुक्यां छे

जैन ट्रेनींग कोलेजना विद्यार्थीओए अने शेठीया विद्यालयना विद्यार्थीओए, एम आर विद्यार्थीओए स्काउटनी तालीम लई, टेन्डर फुटनी परीक्षा आपी, अने सेकन्डक्लासनो कोर्स पण कर्यो

जयपुरमाज कोलेजनी जनरल कमीटी थई, ए वखते नवो टर्म खोलवानो अने बीजा उपयोगी ठरावो थया.

जयपुरमाज महावीर जयतिनो म्होटो मेलावडो, बधा फीरकाना जैनोनो एकत्र रीते कोलेजना उताराबाळा स्थळे विशाळ चादनीमा थयो हतो. सवादो, भाषणो-गायनो, अने नाट्य प्रयोगोना रसमय प्रोग्रामथी, सभाने भारे आनद आव्यो हतो, एनी एवी तो सुंदर असर थई के, जयपुरमा लग्न प्रसगे भक्तणीओ—(वेश्या नृत्य) बोलाववानी जे प्रथा चालती तेमा घणाओए वेश्यानृत्य बंध करी कोलजीयनोना सवाद प्रयोगो-साभळवानी सार्थकता बतावी.

जे विद्यार्थीओने घेर जवु हतुं तेओ, परीक्षा वाद गया अने कमीटी पर पधारेला श्री भेरोदानजी सा. शेठीया, भाई धीरजलाल के. तुरखीयाने जुदी जुदी सस्थाओनो अनुभव लेवा माटे कलकता लई गया त्या साथे कलकत्ता वोलपुर-बनारस, वगेरे घणी विविध ढंगनी शिक्षण सस्थाओनो अनुभव लीधो.

जयपुरनी वार्षिक परीक्षा सुधीनो वधो अहेवाल जैन प्रकाशनो खास अंक काढीने, प्रगट करेल छे.

वेकेशन वाद कोलेज बीकानेरमा शरु थई हती अने नवा टर्ममा विद्यार्थीओ पण आव्या अने बीजो (जुनीयर) क्लास पण ११ विद्यार्थीओथी शरु थयो। आ सालमाज विजयादशमी १९८३ मा कोन्फरन्सनु 'अष्टम' अधिवेशन थयु अने समाज सेवक, प्रसिद्ध लेखक जैन तत्वज्ञ श्री वा. मो. शाह प्रमुख बन्या. आ वखते, लगभग १ मास सुधी कोलेजना विद्यार्थीओए अने स्टाफ वर्गे दरेक प्रकारनी व्यवस्था अने सेवा माटे तनतोड जहेमत उठावी हती, एटलुंज नही पण साथे साथे अवकाश

मेळवीने ' समाज गौरव ' नामनो एक समाज सुधारक अने बोध प्रद ड्रामा तैयार कर्यो हतो। जे खास ' स्टेज ' उपर भजवी बतावावामां आव्यो हतो। अने जनताए एटली प्रसन्नता पूर्वक वधावी लीधो हतो के जो रीतसर टीकीटोथी ड्रामा बताव्यो होत तो रु २००० थी वधुनो हाउस थात।

आ वखते उदार सज्जनोए विद्यार्थीओने आपेल भेटोमांथी लगभग रु १०० थी वधु रकम तो वसुल थयी हती।

' श्री सेठीयाजी विद्यालय ' — आ विद्यार्थीओ कलकत्ता युनीवरसीटीनी संस्कृतनी न्यायनी परीक्षा आपता तेथी कोलेजना विद्यार्थीओने पण तेवी परीक्षाओ आपवानुं दील थयुं अने भाई माधवलालजी मुरलीआए सन १९२८ मां बे जैन न्याय तीर्थनी परीक्षा आपी अने तेमां उत्तीर्ण थया बाकी विद्यार्थीओनो न्याय प्रथमानी परीक्षा आपवा विचार हतो। पण कोर्स विद्यार्थीओ स्टाफनी सत्ता, कोन्फरन्स ओफीसनी होवाथी ओफीसने पूछ्या वीना प्रथम परीक्षा अपावमी ठीक न लागी श्री शेठीआजी ओफीसने पूछावे अने उत्तर आव्या पछी फोर्म, फीस, मोकलाय एटलो समय रह्यो नहोतो आ के कलकत्तानी बे जैन न्यायतीर्थ सुधीनी परीक्षाओ अपाय ए दृष्टिए न्यायनो कोर्स लगभग रखायो हतो

आ बीजा वर्षनी परीक्षा थया पहेलांज कोन्फरन्सने लखी जणाव्युं के कौलेजने हवे अन्यत्र मोकलो तो सारं कोलेजीअमीने वधु विस्तृत केळवणीना वातावरणमां अने ठीनोष्ण प्राकृतिक प्रदेशमां राखवानी जरूर जणाईने कोन्फरन्स ओफीसे ध्यान परसे विचार कर्यो

त्यारबाद जनरल कमिटीना ठेराव अभिप्राय पुछवा जयपुर मान्य बहुमती थई अने कोलेजीअन्सने वेकेशन पुर्ण थए जयपुर जवा सूचन थयुं

जैपुरमा कोलेजने राखवा माटे सर्व साधनो एकत्र करवानी तैयारीओ थई कोलेजना शरूआतना सुप्री. धीरजलाल के तुरखीया, जे बगडीमा शरू थएल नवी संस्थाओ संभाळता हता अने गुरुकुळ स्थापवानी चर्चा चालती हती, त्याथी तेमनी सेवा, जयपुर कोलेजनी शरूआतना ३ मास माटे उछीनी लीधी.

श्री धीरजलाल जयपुर आव्या अने त्याथी कोलेजनो सामान लेवा बीकानेर गया. बीकानेरथी वधी फेरवणी जयपुर थई. जयपुर ' चोडा रस्ता ' पर एकान्त अने अलाएद्धु मकान कोलेज भवन माटे पसंद करवामा आव्युं जयपुरनी ' महाराजा कोलेज ' मा B A थएल अने M A नो अभ्यास करता उदेपुर नीवासी स्वधर्मी युवक भाई बीहारीलालजी बोरदीआने इंग्लीश प्रोफेसर तरीके अने श्री शेठीयाजीना हेड पडित तरीके शरुआतना पांच वर्ष सुधी रहेल, श्री–पं. रमानाथजी व्याकरणाचार्य (वे. खंड) ने सस्कृत–प्राकृत अने न्यायना पडीत तरीके निम्या जयपुरना आगेवान गृहस्थोनी एक स्थानिक प्रबधक कमिटी नीमी अने कमीटीना सहकारथी काम शरु थयु

कमीटीः—

झवेरी मुनीलालजी प्रमुख
झवेरी केशरीमलजी चीरडोआ.
झवेरी मुलचंदजी
झवेरी गुलाबचंदजी बोथरा
झवेरी दुर्लभजी त्रीभोवन, मत्री.
झवेरी वनेचदजी दुर्लभजी, उपमंत्री

कोलेजीयनोने व्यायामनो अने प्राकृतिक स्थानों अवलोकवानो पण शोख हतो तेने माटे जयपुरमा पुरता साधनो हता अने तेनो

जयपुर स्था जैन बोर्डींग

बिकानेर कोन्फरन्सना ठराव मुजब जयपुरमां 'महाराजा कोलेज'ना विद्यार्थीओ माटे बोर्डींगनी सगवड करवामां आवी आना मंत्री पण श्री सवेतीन होवाथी, जैन ट्रेनिंग कोलेज सम्मेल राखी हती अने सौए परस्परनो प्रेम सहकार साध्यो

स्काउटींग माटे सेवाभावी कोलेजीयनोनो घणो प्रेम हतो अने तेथी रोवर्स-स्काउटनी ग्रुप "श्री महावीर जैन दळ" ओ नामे स्वतंत्र रीते उभी करी अने तेमां स्टाफ अने विद्यार्थिओ बधा जोडाया

कोलेजीयनोने व्यवहार जीवनमां उपयोगी थई पडे माटे 'बुक कीपींग' अने कोमर्सनुं शिक्षण लेवानी कोलेजीयनोनी जिज्ञासा पुरी पाडवा माटे मंत्रीश्रीए योजना १ कलाक माटे एक B Com. अध्यापकने राख्या अने आ रीते 'कोमर्स बुककीपींग'नो अभ्यास शरु थयो साथे साथे वक्तृत्व शक्ति खीलववा माटे दर अठवाडीआने अन्ते दरेक वक्तृत्व वर्ग शरु थयो रोज एक वक्तार बोलवानुं हतुं अने डीबेट विषय-प्रतिपादनना मुद्दाओ दरेक पासे नोन्धमां लखी राखवाना हता आम रीते दरेकने रोज एक विषय माटेनो पुरतो मसालो मळी रहेतो हतो

जैन ज्योति

आ अरसामां कोलेजीयनो एक हस्त लिखित मासिक पत्र 'जैन ज्योति' नामनुं शरु कर्युं तेमां हिंदी गुजराती लेखो धार्मिक अने सामाजिक तथा सुंदर भावाथी भरपुर छे के, प्रश्नो अने सामान्य प्रश्न तेमना कोन्फरन्सना उतारा लीधा छे

मीठी मिजबानी.

सेवा भावी कोलेजीयनो अने समाजमा पकाएल अतिथि प्रेमी श्री झवेरीजीनु आतिथ्य पण अनोखुज होय, तेथीज भावनगर स्टेटना रेल्वे इंजीयर श्री हेमचंदभाई रामजी, मीस क्रौझ (मीस सुभद्रा, शीवपुरीनी जर्मन श्रावीका) श्री. नथमलजी चोरडीया, "**सौराष्टना सिंह**" श्री. अमृतलाल दलपतभाई शेठ वगेरे कोलेजना अतिथि तरीके पधार्या अने संपूर्ण संतोषथी उत्कर्ष इच्छी पाछा फर्या हता.

'न्यायप्रथमानी परीक्षा'

परीक्षा आपवा माटे शीवपुरी सेन्टरथी पं मुनीश्री. विद्यानिजयजीना प्रेम पूर्ण आग्रह भर्या आमत्रणथी, अने फीरका भेदथी जुदा जुदा पडेला जैनोना अत करणो संवाद एवो आदर्श अने भावना कोलेजीयनोमा विस्तरे एवा हेतुथी 'प्रथमा' नी परीक्षा आपवा माटे बंने वर्गना १५ कोलेजीयनोने प. रमानाथजी साथे शीवपुरी मोकल्या त्या शीवपुरीनी सस्थाए सारु स्वागत कर्यु. मुनिश्री विद्याविजयजीए पण पोतानो उदार 'प्रेम ठाल्व्यो.

पाछा फरता रस्ते आवता म्होटा शहेरो अने दार्शनिक स्थळोए उतरी, जोवा जाणवा जेवु जोयुं, जाण्यु, अनुभव्युं

आ परीक्षामा वधा विद्यार्थीओ उत्तीर्ण थया

कोलेजीयनोए कोमर्स बुक कीपीगनो अभ्यास शरु करेलो हतो, तेथी '**लंडन चेम्बर ओफ कोमर्स**' नी परीक्षा आपवानो विचार थयो 'लडन चेम्बर ओफ कोमर्स' नु नजदीकनु सेंटर व्यावर हतु वळी व्यावरमा जैन गुरुकुळ अने श्री. वीरजलाल होवाथी व्यावरमाज थोडो वखत राखी परीक्षानी तैयार करवा साथे, कोलेजनो कोर्स चालु राखवानु उचीत समजायुं.

व्यापरमां B Com ने रस्त्या अने श्री प जयदिव्यसीन्जी B. A L T ए ऑनररी तरीके इंग्लीश ट्युशन आप्युं

'श्री शांति जैन विद्यालय' ना सेंटरमां 'लंडन चेम्बर ऑफ कोमर्स' नी ८ विद्यार्थीओए परीक्षा आपी तेमां नीचेना ४ विद्यार्थीओ पुनीयर बुक कीपिंगनी परीक्षामां उत्तीर्ण थया, तेओना प्रमाण पत्रो लंडनथी आवी गया छे

१ मि हर्षचंद कपुरचंद दोशी

२ मि खुशालदास ज करगथला

३ मि गिरधरलाल मे शाह

४ मि दलसुख बालाभाई मालवनीया

पं बहेचरदासजी न्याय व्याकरण तीर्थ, पं बहेचरदासजी जेवा समर्थ विद्वान अने गुजरात विद्यापीठ जेवा विशाळ क्षेत्रमां काम करनार स्पष्ट वक्तानो समागम अने शिक्षणनो लाभ कोन्फरन्सना मळे ए जरूरी अने लाभदायी समजीने श्री दुर्लभजीभाई झवेरीए तेओने आमंत्र्या अनेक विध प्रवृत्तिओमांथी तेओ छुटी शके तेम कयांथी बने ! छतां पण श्री झवेरीजीना प्रेमे तेमने पोताना विद्यापीठना वेकेशन वखते अन्यत्र विश्रांति माटे न जतां, कोन्फरन्सनो सर्व पदी ज्ञान मेवो उठाववामां मोज समजीने आम व्याख्यान पधार्या अने कोन्फरन्सनोने विविध विषयोनुं शिक्षण अने विशाळ अनुभव आप्यो

शतावधानी पं मुनिश्री रत्नचन्द्रजी महाराजश्री पासे सूत्राभ्यास

वेकेशननो समय पं बहेचरदासजी साथे वितावायो हेवे बेर जवाना बहु थोडी रजा मळी विविध ज्ञाननी वानगीओ अने रसास्वाद चखाडवा उमळका मंत्रीजीमां आवता अने तेथी तेमणे

शतावधानी पं. रत्न मुनिश्री रत्नचंद्रजी महाराजश्रीनी सेवामा कोलेजी यनोने राखी सूत्राभ्यास कराववा विनति करी.

कोलेजीयन्नोने धेरथी तेडाव्या. बधा मोरबी मुकामे एकत्र थया अने समुद्र पार करी कच्छना नाना प्रदेशमा पहोंची अजारमा शतावधानीजीनी सेवामा रह्या सूत्रोनो अभ्यास शरु कर्यो. अने बाकीनो अभ्यास कोर्स मुजब चालु रखावबा पं. वीरभद्रजी व्याकरणतीर्थ अने श्री. अमृतलालभाई गोपाणी B. A. (ओनर्स) हताज.

अजारमा विशा श्रीमाळीनी वाडीमा कोलेजने उतारो मळ्यो हतो. त्या अजार श्री संघे, अने रेल्वेना अधिकारीओए कोलेजीयनोने दरेक प्रकारनी सगवड करी आपी हती

नागपचमीने दिवसे भूजनी पण मुसाफरी करी आव्या हता श्री दुर्लभजीभाई मत्री पण जाते बे मास साथे रह्या हता.

कोलेजनो खास अंक.

जैन प्रकाश मारफत कोलेजनो खास अक पर्युषण उपर नीकळ्यो हतो तेना कोलेजीयनोनाज लेखो पद्यो अने कोलेजनी प्रवृत्तिओ प्रगट थई हती कोलेजीयनोमा लेखनकळा केटली विकसी छे तेनो पुरावो ए अक आपे छे

काठीयावाडना प्रवासो.

श्री दुर्लभजीभाईने कौटुंबिक कारणे मोरबी तथा जयपुर जवु पडयु चोमासु पूर्ण थवा आव्यु एटले कोलेजीयनोने कच्छथी पाछा फरवानु हतु जेथी वळता काठीयावाडनो प्रवास अल्प खर्चे थाय तेम हतु अने आ कच्छ प्रवास माटे रु ५००) श्रीमान वीरचंदभाई मेघजीभाई थोभणे अने रु. ५००) श्रीमान फतेचद गोपाळजी थानवाळाए आपेल रकममा बचत पण हती. तेथी

तीने काठीयावाडनो प्रवास कराववा वास्ते ब्यावर जैन गुरुकुळथी भाई धीरजलालजीनी सेवा मांगीने तेमने कच्छ मोकल्या अने बधाने लई तेमणे कच्छनो किनारो छोड्यो काठीयावाडमां जामनगर राजकोट, जुनागढ, पालीताणा, भावनगर, शामनगर, आदि स्थळोनो प्रवास करी अमदावाद आव्या त्यांना प्राचीन दर्शनिक स्थळो, जोईने ब्यावर रवाना थया

'न्याय मध्यमा अने 'सीनीयर'नी त्रैवार्षिक परीक्षा'

ये जैन न्याय मध्यमानुं सेन्टर ब्यावर हतुं अने तेथी वखतो वखत मुसाफरी खर्च न करवुं पडे, तेथी कोलेजीयनोने ब्यावर लई जवानुं थयुं सीनीयर क्लासनी त्रिवार्षिक परीक्षा पण लेवानी हती ते पण ब्यावरमां लेवानुं नक्की कर्युं

आ वखते कंइक वधु वखत रहेवानुं होवाथी शहेर बहार दानवीर शेठ रा बा कुंदनमलजी लालचंदजी ऑनररी मेजीस्ट्रेटनी बगीचीमां स्वतंत्र व्यवस्थाथी कोलेज रही

अत्रे धीरजलाल जुदा जुदा धुरंधर विद्वानो पासेथी प्रश्न पत्रो मंगाव्या अने सीनीयर क्लासनी त्रैवार्षिक अने जुनीयर क्लासनी बीजा वर्षनी परीक्षा लेवाई, तेना परीक्षकोनी शुभ नामावळी, अने परीक्षाफळ जैन प्रकाशमां प्रगट थयेल छे

न्याय मध्यमानी परीक्षा १४ विद्यार्थीओए अने व्याकरण प्रथमानी परीक्षा ५ विद्यार्थीओए ब्यावर सेन्टरमां आपी, जेमां बधा उत्तीर्ण थया छे

"सीनीयर विद्यार्थीओ सवापर"

हवे सीनीयर कोलेजीयनो उत्तीर्ण थया ते जैन विशारदनी पदवी पामवाना अधीकारी थया अने शरत मुजब कोन्फरन्स ऑफीस

तेमने पोतानी सेवामा रोकी शके तेम हतुं. परंतु भारतनुं लक्ष्य राष्ट्रिय प्रवृत्ति तरफ होवाथी, कॉन्फरन्सनी सामाजिक अने धार्मिक प्रवृत्तिओ जोरमा न होवाथी कॉन्फरन्स ऑफिसे आ सीनीयर विशारदोनी सेवा अन्य जाहेर जैन सस्थाओने आपवानी उदारता बतावीने **जैन प्रकाशमां** जाहेर कर्युं के कॉलेसना जैन विशारदोनी सेवा, कॉन्फरन्सनी शरत मुजब जे जे जैन संस्थाने जोइए ते कॉन्फरन्स पासे मागणी करे. आ जाहेरातथी कॉलेजना विशारदोनी उपरा उपरी माग-णीओ आववा लागी अने जुदा जुदा स्थळे सातेयने गोठवी दीधा.

कॉलेज फरीथी जयपुर.

सिनीयर विसारदो कॉलेजथी जुदा थया पछी जुनीयर कॉलेजीन्यनो आठ रह्या तेओने लइ फरीथी कॉलेज जयपुरमा रही अहि व्यायामना प्रो. गुरुकुलीय भीम, पं. रमेशचंद्रजी M A. विद्यावारीधीने जैन ट्रेनिंग कॉलेजना सुप्री. तथा इंग्लीश टीचर तरीके रोकवामा आव्या हता अने तेमनी द्वारा कॉलेजीयनोने अनेक विध व्यायाम, इंग्लीश अने हिंदी लेखन वक्तृत्वनी तालीम आपी

कोलेज जैन गुरुकुळ साथे ब्यावरमां.

प्रो. रमेशचंद्र अन्यत्र जवाना होई, कॉलेजथी छूटा थया. हवे कॉलेजीयनोने त्रैवार्षिक परीक्षानी तैयारी करवानी हती. अने त्यारबाद न्यायतीर्थनी परीक्षा आपवानी हती तेमज श्री. झवेरीजीए जैन गुरुकुळ ब्यावरनु मत्रीपद लेवानी विनंति अने आग्रह थइ रह्यो हतो. आवा सयोगोमा जयपुरनी स्था. प्रबधक कमीटीनी सलाहथी कोलेजन गुरूकुळ ब्यारमा राखवानो ठराव थयो. अने त्रैवार्षिक परीक्षा पछी जे विद्यार्थीओ तीर्थनी परीक्षा आपे तेमने मासिक रु १५) नी स्कोलरशीप वधारामा

आव्याना ठराव थयो अने कोलेज कमीटीना सभ्योनी पण वहाली मळी हती

बीजी त्रैवार्षिक परीक्षा

भणे फीरका अने जैनेतर विद्वानो पासेथी जुदा जुदा विषयोना प्रश्न पत्रो मंगावाया, अने जैन गुरुकुळ व्यावरमांना मंत्रीजी अने अन्य निरीक्षकोना निरीक्षणमां ८ विद्यार्थीआनी त्रैवार्षिक परीक्षा थई तेना परीक्षकोनी शुभ नामावळी अने परीक्षा फळ मार्क साथे, जैन प्रकाशमां प्रगट थयेल छे

ऐक्यनुं उदाहरण

त्रैवार्षिक परीक्षा पछी घणाखरा जुनीयर अने सीनीयर कोलेजीयन न्यायतीर्थनी परीक्षानी तैयारीओ करवाना छे, आवी खबर सहकारी बंधु संस्थाओ ' शीवपुरी ' अने ' आत्मानंद जैन गुरुकुळ ' गुजरानवाला ने मळतां, श्री आत्मानंद जैन गुरुकुळ गुजरानवालाना विशारदोने पण कॉलेज साथे रहीने न्यायतीर्थना अभ्यास करवानी सगवड करी आपवानी मागणी गुरुकुळना कार्यवाहको अने स्थविर सूरी श्री वल्लभविजयजी महाराजनी श्रीयुत गुलाबचन्दजी ढढा M A मारफत आववाथी तेमना विशारदोने पण न्यायतीर्थना अभ्यासनी कॉलेजीयनना जेवीज सगवड करी आपी

जैपुरनी स्थानीय कमीटीए तेमने फ्री बॉर्डर तरीके राखवा मंजुरी आपी छे पण नोकरीनुं बंधन स्वीकार्युं नथी गुजरानवालाना ५ विशारदोए न्यायतीर्थनी तैयारी जैन-टू कोलेजना नामे करी छे।

न्याय तीर्थनी तैयारी

न्यायतीर्थनी परीक्षा माटेनी तैयारीओ अत्यार थाडी रही छे सीनीयरना विशारदोने सवामहिना रपटेथी २ मासनी रजा थई तेमना

छे तेओअे पोताने मळतो रु. ४०) नो पगार जतो करवाथी तेमने भोजन उपरात मासीक, रु. २५ स्कोलरशीप अपाय छे ए रीते पाच सीनीयर विशारदो आव्या अने त्रे जुनियर विशारदो तथा पाच गुजरानवाळाना विद्यार्थीओ मळी कुल १२ विशारदो न्याय तीर्थनी परीक्षानी तैयारी करी छे.

परीक्षा-इंदोरमां.

न्यायतीर्थनी परीक्षा महाराजा होल्कर सस्कृत महाविद्यालय इन्दोर सेन्टरमां फेब्रुवारी १९३१ मा आपवा वधा विशारदो गया अने त्यारबाद पोत पोताना सेवाक्षेत्रो सभाळ्या.

न्याय तीर्थ नी परीक्षा नीचेना सात विद्यार्थीओए आपेल अने तेओ सर्व उत्तीर्ण थया छे.

(१) भा प्रेमचना लोढा. (२) भा. दाउलाल वैद्य. (३) भा. खुशालादास ज. करगथला. (४) भा. हर्षचन्द्र कपुरचन्द दोशी. (५) भा. गिरधरलाल वे. शाह. (६) भा. दलसुख डाह्याभाई. (७) भा. शातिलाल वनमाळी शेठ.

कोन्फरन्से मुकरर करेला कोर्स मुजब अभ्यासनी व्यवस्था हती. संस्कृत, प्राकृत, धार्मिक, तत्वज्ञान, न्याय, तर्क, वक्तृत्व, लेखन आदि विषयो साथे इंग्रेजी अने बुककीपींगनु पूर्ण शिक्षण मळे, अने अमने एटलुं जाहेर करवामा वाधो नथी के स्थानकवासी समाजमां अत्यारे जेटली सस्थाओ हैयात वराने छे ते वधा करता आ सस्थाना विशारदो मोखरे रहेशे.

नियमानुसार क्रियाकाड अने व्रत नियमोनुं पालन कराव्युं छे. परतु क्रियाकाडी श्रावकनी साकडी शेरी वटावी, विचार वाणी वर्तनना विशाळ चोकमा आवी रचनात्मक श्रावक वन्या छे.

जैन धर्मनुं ज्ञान षड्द्रव्यनुं तेमने ज्ञान छे अने तेमां स्था संप्रदायनी व्यवस्था विशेष सारी छे एम तेमनी मान्यता छे परंतु एकज संप्रदायनी संस्था न होवाथी सर्व समुदायो प्रत्ये प्रेमभाव जेओना मानसमां प्रगट्यो होय तो आत्मानंदमां जरूरनुं छे

तेओनुं वक्तृत्व प्रेषक छे परंतु धार्मिक श्रद्धा दृढ छे कोई प्रश्न करे के रतलाम ट्रेनिंग कोलेजनी माफक छात्रना विशारदोमांथी संसारथी विरक्त थवा सुधीनो वैराग्य केळवने प्रगटाव्यो छे ? तो अमे कहीशुं के आ संस्थाओ साधु बनाववा माटे न हती अने केटलाक संप्रदायोनुं वर्तमान शिथिल संगठन एटलुं आकर्षण करवा पण असमर्थ हतुं छतां संसारमां रहीने पण समाजने तेओ उपयोगी थशे अने सानुकूळ संयोगो मळतां जाते समय सुधर्मना समाजमां चेतन रेडी शकशे आपणी समाजमां अजैन पंडितो पासेथी जे काम कराव्युं ए काम आ विशारदो मांहेना केटलाक क्रमे क्रमे करी शकशे

प्रत्येक प्रयोगो पूर्ण सिद्धिए पहोंची शकता नथी तेम देश काळनी असर टाळी शकाती नथी उणपोथी अमे बीन वाकेफ नथी परंतु अेटलुं थई शक्युं छे ए श्रम अने ए पैसो अमुक अंशे सार्थक थयो छे एथी अमने संतोष छे

ता० २२ ऑक्टोबर १९३० थी ३० सप्टेंबर १९३१

सुधीनो रीपोर्ट

कोलेजना ११ विशारदो हाल नीचेनी जग्याए पोतानी सेवा संतोषकारक रीते आपी रह्या छे

१ श्री मावजभाईजी न्यायतीर्थ जैन विद्यालय पडंग

२ ,, प्रेमचंदजी छोरा न्यायतीर्थ श्री भंडारी जैन हर्षगुरुकुल ईडर

३ ,, गाडलालजी वैद्य न्यायतीर्थ श्री मंडळ जैन पाठशाळा भावनगर

४ ,, हर्षचद्र न्यायतीर्थ सहायक सपादक श्री जैन प्रकाश कोन्फरन्स ओफीस.

५ ,, शातिलाल पोपटलाल श्री कोन्फरन्स ओफिस मुंबई

६ ,, नंदलालजी सरूप्रीया, सुप्री. जैन बोर्डिंग अहमदनगर.

७ ,, सज्जनसिंह चौधरी, सुप्री. जैन बोर्डिंग जलगाव

८ ,, गीरधरलाल न्यायतीर्थ, पंडित श्री रत्नचद्रजी महाराज पासे साहित्य कार्य माटे

९ ,, मणीलाल भायचद श्री कच्छी ओशवाल पाठशाला मुबई.

१० ,, लालजी मेघजी, अध्यापक श्री जैन पाठशाळा, नागपुर.

११ ,, केसरीमलजी जैन कम्पेनीयन श्री राकाजीना पुत्रो, बगडी.

विशेष अभ्यास—माटे कमिटीए मासिक रु. २० नी स्कोलरशीप मंजुर करेल तेनो लाभ नीचेना चार विद्यार्थीओ हाल लई रहेल छे.

१ श्री खुशालदास न्यायतीर्थ पोतानो पचास रु. नो पगार जतो करीने काशीमा-बौद्ध भिक्षु पासे 'पाली'नो अभ्यास करे छे.

२ श्री दलसुख न्यायतीर्थ.
३ ,, शान्तिलाल शेठ न्यायतीर्थ
} आ बन्ने उत्साही विद्यार्थीओ प्रसिद्ध पंडित श्री बेचरदासजी पासे अमदाबादमा जैन सूत्रो अने साहित्यनो अभ्यास करी रह्या छे.

४. श्री चीमनलालजी लोढा—पंडित श्री रमानाथजी पासे व्याकरमा विशेष अभ्यास करेल छे, स्कोलरशीप बारोबार कोन्फरन्स ओफीस मोकली आपे छे.

आ उपरांत कॉलेजमाथी छुटेला बीजा विद्यार्थीओ पण साहित्य, व्याकरण, आयुर्वेद विगेरेनो विशेष अभ्यास करी रह्या छे. ए सतोषनी वात छे.

ड्रामा फंड—बीकानेर कोन्फरन्स प्रसगे विद्यार्थीओए 'समाज गौरव नाट्य प्रयोग भजवेल ते बाबतना रु. ६४४। ड्रामा फड खाते

जमे हता आ रकम कोलेजमा विद्यार्थीओनी ज्ञान वृद्धि विगेरे वास्तेज वापरवानो ठराव हतो ते मुजब स्थानीय कमिटिनी ता १ मार्च १९२१ नी मंजुरी मुजब विशेष अभ्यास करता विद्यार्थीओना हीत माटे रु २४९॥०॥ खर्चवामां आव्या छे अने बाकी रु २९७॥=॥ मंत्री पासे जमा छे जे कोलेजना विद्यार्थीओनी ज्ञानवृद्धिमां वपराशे

पगार फंड अने भविष्य—कोलेज कायम राखवा माटे गत कमिटिए मासिक रु १२५) नी मंजुरी आपेल परंतु पगारनी गेरंटी न होवाना कारणे आकर्षण न थवाथी ता ५ मार्चथी कोलेजनुं कामकाज निरुपाये बंध करवुं पडेल छे कोन्फरन्स पासे पगार फंडना रु १५७८५ सलामत पड्या रह्या छे कारण कोलेजना तथा विद्यार्थीओनो पगार जुदी जुदी संस्थाओ आपती होवाथी आ फंड उपर कशो बोजो पडेल नथी कोलेज संस्था पण बंध थइ हवे आ फंडनो ज्ञानवृद्धिना काममां कइ रीते सदुपयोग थइ शके ए विचारवानो प्रश्न छे फंडने वगर वपराये राखी मुकवामां पण सार्थकता नथी आ संबंधे जैन विद्वानोना अभिप्रायो आमंत्र- वामां आव्या छे प्रथमना ठराव मुजब कोलेजमांथी नीकळतां विशारदोने प्रथम वर्षे मासिक रु ४०, बीजे वर्षे मासिक रु ५० अने त्रीजे वर्षे मासिक रु ६५, पगार मळे परंतु आ आर्थिक संकडामणना संजोगोमां ज्यारे गुजरात विद्यापीठ जेवी संस्थाना संचालकोए पण ओछे वधते अंशे सेवा स्वीकारी छे तो कोलेजना विशारदो श्रीमा वयना रु ६५ ने बदले रु ५५ स्वीकार एम केन्द्रीक संस्था इच्छे छे आ हकीकत कमि- टीना ध्यानपर लाववा मारी फरज छे

पुस्तको—आ संस्थानी लायब्रेरीमां ७२९ अने अभ्यासना ५९३ मळी कुले १३२२ पुस्तको अत्यारे ब्यावर गुरुकुळमां छे, हवे आ पुस्त- कोनुं शुं करवुं?

बीजो सामान—वपराएल रसोडाना वासणो तथा परचुरण सामान पण ब्यावर जैन गुरुकुळमां पडेल छे, तथा बेंच पाट अने

बीजो परचुरण सामान जेपुरमा मारी पासे छे जेना लीस्ट आ साथे सामेल छे. आमा बेन्च ५ ना रु. ५०) उपजी शके एम छे. आ सामाननुं शु करवु एनो निर्णय पण थवो जोइए. कोलेजनुं आज दिवस सुधीनुं सरवैयुं तथा चोपडा आ साथे हाजर छे कोलेजनी सेवा करवानी जे तक मने कोन्फरन्से आपी ते माटे हुं आभार मानी हवे निवृत थाउं छुं. अने मारी उणपो माटे क्षमा करवा अरज करी विरमु छु.

श्री जैपुर, ता. ३०-९-३१. दुर्लभ-मंत्री.

कोलेज कमीटीनी बेठक ता. ९-१०-३१ ने रोज दिल्हीमा मळी हती. मत्रीए आ रीपोर्ट रजु कर्यो हतो अने कमीटीए नीचेनी सूचनाओ साथे रीपोर्ट मजुर कर्यो हतो.

१. पुस्तको अने सामान माटे जनरल कमीटी जे ठराव करे ते मुजब करवु

(२) विद्यार्थीओना पगारनी जवाबदारीनी मुदत ज्या सुधी चालु छे, त्या सुधी ए फंडमाथी खर्चवानो विचार करवो ठीक नथी एवु कमीटीनुं मानवुं छे.

(३) विशेष अभ्यास माटे जे चार विद्यार्थीओने हाल स्कोलरशीप आपवी चालु छे, तेमाथी श्री खुशालदास, श्री दलसुख अने श्री शातीलाल ए त्रण विद्यार्थीओनो अभ्यास सतोषकारक रीते आगळ वधतो होवानो तेमना पडितोनो रीपोर्ट आववाथी अने मत्रीनी भलामणथी, तेमने स्कोलरशीप आपवी चालु राखवी पण खास जरुरीयात अने संजोगोने लईं ड्रामाफंडमाथी अपायेली वधारानी मासिक रु. १०) नी मददने बदले आगामी सालमां तेमने मासिक रु. ३०) आपवा. ड्रामा फडनी वचती रकमनो सरखो भाग ते ड्रामामा भाग लेनार विद्यार्थीओने मळे एवी योजना श्री दुर्लभजीभाईए करवी.

(४) श्री सुशाब्दासने पालीना विशेष अभ्यास माटे शीखेन जथनी पंडीतोनी मळमण होवाथी खास के इस तरीक शीखेन जवा आवतानुं मुसाफरी खर्च आपवुं

श्री दील्ही ता ९-१०-११ कमीटीनी हाजरी १ झवेरी अमृतलाल रायचंद २ शेठ मवेभाणजी ३ श्री पुनमचंदजी खीमशरा ४ झवेरी दुलमजी	अमृतलाल रायचंद झवेरी प्रेसीडेन्ट श्री जैन ट्रेनींग कॉलेज कमीटी

श्री श्वे स्था जैन विद्यालय पुनानो

नवेम्बर १९२७ थी एप्रील १९२९ सुधीनो रीपोर्ट-

आ संस्थाने नवेम्बर १९२७ थी खुल्ली मुकवामां आवी हती परंतु ते वखत अगाउथी पुरती जाहेरात नहि आवली होवाथी अने बीकानेर अधीवेशन बखत कन्मीक बाबतो अव्यवस्थीत थयेली होवाथी आ संस्थानी खरी शरूआत जुन १९२८ थी थएली छे,

नवेम्बर १९२७ थी एप्रील १९२८ सुधीमां पकन बेज विद्यार्थीआए आ संस्थानो लाभ लीधो हतो अने जुन १९२८ थी एप्रील १९२९ सुधीमां २६ विद्यार्थीए आ संस्थानो लाभ लीधो छे तेमांथी त्रण विद्यार्थीआ चालु टर्ममां आ बोर्डींग छोडी गया हता अने त्रण विद्यार्थी आखा वरिणामनी खबर मली नथी

चालु वर्षना पांच विद्यार्थीआमांथी १२ विद्यार्थीओ पास थया छे अने चालु विद्यार्थीआ नापास थया छे मी टी बी भाग, एल एल बी नी

छेल्ली परीक्षामा पास थया छे. अने मी. श्री. एम. शाह बी. ए. नी परीक्षा मा पास थया छे.

आ विद्याललमा कुल्ले मळीने रु. ४९००) कोन्फरन्स ओफीस तरफथी अमोने मळेला छे जेमाथी लगभग रु. ६५०) अमोए बचावेल छे. बाकीना रु. नु जे खर्च थयु छे. तेनी वीगत आवक जावक तथा खर्च ना हिसाबमा आपेल छे.

बोर्डीग हाऊसनी पहेला वर्षनी शरुआत होवाने लीधे बोर्डीग हाऊसनी साथे लायब्रेरीनी सगवड अत्रे करी शक्या नथी. पण फक्त नाना पाया पर रीडींग रुमनी सगवड करी शक्या छीए.

पुनानी हवा सारी होवाथी विद्यार्थीओ मादा पडी जवाना दाखला बन्या नथी अने तेओनी सामान्य तदुरस्ती घणी सारी रही छे. विद्यार्थीओ-ने रमत गमतनी सगवड चालती सालमा पुरी पाडवानो विचार छे.

धार्मीक केळवणीने माटे शिक्षकनी जाहेर खबर आपी हती. परंतु तेमाथी एके बोर्डीग सगवड पुरतो शिक्षक नहिं होवाथी नीमणुंक थइ शकी नथी. ते सिवाय धार्मिक विषयो उपर निबध लखाव्या उपरात धार्मीक-शिक्षण राखीने. कोलेजना विद्यार्थीओने धार्मीक शिक्षण आपवामा धारण प्रमाणे फळ उत्पन्न थशे नहि. एम अमारू मानवु छे.

पुना बोर्डीगनी शरुआतना काम माटे वे वखत कोन्फरन्सना जोइन्ट रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी श्रीयुत् मुथाजी पुना पधार्या हता जे वखते तेओए बोर्डीगना कामकाजनी अंदर पुरती मदद आपेली छे. पुनाना स्थानीक सेक्रेटरी मोहनलाल उमेदमलजी बलडोटाए पोतानो कीमती टाइम आपीने सारी मदद करी छे तेमज कोन्फरंस ओफीसना मेनेजर मी. डाह्यालालने पण तेज माटे पुने मोकलवामा आव्या हता तेथी विद्यालयना काममा सरळता आवी हती गया

वर्षमां जनरल कमीटी तरफथी रु ५०००-०-० नी ग्रान्ट आपवामां आवी हती जेमांथी फक्त रु ४९००-०-० शीघ्र जनरल रेसीडन्ट सेक्रेटरी तरफथी अमने मळ्या छे अने तेमांथी जमा मग रु ६५० अमोए बचावेला छे

आ संस्थाना गरीब अने लायक विद्यार्थीओने सारा प्रमाणमां स्कोलरशीप आपवानी जरूर छे

(मार्च मे सने १९२९ थी ता० १ ली मार्च एप्रील १९३० सुधीनो रीपोर्ट)

प्रथमना अहेवालमां बताव्या प्रमाणे विद्यालयमां विद्यार्थीओनी संख्या २६ नी हती गई सालमां विद्यालयनी अंदर विद्यार्थीओनी संख्या २० नी हती

विद्यार्थीओनी संख्या घटवानुं कारण ए हतुं के केटलाक विद्यार्थीओ पुनः विद्यालयमां आवीने त्यां दाखल थया हतां बीजे की सगवड मळवाथी गया हता अने गई सालमां कोई पण स्कोलरशीप आपवामां आवी नहोती जेथी करीने गरीब विद्यार्थीओ पुरी लाभ लई शक्या नथी

परिशिष्ठ " अ " मां जेवाथी मालुम पडशे के २० मांथी १२ विद्यार्थीओ पोतानी परीक्षामां पास थया हता अने बाकीना विद्यार्थीओ परिशिष्टमां बताव्या प्रमाणे नापास थया हता

आ वर्षमां गया वर्षनी बचत जे रु ७२५-६-६ हती ते उपरांत रु २००० कोन्फरन्समां रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी तरफथी मळ्या हता अने रु ९१-५-० ट्रीस्टा बेन्कनुं व्याज बंध कर्युं त्यां सुधीनां व्याजना मळ्या हता.

ता १ ली मार्च एप्रील सने १९३० ना दिवसे रु ११०१९९ अंके एक हजार एकसो त्रण मण आना नव पाई रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी तथा स्थानीक सेक्रेटरी पासे मळीने सीलके हता जेना विगतवार हिसाब परिशिष्ट " ब " मां आपवामां आव्यो छे

इजलाल खीमचंद शाह
जनरल सेक्रेटरी

(ता. १ एप्रील १९३० थी ता. १ एप्रील १९३१ सुधीनो रीपोर्ट.)

आ सालमा विद्यालयनी अदर विद्यार्थीओनी संख्या १२ नी हती. जेमा ९ विद्यार्थीओ पोतपोतानी जुदी जुदी परीक्षाओमा पसार थया हता अने बे विद्यार्थीओ परीक्षामा नापास थया हता. विद्यार्थीओनी संख्या खास घटवानुं कारण ए हतुं के केटलाक विद्यार्थीओए कोलेजमा दाखल थवानी वखतसर अरजी नहि करवाने लीधे पुनामा अभ्यास करी शक्या न हता, तथा बीजे फ्री सगवड मळवाथी गया हता. वळी गई सालमा विद्यार्थीओने विद्यालय तरफथी कोई पण जातनी स्कोलरशीप आपवामा आवी न हती जेथी करीने साधारण स्थितिना विद्यार्थीओ आ विद्यालयनो लाभ लई शक्या न हता. परिशिष्ट उपरथी जोई शकाशे के विद्यार्थीओए पोताना अभ्यास तरफ सारुं ध्यान आप्युं हतु ने परिणाम ८० टका उपर आवेलुं छे. आ वरसमा गया वरसनी बचत जे रु. ११०३—९—९ अके एक हजार एकसो ने त्रण नव आना नव पाई, जनरल सेक्रेटरी तथा स्थानिक सेक्रेटरी पासे हती ते उपरात कोन्फरन्सना रेसीडन्ट सेक्रेटरी तरफथी रु. १०००) मळ्या हता. जेमाथी आ वर्षमा रु.११७१॥ नो खर्च थयो हतो. जे परिशिष्टमा विगतवार दर्शाव्यो छे.

व्रजलाल खीमचंद शाह.
जनरल सेक्रेटरी.

(माहे एप्रील सन १९३१ थी माहे एप्रील सन १९३२ सूधीनो रीपोर्ट.)

चालु सालमा आ विद्यालयमा विद्यार्थीओनी सख्या ३४ नी हती गई सालमा विद्यार्थीनी सख्या वधीने ओछी हती. जेथी साधारण विद्यार्थीओने स्कोलरशीप आपवानुं कमीटीए उचित धार्यु हतुं. जे उपरथी

तथा गई साल्मां विद्यार्थीओए पणीज मोटी अरजी करी हती तेओ नापास थएल होवाथी रीपोर्ट दरम्यान साल्मां विद्यार्थीओए कालेजमां दाखल थवानी अरजीओ वखतसर करी हती जेथी आ विद्यालयमां दाखल थएला विद्यार्थीओनी संख्या वधीने २४ नी थई हती जेमां बे विद्यार्थीओ दाखल थया बाद विद्यालय छोडी गया हता अने सात विद्यार्थीओ जुनीअर बी ए तथा बी एजीमां होवाथी तेमने परीक्षा हतीं नहि बाकीना विद्यार्थीओमांथी १७ विद्यार्थीओ पोतपोतानी परीक्षामां पसार थयां हतां तेमांथी त्रण विद्यार्थी बीजा वर्गमां पसार थया हता ज्यारे आठ विद्यार्थीओ परीक्षामां नापास थया विद्यार्थीओना नाम, अभ्यास तथा मूळ रहेवाना गामनुं नाम तथा परीक्षाना परिणामनुं शीट परिशिष्ट 'ए' मां आपवामां आव्युं छे

आ साल्मां नीचे लखेला विद्यार्थीओने दरेक दीठ रु १००, नी स्कोलरशीप रीपोर्टना चालु वर्ष माटे आपवामां आवी छ ता १ ली मी एप्रील सने १९२१ मा हिसाबे रु ९११-१२-१ जनरल सेक्रेटरी तथा स्थानिक सेक्रेटरी पास मळीने सीलीके हता अने कोन्फरन्सना रेसीडन्ट जनरल सेक्रेटरी पासेथी रु २०००) चालु सालनी ग्रान्टना मळ्या हता तेनो विगतवार हिसाब परिशीष्ट 'ब' मां आपवामां आव्यो छे

स्कोलरशीप आपेला विद्यार्थीओना नाम

(१) देसाई छोटीमल गुलाबचंद
(२) देसाई भागचंद गुलाबचंद
(३) गोडा नवलचंद छोटालाल
(४) गांधी नेमचंद तेजमल
(५) महामुल बापु पांडुरंग

पुनमलाल खीमचंद शाह
जनरल सेक्रेटरी

—— ——

શ્રી શ્વે. સ્થા. જૈન વિદ્યાલય પુનાનો નવેમ્બર ૧૯૨૭ થી એપ્રીલ ૧૯૨૯ સુધીનો આવક જાવક તથા ખર્ચનો હિસાબ

જ	
૫૯૦૦–૦–૦	તા૦ ૩–૧૦–૧૯૨૭ ના રોજ કોન્ફરન્સના રેસીડન્ટ જનરલ સેક્રેટરીના ચેકથી આવ્યા તે જમા
૨૦૦૦–૦–૦	તા૦ ૯–૬–૨૮ ના રોજ કોન્ફરન્સના રેસીડન્ટ જનરલ સેક્રેટરીના ચેકથી આવ્યા તે જમા
૨૫૦૦–૦–૦	તા૦ ૨૩–૬–૨૮ ના રોજ કોન્ફરન્સના રેસીડન્ટ જનરલ સેક્રેટરીના ચેકથી આવ્યા તે જમા
૯૫–૦–૦	બોર્ડિંગ કોશન મની તરીકે આવ્યા તે જમા
૧-૧૧-૦	શ્રી કસર ખાતે જમા
૩૦–૦–૦	શ્રીયુત ડી બી વોરા પાસેથી ડોનેશન તરીકે આવ્યા તે જમા. તા૦ ૨૪–૩–૨૯
૧૦૫૨૬–૧૧–૦	

ઉ	
૫૫૦૦–૦–૦	તા૦ ૧૧–૧૧–૨૭ ના રોજ કોન્ફરન્સના સાત ટ્રસ્ટીઓના નામે ૭ મહિનાની બાંધી મુદતથી ઇન્ડીઆ બેંકમાં મૂકયા જેની રસીદ ટ્રસ્ટી શેઠ સુરજમલ લલ્લુભાઇને સોંપવામાં આવી
૫૨–૦–૦	મી૦ દેશાઇને ગુજરાતી બંધુ સમાજમાં બે છોકરાને નવેમ્બર ૧૯૨૭ થી એપ્રિલ ૧૯૨૯ સુધીની ટર્મમાં રાખ્યા તેના ભાડાના આપ્યા તા૦ ૧૨–૪–૧૯૨૮
૧૬–૦–૦	મી૦ ડાહ્યાભાઇને પુના જવા આવવાના ખર્ચ માટે આપ્યા તા૦ ૯ મી જુન ૧૯૨૮
૩૩૧૩ ૧૦ ૬	બોર્ડિંગના ખર્ચના હા શ્રીયુત મોહનલાલ ઉમેદમલજી બલદોટા ૨૦૫૦–૦–૦ બાર માસના ભાડાના ૨૮૫–૦–૦ ત્રાંબા પિત્તળના વાસણના

૭૫-૦-૦ વી એમ શાહને.
૭૫-૦-૦ એ ડી પોરવાડને
૭૫-૦-૦ પી ટી પારેખને
૮૦-૦-૦ કલબ ખાતે ઉધાર હા શ્રીયુત મોહનલાલજી ઉમેદમલજી બલદોટા
૧૫-૦-૦ પરચુરણ તાર ટપાલ ખર્ચના
૧૬૮-૦-૬ શ્રીયુત મોહનલાલજી ઉમેદમલજી બલદોટા તે સ્થાનિક સેક્રેટરી પાસે રોકડા
૪૦-૦-૦ મુશ્રી એમ સી મહેતા પાસે ઓડિટ઼ગના કામ માટે ખરચવા આપેલ તે
૫૧૭-૦-૦ જનરલ સેક્રેટરી પાસે રોકડા

૧૦૫૨૬-૧૧-૦

ચુ. ખી. શાહ
જનરલ સેક્રેટરી

શ્રી શ્વે. સ્થા. જૈન વિદ્યાલય, પુનાનો, મે ૧૯૩૦ થી એપ્રીલ ૧૯૩૧ સુધીનો આવક જાવક તથા ખર્ચનો હિસાબ.

જ (આવક)

રકમ	વિગત
૧૧૦૩–૮–૩	શ્રી પુરાત બાકી
૧૦૦૦–૦–૦	તા ૨૦–૯–૩૦ ના રે. જ કોન્ફરન્સની ઓફીસ તરફથી ચેક મળ્યો તેના
૨૧૦૩–૮–૩	

ઉ (ખર્ચ)

રકમ	વિગત
૯૮૦–૦–૦	બાર માસના બોર્ડિંગ હાઉસના ભાડાના પ્રથમ ટર્મના રૂ ૪૦૮–૦–૦ બીજી ટર્મના રૂ ૫૭૨–૦–૦ મળી રૂ ૫૯૮–૦–૦ આપ્યા તેના
૧૪૫–૭–૦	રસોયાના, નોકરના પગારના અને પરચુરણ
૨૩–૫–૦	વર્તમાનપત્રો અને પુસ્તકાલય ખર્ચના
૧૫–૦–૦	કીટશનલાઇટ લીધી તેના
૮–૦–૦	'કેશરી' પત્રમા બોર્ડીંગ ખુલવાની જાહેરાત છપાવી તેના
૯૩૧-૧૩ ૩	શ્રી પુરાત જણુશે સ્થાનિક સેક્રેટરી તથા જનરલ સેક્રેટરી પાસે જણુશે
૨૧૦૩–૮–૩	

३०८१- ४-९ श्रीव्यवहारिक केळवणी
३८३५- ७-३ श्री जीवदया फंड.
१२४१४- ३-० श्री श्राविकाश्रम फंड
१४३३- ४-० श्री निराश्रीत फंड.
२५९५-१०-० श्री स्वधर्मी सहायक.
९७४३-१३-६ श्री वीर संघ फंड.
७३-१२-० श्री जैन बोर्डिंग लायब्रेरी फंड
३२८७-१५-० श्री प्रांतिक सेक्रेटरी खर्च फंड.
१०३६- ०-० श्री मित्र मंडळ फंड.
८५६- ४-६ श्री उपदेशक खर्च फंड
१२६९-११-० श्री प्रांतिक सेक्रेटरीओना देवा
१४-११-० श्री सोरठ प्रांत सेक्रेटरी शाह पुरषोत्तम झवेरी
२९- ४-० श्री कर्नाटक प्रांत सेक्रेटरी.
११४-१२-० श्री उत्तर गुजरात प्रांत सेक्रेटरी
१९५- ९-६ श्री मुंबई प्रांत सेक्रेटरी
२१-१५-० श्री हालार प्रांत सेक्रेटरी
१३- २-० श्री पूर्व दक्षिण प्रांत सेक्रेटरी.

७५५-३-९ श्री प्रांतिक सेक्रेटरीओ पासे लहेणा
७०-६-० शेठ मंगलदास जेसींगभाई अमदावाद
११७-८-० शेठ चंदुलाल छगनलाल अमदावाद
२-८-० शेठ उमरमलजी संकलेचा
२११-८-० शेठ जीवणलाल छगनलाल वीरमगाम
१५७-०-० शेठ मगनमलजी कोचेटा
४९-८-० शेठ जादवजी मगनलाल वढवाण
२६१३-९ शेठ बर्धभाणजी पितलीआ रतलाम
७०-०-० केसरीमलजी मलुकचंदजी
५०-०-० शेठ जीवणलाल धनजी भावनगर
९१६९२-१० शेठ हमीरमलजी मगनमलजी
२७४-६-९ श्री मुंबई सातमुं अधिवेशन
२३५०-०-० श्री जसवंतसिंहजी प्रिन्टींग प्रेस
१००-०-० श्री अधिवेशन प्रचार संघ समिति
३०-०-० गांधी मणीलाल भायचंद
१५०००-०-० श्री फीक्ष डीपोझीट खाते
१५०००-०-० धी बेंक ओफ ईन्डीया लीमीटेड मुंबई

૭૯-૨-૦ શ્રી જ્ઞાન પ્રચારક મંડળ
૭૧૬૯ ૨ ૧૦ શ્રી અનામત ઉઘરાણી
૪૯૫૦-૩-૯ શ્રી સુખદેવ સહાય પ્રિન્ટીંગ પ્રેસ
૭૯-૯-૦ શ્રી અજમેર સુ સ પ્રિ પ્રેસ
૩૪૭૯-૫-૦ શ્રી અજમેર સુ સ પ્રિ પ્રેસ નફા ખાતુ
૧૪૯૧-૫-૯ શ્રી ઇંદોર સુ, સ પ્રિ પ્રેસ

૧,૪૧,૬૩૯-૧૪-૭

અમોએ શ્રી અખિલ ભારત વર્ષીય શ્વેતામ્બર સ્થાનકવાસી જૈન કોન્ફરન્સનો હિસાબ સવત ૧૯૮૭ ના કારતક સુદી ૧ થી સવત ૧૯૮૭ ના આસો વદી ૦)) સુધી ચોપડા તથા વાઉચરો સાથે તપાસ્યો છે, અને ઉપરનું સરવૈયું અમારા જાણવા તથા સમજવા મુજબ અને અમોને પુરા પાડવામા આવેલ ખુલાસા મુજબ સવત ૧૯૮૭ ના આસો વદી ૦)) ના રોજ કોન્ફરન્સની ખરી સ્થીતિ બતાવે છે અમોએ બેંકની રસીદ તથા મ્યુનીસીપલ અને ગવર્નમેન્ટ બોન્ડઝ તપાસ્યા છે.

છોટાલાલ એચ શાહ એન્ડ કુ
રજીસ્ટર્ડ એકાઉન્ટન્ટસ
ગવર્નમેન્ટ સર્ટીફાઇડ ઓડીટર્સ.

૧૪=૦-૦ મી ડાહ્યાલાલના પ્રવાસ ખર્ચના
૭૫૭-૭-૦ શ્રી પુરાત જણુસે

૫૦૦-૦-૦ ૫ વિદ્યાર્થીને સ્કોલરશીપ

૨૫૭-૭-૦ સ્થાનિક તથા જનરલ સેક્રેટરી પાસે જણુસે

૭૫૭=૭-૦

૩૯૩૧-૧૨-૩

૧૧૯૫૩ ૧૫૯ ,, શ્રાવિકાશ્રમ ,,
૧૪૩૩–૪–૦ ,, નિરાશ્રીત ,,
૨૮૯૦ ૧૦-૦ ,, સ્વધર્મી સહાયક ,,
૯૩૯૧-૫૦ ૬ ,, વીરસઘ ,,
૭૩ ૧૨ ૦ ,, જૈન બોર્ડિંગ લાયબ્રેરી
૩૪૮૭ ૧૪ ૬ ,, પ્રાતિક સેક્રેટરી ખર્ચ
૧૦૩૬–૦–૦ ,, મિત્ર મડળ ફડ.
૮૮૩ ૧૫-૦ ,, ઉપદેશક ખર્ચ ફડ.

૧,૨૮,૧૪૫–૩–૬

૧૨૪૪–૮–૦ શ્રી પ્રાતવાર દેવા
૯૧૬૯૨-૧૦ ,, અનામત ઉઘરાણી ફડ
૨-૧૪ ૩ ,, સુખદેવ સહાય પ્રેમ "ઇન્દોર"
૫ ૧૩-૩ ,, સરવૈયા ફરકના.

૧,૩૮,૫૬૭-૯-૧૦

૭૦૬૦–૦–૦ ધી મુબઇ મ્યુનીસીપલ બોન્ડઝ
૧૮૧૯૪-૧૪-૨ ,, ,, ટકા ૬ ના
૭૧૪૫–૦–૦ ,, ,, ,, શને ૧૯૫૯ ના

૫૩૦૧૮–૩–૯
૧૦૮૪૭-૧૩-૩ શ્રી ગવર્નમેન્ટ બોન્ઝ ખાતે
૨૦૮૪૭-૧૩-૩ ટકા ૫ ના સને ૧૯૩૫ ના
૧૪૨૩–૨–૭ ધી સેન્ટ્રલ બેન્ક ઓફ ઇડીયા લી (માડવી બ્રાંચ) ચાલુ ખાતે
૧૮૬૦૬–૭–૫ ધી લાભ શુભ વટાવ ખાતે
૧૦૧–૮–૬ શ્રી પુરાત જણસે

૧,૩૮,૫૬૭–૯–૧૦

અમોએ શ્રી અખિલ ભારત વર્ષીય શ્વે૦ સ્થા જૈન કોન્ફરન્સના હિસાબ સવત ૧૯૮૩ ના કારતક શુદી ૧ થી સવત ૧૯૮૬ ના આસો વદી ૦)) સુધીના ચોપડા તથા વાઉચરો સાથે તપાસ્યા છે અને ઉપરતું સરવૈયુ સ. ૧૯૮૬ ના આસો વદી ૦)) ના રોજ અમારા જાણ્યા તથા માનવા મુજબ, અને અમોને આપેલા ખુલાસા મુજબ કોન્ફરન્સની ખરી સ્થિતિ બતાવે છે

અમોએ બેક ઓફ ઇન્ડીઆ લી ની ફીક્ષ ડીપોઝીટ રસીદ તથા મ્યુનીસીપલ અને ગવર્નમેન્ટ બોન્ડઝ તપાસ્યા છે

છોટાલાલ એચ શાહ એન્ડ કુંપની
ગવર્નમેન્ટ ડીપ્લોમેટેડ એકાઉન્ટન્ટસ,
મુબઇ, તા૦ ૫–૧૦–૩૧. ઓડીટર્સ

શ્રી લાભ શુભ વટાવ ખાતે

જનરલ કમિટિના ઠરાવ મુજબ
નિચેની વિગતના હવાલા નાખ્યા તે

શ્રી જૈન બોર્ડિંગ હાઉસ ફંડના	૫૬૧૧-૧૧-૬
શ્રી સ્કોલરશીપ ફંડના	૬૫૬-૮-૬
શ્રી ધાર્મિક કેળવણી ફંડના	૩૩૫૪-૯-૦
શ્રી સ્ત્રી કેળવણી ફંડના	૧૦૩૯-૧૪-૩
શ્રી વ્યવહારિક કેળવણી ફંડના	૩૧૧૧-૪-૯
શ્રી નિરાશ્રીત ફંડના	૧૪૩૩-૪-૦
શ્રી પ્રાતિક સેક્રેટરી ખર્ચ ફંડના	૩૨૮૭-૧૫-૦
શ્રી મિત્રમંડળ ફંડના	૧૦૩૬-૦-૦
શ્રી ઉપદેશક ખર્ચ ફંડના	૮૫૬-૪-૬
શ્રી અજમેર સુ. સ. પ્રિ. પ્રેસના	૭૯-૯-૦
શ્રી અજમેર સુ. સ. પ્રિ. પ્રેસના નફાના	૩૪૭૯-૫-૦

શ્રી વ્યાજ ખાતે

શ્રી કોલેજના અનામત ફંડના વ્યાજના	૫૬૦-૪-૦	
,, બ્રહ્મચર્યાશ્રમ ફંડના વ્યાજના	૯૪-૦-૩	
,, પુના બોર્ડિંગ ફંડના વ્યાજના	૧૮૩૫-૬-૯	
,, શ્રાવિકાશ્રમ ફંડના વ્યાજના	૪૬૫-૦-૦	
,, વીરસંઘ ફંડના વ્યાજના	૩૬૫-૬-૩	
		૩૩૨૦-૧-૩

શ્રી લાભ શુભ વટાવ ખાતે

શ્રી ગયા વર્ષના સરવૈયા મુજબ	૨૩૬૬૮-૪-૨
,, અર્ધમાગધિ કોષ	૧૧૩૭૪-૨-૬

સને ૧૯૩૧ ના મ્યુનિ-
સિપલ બોન્ડઝની નુક-

શ્રી સી પી પ્રાંત	,,	૪૪-૧-૦
શ્રી મારવાડ પ્રાંત	,,	૧૬૮-૧૫-૦
શ્રી મેવાડ પ્રાંત	,,	૫૦-૧૦-૦
શ્રી દેશી રજપુતાના	,,	૪-૮-૦
શ્રી નિઝામ પ્રાંત	,,	૧૬-૬-૬
શ્રી ઝાલાવાડ પ્રાંત	,,	૫-૪-૦
શ્રી બંગાલ પ્રાંત	,,	૦-૧૨-૦
શ્રી સોરઠ પ્રાંત	,,	૨૪૪-૪-૦
શ્રી બર્મા પ્રાંત	,,	૧૨-૦-૦
		૪૨૭૧૮-૦-૯
		૪૮૮૯૧-૭-૫

તપાસ્યું છે અને બરાબર છે   છોટાલાલ એચ શાહ એન્ડ કું.
મુંબાઇ.   રજીસ્ટર્ડ એકાઉન્ટન્ટસ.
તા૦ ૧૭ એપ્રીલ ૧૯૩૩   ગવર્નમેન્ટ સર્ટીફાઇડ ઓડીટર્સ.

શ્રી પરચુરણ દેવા

શ્રી સુખદેવ સહાય પ્રેસના	૧૩૯૧–૫–૯	
શ્રી અનરાજજીના	૨–૮–૦	
ભાયાણી હરિલાલ જીવરાજના	૯–૯–૦	
શ્રી ગીરધરલાલ બેચરદાસ	૧૨–૧૧–૯	૧૪૧૬–૨–૬
		રૂ. ૮૫૦૬૫–૮–૮

શ્રી પ્રાંતિક સેક્રેટરીઓ પાસે લેણા

ગયા વર્ષના સરવૈયા મુજબ		૭૫૫–૩ ૯
શ્રી અગાઉથી આપવામા આવેલા		
શ્રી મુબઇ સાલમા અધિવેશન	૨૭૪–૬–૯	
શ્રી અધિવેશન પ્રચાર સચ સમિતિ	૧૪૨૧–૨–૯	
શ્રી સાધુ સમેલન સમિતિ પાસે	૮૭૫-૧૨-૬	
ભાઇ શાન્તિલાલ પોપટલાલ પાસે	૧૦૦–૦–૦	
		૨૬૭૧–૬–૦

શ્રી મ્યુનીસીપલ બોન્ડઝ (પડતર કિમતે)
રૂ. ૮૦૦૦ ના ટકા ૫ લેખે સને ૧૯૫૯ ના
તથા રૂ ૧૦૦૦૦ ના ટકા ૬ લેખે સને
૧૯૫૦–૬૦ ના ૧૭૨૫૦-૧૦-૦